वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

● वर्ष 8 ● अंक 189 ● हिन्दी दैनिक ● नई दिल्ली मंगलवार 22 सितंबर 2020 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य 1 रूपया ● डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

राज्यसभा के निलंबित सांसदों का धरना जारी

विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति से मिलने का मांगा समय

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । राज्यसभा में सोमवार को विपक्षी सांसदों के हंगामे का मुद्दा उठा। सभापति एम वेंकैया नायडू ने विपक्ष के दुर्व्यवहार पर कहा कि कल राज्यसभा के लिए बुरा दिन था। इसके बाद कार्रवाई करते हुए आठ सांसदों को एक हफ्ते के लिए निलंबित कर दिया गया। हालांकि मनाही के बावजूद निलंबित सदस्य सदन की कार्यवाही में लगातार हिस्सा लेते रहे। जिसके कारण राज्यसभा की कार्यवाही सुचारू रूप से नहीं चल सकी और इसे मंगलवार सुबह तक के लिए स्थगित करना पड़ा। संसद परिसर में निलंबित सांसद धरना दे रहे हैं। भाजपा ने निलंबित सांसदों के सदन में मौजूद रहने को गुंडागर्दी करार दिया। वहीं ममता बनर्जी ने कहा कि हम घुटने नहीं टेकेंगे। कांग्रेस सांसद शक्तिसिन्ह गोहिल ने कहा, कल मतदान के बिना राज्यसभा द्वारा पारित कृषि विधेयकों के मामले में 12 दलों ने राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगा है। पार्टियों ने राष्ट्रपति से अनुरोध किया है कि वे विधेयकों को मंजूरी न दें। तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन और डोला सेन, आप के संजय सिंह, कांग्रेस के राजीव सातव, रिपुन बोरा और सैयद नासिर हुसैन, सीपीआईएम के केके रागेश और एलमरन करीम संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इन्हें

सभापति ने उपसभापति हरिवंश के साथ दुर्व्यवहार करने की वजह से एक हफ्ते के लिए निलंबित किया है।

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेताप्रतिपक्ष अधीर रंजन चौधरी ने कहा, मैं राज्यसभा सदस्यों के इस तरह के बर्बर और अलोकतांत्रिक तरीके से निष्कासन की निंदा करता हूं। हम राज्यसभा में अपने सदस्यों की यथास्थिति बहाली होने तक विरोध करेंगे। किसानों के हितों की रक्षा के लिए लड़ने वाले 8 सांसदों का निलंबन दुर्भाग्यपूर्ण है और इस निरंकुश सरकार की मानसिकता को दर्शाता है जो लोकतांत्रिक मानदंडों और सिद्धांतों का सम्मान नहीं करती है। हम घुटने नहीं टेकेंगे। हम संसद और सड़कों पर इस फासीवादी सरकार से लड़ेंगे। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा, मोदी जी और उनके मंत्री देश को गुमराह करने में मास्टर हैं। सब चिल्लाचिल्ला कर कहेंगे न्यूनतम समर्थन मूल्य खत्म नहीं होगा लेकिन जब पूछेगे कानून में क्यों नही लिखा? तो गजनी मोड में चले जाएंगे। कानून में मोदी जी ने एमएसपी खत्म कर दी है।

निलंबित सदस्यों ने की गुंडागर्दी

संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा, जब सभापति किसी सदस्य का नाम लेता है तो उस सदस्य को सदन छोड़ना पड़ता है। इससे पहले कभी किसी सदस्य ने पीठासीन के आदेशों की अवहेलना नहीं की। आठ निलंबित सांसदों ने दुर्व्यवहार किया था, यह एक प्रकार की गुंडागर्दी है। उन्होंने साबित कर दिया है कि उन्हें लोकतंत्र पर कोई भरोसा नहीं है।

अंतर्राष्ट्रीय ड्राइविंग परमिट में होगा बदलाव, राज्यों को निर्देश

नई दिल्ली, 21 सितंबर। देश के सभी राज्यों के परिवहन विभाग द्वारा जारी किए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय ड्राइविंग परमिट में बदलाव किया जाएगा। परमिट के पहले पेज पर 19 सितंबर 1949 के सड़क यातायात के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मोहर लगानी होगी। इस बावत केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने देश के सभी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों को एक पत्र जारी कर जरूरी बदलाव करने को कहा है। मंत्रालय के मुताबिक विभिन्न सार्वजनिक शिकायतों के माध्यम से मंत्रालय को यह जानकारी मिली है कि कई देश भारतीय नागरिकों को जारी किए गए अंतर्राष्ट्रीय ड्राइविंग परमिट को स्वीकार नहीं कर रहे हैं। मंत्रालय के संज्ञान में आया है कि, कई देशों के अधिकारियों ने 19 सितंबर 1949 के सड़क यातायात सम्बंधित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अनुसार ही अंतर्राष्ट्रीय ड्राइविंग परमिट का सत्यापन कराने के लिए कहा है। इसी के मद्देनजर केंद्रीय परिवहन मंत्रालय ने सभी राज्यों के परिवहन सचिवों, राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के आयुक्तों को जारी की गई एक सलाह में क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयआरटीओ के लिए अपने रिकॉर्ड में रखे जाने और परमिट को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्यता दिलाने वाली मोहर की एक प्रति भी प्रदान की है। यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू की जाएगी। बता दें कि वर्तमान में दिल्ली सहित बाकी राज्यों में 1 साल के लिए अंतर्राष्ट्रीय ड्राइविंग परमिट (अंतर्राष्ट्रीय डीएल) जारी किया जाता है। इसमें ग्रे कलर की बुकलेट होती है, जिसमें ड्राइविंग लाइसेंस की अवधि लिखी जाती है। साथ ही किस कैटेगिरी में गाड़ी चलाने का लाइसेंस है।

कुछ सरकारी बैंकों का हो निजीकरण, NPA से निपटने को बैड बैंक का सुझावः रघुराम

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने सोमवार को बैंकों के कामकाज में सुधार और क्षेत्र में तीव्र वृद्धि के लिए चुनिंदा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का निजीकरण करने, फंसे कर्ज से निपटने के लिये बैड बैंक बनाने और वित्तीय सेवा विभाग की भूमिका को कम करने का सुझाव दिया। राजन और रिजर्व बैंक के पूर्व डिप्टी गवर्नर विरल आचार्य ने इंडियन बैंक्स- ए टाइम टू रिफॉर्म शीर्षक से लिखे एक दस्तावेज में कहा कि बैंकों में वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए सुधार जरूरी है। इसमें कहा गया है, चुनिंदा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का निजीकरण सावधानीपूर्वक विचार कर तैयार रणनीति के तहत किया जा सकता है। इसमें ऐसे निजी निवेशकों को लाना चाहिए जिनके पास वित्तीय विशेषज्ञता के साथसाथ प्रौद्योगिकी क्षमता हो। हितों के टकराव को देखते हुए कॉरपोरेट घरानों को बड़ी हिस्सेदारी खरीदने से अलग रखा जाना चाहिए। दस्तावेज में कहा गया है कि सरकार के पास बैंकों के कर्ज मामले में दखल की काफी शक्तियां होती है। कभीकभी इस शक्ति का उपयोग वित्तीय समावेश या बुनियादी

ढांचा के लिए कर्ज में किया जाता है। कभीकभी उसका उपयोग उद्योगपतियों को संरक्षण या नियंत्रित करने में भी किया जाता है। इसमें कहा गया है, वित्त विभाग के अंतर्गत आने वाले वित्तीय सेवा विभाग की भूमिका कम करना जरूरी है। यह बैंक निदेशक मंडल और प्रबंधन को स्वतंत्र होकर काम करने देने और महंगे सामाजिक या राजनीतिक लक्ष्यों को पूरा करने जैसी बाध्यतों में उन्हें शामिल नहीं करने की प्रतिबद्धता को लेकर ठोस संकेत देने के लिए जरूरी है। इसमें कहा गया है कि दबाव वाले कर्जों की बिक्री के लिए ऑनलाइन मंच के सामानान्तर निजी परिसंपत्ति प्रबंधन और राष्ट्रीय परिसंपत्ति प्रबंधन बैड बैंक को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। पत्र के अनुसार सकल कर्ज, दबाव वाली कंपनियों के लिए प्रबंधन टीम के गठन और मांग के पटरी पर आने तक बिजली जैसे क्षेत्रों में दबाव वाली संपत्ति की बिक्री और उसे रखने के मामले में सार्वजनिक क्षेत्र का बैड बैंक एक इकाई के रूप में काम कर सकता है। इसमें सुझाव दिया गया है, यह पीएसबी के फंसे कर्जों के लिए अच्छा मूल्य प्रदान कर सकता है। पत्र में यह भी कहा गया है कि सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ बैंकों में पहले कदम के रूप में मालिकना हक के ढांचे को बदला जा सकता है।

कृषि सुधार 21 वीं सदी के भारत की जरूरत

किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास जारी रहेंगेः मोदी

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 21 सितंबर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को संसद से पारित कृषि सुधारों से संबंधित विधेयकों को ऐतिहासिक करार देते हुए सोमवार को कहा कि ये सुधार 21 वीं सदी के भारत की जरूरत हैं और इससे किसानों का भविष्य उज्ज्वल होगा।

उन्होंने किसानों को आवश्वस्त किया कि इससे न तो न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और न ही कृषि मंडियां समाप्त होंगी बल्कि इससे किसानों के हितों की रक्षा होगी। प्रधानमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बिहार में 14,258 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होने वाली नौ राजमार्ग परियोजनाओं और राज्य के सभी 45,945 गांवों को इंटरनेट से जोडने के लिए ऑप्टिकल फाइबर इंटरनेट सेवाओं का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में विपक्षी दलों खासकर कांग्रेस पर किसानों को गुमराह करने का आरोप लगाया और कहा कि देश के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उनकी सरकार के प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

उल्लेखनीय है कि कृषि क्षेत्र से जुड़े दो महत्वपूर्ण विधेयकों कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य विधेयक2020 और कृषक (सशक्तीकरण एवं संरक्षण) कीमत आश्वासन समझौता और कृषि सेवा पर करार विधेयक 2020 को रविवार को राज्यसभा ने ध्वनिमत मंजूरी दे दी। ये विधेयक लोकसभा से पहले ही पारित हो चुके हैं। इस प्रकार इन विधेयकों को संसद की मंजूरी मिल गई है, जिन्हें अब राष्ट्रपति के पास हस्ताक्षर के लिए भेजा जायेगा और राष्ट्रपति की मंजूरी मिल जाने पर इन्हें अधिसूचित कर दिया जाएगा। मोदी ने कहा, कल देश की संसद ने किसानों को अधिकार देने वाले बहुत ही ऐतिहासिक कानूनों को पारित किया है। इसके लिए मैं देश के किसानों को और भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए आशावादी लोगों को भी बहुतबहुत बधाई देता हूं। यह सुधार 21 वी सदी के भारत की जरूरत है।'' उन्होंने कहा कि देश में अब तक उपज और बिक्री की जो व्यवस्था चली आ रही थी, जो कानून हैं, उसने किसानों के हाथपांव बांधे हुए थे। इन कानूनों की आड़ में देश में ऐसे ताकतवर गिरोह पैदा हुए थे, जो किसानों की मजबूरी का फायदा उठा रहे थे। उन्होंने कहा, %%आखिर यह कब तक चलता रहता। इसलिए इस व्यवस्था में बदलाव करना आवश्यक था। यह बदलाव हमारी सरकार ने कर के दिखाया है।'' उल्लेखनीय है कि इन विधेयकों का देशभर के कई इलाकों खासकर पंजाब और हरियाणा में विरोध हो रहा है। इन विधेयकों को किसान विरोधी करार देते हुए भाजपा की सबसे पुरानी सहयोगी पंजाब की शिरोमणि अकाली दल की नेता हरसिमरत कौर बादल ने केंद्रीय मंत्रिमंडल से पिछले दिनों इस्तीफा दे दिया था। शिअद के प्रमुख सुखबीर सिह बादल ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविद से इन विधेयकों पर हस्ताक्षर नहीं करने की अपील की है और उनसे आग्रह किया है कि वे इन्हें पुर्निवचार के लिये संसद को लौटा दें। मोदी ने कहा कि नए कृषि सुधारों ने देश के हर किसान को आजादी दी है कि वह किसी को भी, कहीं पर भी अपनी फसल, अपने फल व सब्जियां, अपनी शर्तों पर बेच सकता है।

अब उसे अपने क्षेत्र की मंडी के अलावा भी कई और विकल्प मिल गए हैं। अब उसे अगर मंडी में ज्यादा लाभ मिलेगा तो वह मंडी में अपनी फसल बेचेगा, मंडी के अलावा कहीं और से ज्यादा लाभ मिलता है तो वहां जाकर बेचेगा। उन्होंने कहा कि किसानों को मिली इस आजादी के कई लाभ दिखाई देने शुरू भी हो गए हैं। ऐसे प्रदेश जहां पर आलू बहुत होता है, वहां से जानकारी आ रही है कि जूनजुलाई के दौरान थोक खरीदारों ने किसानों को अधिक भाव देकर सीधे कोल्ड स्टोरेज से ही आलू खरीद लिया।

देश में 24 घंटे में सामने आए 86,961 नए केस

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । देशभर में जिस गति से संक्रमित मामलों की संख्या बढ़ रही है उसी गति से मरीज ठीक भी हो रहे हैं। पिछले 24 घंटे में देश में 86,961 नए कोरोना संक्रमित मामले सामने आए हैं।

वहीं 43 लाख 96 हजार 399 मरीज ठीक भी हो चुके हैं। खास बात यह है कि पूरी दुनिया में कोरोना के मरीज सबसे ज्यादा ठीक हुए हैं। पिछले दिनों लगातार 90 हजार से ज्यादा मामले सामने आने के बाद अब देश में पिछले 86,961 नए संक्रमित मामलों के साथ कुल संक्रमितों का आंकड़ा 54 लाख 87 लाख 581 तक पहुंच गया है। इस वक्त देश में सक्रिय मामलों की संख्या 10,03,299 है। दुनिया संक्रमितों की लिस्ट में भारत दूसरे पायदान पर

बना हुआ है। देश में कोरोना से मरनेवालों मरीजों की बात करें तो पिछले 24 घंटे में 1,130 मरीजों की मौत के साथ आंकड़ा 87 लाख 882 तक पहुंच गया है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने अपने ताजा आंकड़ों में इसकी जानकारी दी है। वहीं अगर कोरोना नमूनों की जांच की बात करें तो अबतक देश में 6 करोड़ 43 लाख 92 हजार से ज्यादा मामले सामने आए हैं। बीते दिन एक दिन में 7 लाख 31 हजार 534 नमूनों का टेस्ट किया जा चुका है। देश में सबसे ज्यादा संक्रमित मामलों की संख्या महाराष्ट्र में है। यहां पर संक्रमतों का आंकड़ा 11 लाख 88 हजार के पार पहुंच गया है। वहीं मरनेवालों काआंकड़ा 32, 216 तक पहुंच गया है। इसके बाद देश में आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश संक्रमित राज्य है। वैश्विक स्तर पर कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा 3,09,29,163 तक पहुंच गया है। वहीं मौत का आंकड़ा 1 लाख 99 हजार से ज्यादा हो गया है। दुनिया में संक्रमित देशों कि लिस्ट में अमेरिका पहले पायदान पर बना हुआ है।

कोरोना के मरीजों के ठीक होने के नए मामलों की संख्या का 79 फीसद अकेले दस राज्यों और संघ शासित प्रदेशों से ही देखा जा रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, ठीक होने वाले मरीजों की कुल संख्या अब 43,96,399 हो गई है। इस मामले में भारत दुनियाभर में शीर्ष पर है। भारत में कोरोना संक्रमण से ठीक होने वाले मरीजों की संख्या बाकी मुल्कों की तुलना में 19 फीसद से ज्यादा है। मौजूदा वक्त में कोरोना संक्रमितों के ठीक होने की दर बढ़ कर अब 80.12 फीसद हो गई है। सोमवार को देश में बीते 24 घंटों में कोविड19 के 86,961 नए मामले सामने आए जिसके साथ संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर 54,87,580 हो गया। बीते 24 घंटे में 1,130 और लोगों की मौत हो गई जिसके साथ संक्रमण से जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 87,882 हो गई है।

ऑक्सफोर्ड की कोरोना वैक्सीन के तीसरे फेज का क्लिनिकल ट्रायल शुरू

(विशेष संवाददाता)

पुणे । ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा विकसित एवं सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा बनाई जा रही कोरोना वैक्सीन का मानव पर तीसरे फेज का क्लिनिकल ट्रायल सोमवार को पुणे के सरकारी ससून जनरल अस्पताल में शुरू हुआ। वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। ससून जनरल अस्पताल के डीन डॉ. मुरलीधर तांबे ने बताया, हमने संभावित वैक्सीन के तीसरे फेज का ट्रायल शुरू किया है। हम 150 से 200 वॉलंटियर्स को वैक्सीन लगाएंगें। दूसरे फेज के तहत इस वैक्सीन का ट्रायल भारती विद्यापीठ चिकित्सा महाविद्यालय और केईएम अस्पताल में किया गया था।

उल्लेखनीय है कि ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा विकसित इस वैक्सीन का प्रोडक्शन करने में एसआईआई ब्रिटिशस्वीडिश कंपनी एस्ट्राजेनेका की साझेदार है। इस महीने के शुरू में एसआईआई ने पूरे देश में टीके का परीक्षण रोक दिया था। भारत के औषधि महानियंत्रक ने 11 सितंबर को अगले आदेश तक एसआईआई द्वारा टीके के दूसरे एवं तीसरे चरण के चिकित्सकीय परीक्षण को अगले आदेश तक स्थगित करने का निर्देश दिया था। यह कदम एस्ट्राजेनेका कंपनी द्वारा एक स्वयंसेवी के अज्ञात कारणों से बीमार होने के बाद ट्रायल स्थगित करने के बाद उठाया गया था। हालांकि, डीसीजीआई ने 15 सितंबर को टीके का चिकित्सकीय परीक्षण दोबारा शुरू करने की अनुमति एसआईआई को दे दी थी।

नौसेना की दो महिला अधिकारी युद्धपोत पर तैनात होंगी

नौसेना ने युद्धपोत पर मौजूद हेलीकॉप्टर के परिचालन के लिए महिलाओं को चुना

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 21 सितंबर । लैंगिक समानता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भारतीय नौसेना ने पहली बार दो महिला अधिकारियों को अग्रिम मोर्चों पर तैनात युद्धपोत पर मौजूद हेलीकॉप्टर के परिचालन के लिए चुना है जो अल्पकालिक और दीर्घकालिक मिशन पर अपनी सेवाएं देंगी। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि सब लेफ्टिनेंट कुमुदिनी त्यागी और सब लेफ्टिनेंट रीति सिह ने हेलीकॉप्टर वर्ग में ऑब्जर्वर (हवाई रणनीतिकार) का पाठ्यक्रम पूरा किया है और उन्हें चालक दल सदस्य के तौर पर युद्धपोत पर तैनात किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, फ्रांस की नौसेनाओं की तरह भारतीय नौसेना को अभी युद्धपोत पर महिला अधिकारियों की तैनाती करनी है। भारतीय नौसेना ने बयान में कहा, भारतीय नौसेना के उड्डयन इतिहास में एक और पहली बार हुआ है।

दो महिला अधिकारियों को हेलीकॉप्टर वर्ग में हवाई रणनीतिकार के तौर पर शामिल होने के लिए चुना गया है। यह हवाई युद्ध में यह महिलाओं की पहली टीम होगी जो युद्धपोत से परिचालन करेंगी।'' हवाई रणनीतिकार के तौर पर दोनों अधिकारी उस टीम का हिस्सा होंगी जो नौसेना में युद्धपोत पर तैनात हेलीकॉप्टर के विभिन्न लड़ाकू और रणनीतिक पहलुओं के परिचालन को देखती है जब उनकी तैनाती मिशन पर होती है। नौसेना ने बताया कि त्यागी और ड्क्षसह नौसेना के 17 अधिकारियों के समूह का हिस्सा हैं जिन्हें आईएनएस गरुड़ पर आज हुए समारोह में 'ऑब्जर्वर' के तौर पर पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद विग' से

सम्मानित किया गया। इस समूह में नौसेना की कुल चार महिला अधिकारी और भारतीय तटरक्षक बल के तीन अधिकारी शामिल हैं। नौसेना के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने पहचान गोपनीय रखते हुए कहा कि दो महिला अधिकारियों की नयी भूमिका के लिए चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है और यह अग्रिम मोर्चे पर तैनात युद्धपोत की महिला कमांडर होने के पूर्व का कदम है। नौसेना बेड़े में मौजूद टैंकरों पर महिला किमयों को रणनीतिक और चिकित्सा शाखा में तैनात करती है लेकिन यह पहली बार होगा जब उन्हें विध्वंसक पोत या युद्धपोत पर तैनात किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पिछले साल नौसेना ने दो महिला पायलट की तैनाती डोर्नियर विमान बेड़े के चालक के तौर पर की गई थी। समुद्रीय निगरानी करने वाले पी 8आई बेड़े में भी महिला अधिकारी तैनात हैं। हालांकि, डोर्नियर और पी 8आई तट पर बनी हवाई पट्टी से उड़ान भरते हैं। सूत्रों ने बताया कि सब लेफ्टिनेंट त्यागी और सब लेफ्टिनेंट ड्क्षसह नौसेना के समुद्री हेलीकॉप्टर एमएच60 सीहॉक के तकनीकी दल का हिस्सा हो सकती हैं। भारत अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन से भारतीय नौसेना के लिए 2.6 अरब डॉलर की लागत से 24 एमएच60 रोमियो हेलीकॉप्टर खरीद रहा है। अधिकारियों ने बताया कि नौसेना महिला अधिकारियों को अपने युद्धपोत पर विभिन्न भूमिका में कार्य करने की अनुमति देगा और उचित सुविधा नवनिर्मित पोतों पर उनके लिए बनाई जाएगी। समारोह की अध्यक्षता रियर एडमिरल एंटनी जॉर्ज ने की, जो चीफ स्टाफ ऑफिसर भी हैं। जॉर्ज ने ऑब्जर्वर का पाठ्यक्रम पूरा करने वाले अधिकारियों को सम्मानित किया और प्रतिष्ठित ड्क्षवग दिया। इसके साथ ही कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने छह अधिकारियों को सफलतापूर्वक योग्य नेविगेशन प्रशिक्षक पाठ्यक्रम पूरा करने पर प्रशिक्षक बैच से सम्मानित किया। रियर एडमिरल एंटनी ने इस तथ्य को रेखांकित किया कि यह ऐतिहासिक मौका है जब पहली बार महिलाओं को हेलीकॉप्टर का प्रशिक्षण दिया गया है जिससे अंततः अग्रिम मोर्चों पर मौजूद युद्धपोतों पर उनकी तैनाती का रास्ता साफ होगा।

पाकिस्तान में हर साल 1000 हिन्दू सिख लड़कियों का जबरन धर्मान्तरण

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 21 सितंबर। पाकिस्तान में हिन्दू एवं सिखों पर मजहब के आधार पर अत्याचार अनवरत जारी है और हर साल एक हजार से अधिक महिलाओं का अपहरण करके उन्हें जबरन धर्म परिवर्तन करने के लिए मजबूर किया जा रहा है।अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता परिषद की वर्ष 2020 की रिपोर्ट में यह तथ्य रेखांकित किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों की नाबालिग लड़कियों पर अत्याचार एवं हिंसा लगातार जारी है। हिन्दू, सिख एवं ईसाई समुदाय की युवतियों को अगवा करके बल पूर्वक इस्लाम में उनका धर्म परिवर्तन कराया जाता है। हर साल करीब एक हजार युवतियों को इस तरह इस्लाम में लाया जा रहा है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि स्थानीय पुलिस अक्सर इन मामलों की समुचित तहकीकात नहीं करती है। हाल के कुछ माह के दौरान सिख समुदाय में ऐसे 55 से अधिक मामले सामने आये हैं। बीते महीनों में सिख ग्रंथियों के परिवारों की नाबालिग लड़कियों को अगवा किया गया और जबरन इस्लाम कुबूलने को मजबूर किया गया। इनमें गत वर्ष ननकाना साहिब गुरुद्वारे के ग्रंथी की पुत्री जगजीत कौर का मामला पता चला था जबकि हाल ही में गुरुद्वारा पंजा साहिब के ग्रंथी की बेटी बुलबुल कौर को भी अगवा किया गया है।

पाकिस्तान में सिख समुदाय में इन घटनाओं से गहरा आक्रोश व्याप्त है और उन्होंने नाबालिग लड़कियों के अपहरण एवं बलपूर्वक धर्मान्तरण की बढ़ती घटनाओं के विरोध में प्रदर्शन किया और पैदल मार्च किया है, पर पाकिस्तान सरकार की ओर से अब तक कोई संतोष जनक कदम नहीं उठाये गये हैं।

एक नजर

चार महानगरों में डीजल के दाम 14-15 पैसे प्रति लीटर घटे

नई दिल्ली। सरकारी तेल कंपनियों ने लगातार तीसरे दिन सोमवार को डीजल के दाम देश के चार बड़े महानगरों में 1415 पैसे प्रति लीटर तक और घटाये जबकि पेट्रोल की कीमत इस दौरान स्थिर रही। इससे पहले गुरुवार और शुक्रवार को दोनों ईंधन के दाम कम हुए थे। शनिवार को भी पेट्रोल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ था। रविवार को डीजल 2325 पैसे सस्ता हुआ था। कोरोना संक्रमण की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की मांग प्रभावित हुई है जिससे दाम पर असर पड़ा है। सितंबर माह में कच्चे तेल की मांग पिछले 4 महीने में सबसे कम है। घरेलू बाजार में तीन सितंबर से डीजल कीमत में गिरावट देखने को मिल रही है और अब तक 2.13 रुपये प्रति लीटर तक की कमी दर्ज की गई है। तेल विपणन क्षेत्र की अग्रणी कंपनी इंडियन आयल के अनुसार आज दिल्ली में पेट्रोल 81.14 पर स्थिर रहा जबकि डीजल 15 पैसे सस्ता होकर 71.43 रुपये प्रति लीटर रह गया। वाणिज्यिक नगरी मुंबई में पेट्रोल 87.82 रुपये प्रति लीटर पर टिका रहा और डीजल 15 पैसे कम होकर 77.87 रुपये प्रति लीटर रह गया। कोलकाता में पेट्रोल 82.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिए रहा जबकि डीजल 15 पैसे घटकर 74.94 रुपये प्रति लीटर रह गया। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 84.21 रुपये प्रति लीटर पर अपरिवर्तित रही जबकि डीजल 14 पैसे घटकर 76.84 रुपये प्रति लीटर रह गया।

दिल्ली के सीताराम बाजार में निर्माणाधीन इमारत ढही

नई दिल्ली। पुरानी दिल्ली के कोतवाली थाना इलाके के सीताराम बाजार में उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक निर्माणाधीन बिल्डिंग गिर गई। बिल्डिंग गिरते ही इलाके में अफरातफरी मच गई। इसकी सूचना तुरंत दमकल विभाग को दी गई। वहीं, हादसे की सूचना पर पहुंची दिल्ली पुलिस और अन्य संबंधित विभाग के कर्मचारियों ने राहत और बचाव का काम शुरू कर दिया है। एक शख्स जो मामूली रूप से घायल हो गया था उसे मलबे से निकालकर प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। जानकारी के अनुसार बाजार सीताराम इलाके में निर्माणाधीन इमारत सोमवार सुबह 6.45 ढह गई। पुलिस इस हादसे में किसी के भी हताहत होने जानकारी होने की बात से इनकार कर रही है, लेकिन एक शख्स के घायल होने की जानकारी मिली है। मिली जानकारी के मुताबिक, सोमवार सुबह ढही निर्माणाधीन इमारत पुरानी दिल्ली के हौज काजी गली शीश महल सीता राम बाजार में है।

पश्चिमी दिल्ली में सेवानिवृत नौसेना अधिकारी की हत्या

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के द्वारका इलाके में नौसेना के 55 साल के एक सेवानिवृत्त अधिकारी की कथित तौर पर एक व्यक्ति ने गोली मार कर हत्या कर दी है। पुलिस ने बताया कि घटना रविवार रात द्वारका के सेक्टर 23 में हुई। मृतक की पहचान नौसेना के सेवानिवृत्त कर्मी बलराज देशवाल के तौर पर हुई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपी प्रदीप खोकर ने इमारत के बाहर अपनी कार खड़ी की और भू तल पर बने 'पार्किंग एरिया' में गया जहां देशवाल अपने दोस्तों के साथ बैठे थे। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) संतोष कुमार मीणा ने कहा, ''खोकर ने देशवाल के साथ बहस करनी शुरू कर दी और बाद में उन पर गोली चला दी।'' पुलिस ने बताया कि गोली देशवाल के मुंह में लगी और अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत लाया घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि देशवाल 'रियल स्टेट' का काम करते थे और आरोपी को उन्हें पांच लाख रुपये देने थे।

दिल्ली में 30 प्रतिशत कोरोना मरीज बाहरी

अब अलग तरह से दर्ज होंगे मरीजों के आंकड़े : सत्येंद्र जैन

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली । दिल्ली में इन दिनों के करोना के मामले एक बार फिर बढ़ रहे हैं। इस बीच स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा है कि शहर के अस्पतालों में ऐडमिट कोरोना के 30 प्रतिशत मरीज दूसरे राज्यों से हैं और ज्यादातर ढ्ढष्ट बेड उन्हीं की वजह से भरे हैं। जैन ने कहा कि ज्यादातर मरीज दिल्ली के रहने वाले नहीं हैं इसलिए उनकी मौत के आंकड़े अलग से दर्ज किए जाएंगे। उनका कहना है कि राजधानी दिल्ली में देश में सबसे कम मृत्यु दर है। पिछले 10 दिन के आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली में कोरोना से मृत्यु दर 0.77 प्रतिशत है। जैन ने कहा, दिल्ली के अस्पतालों में भर्ती 30 प्रतिशत मरीज दूसरे राज्यों के हैं। वे पहले से ही सोचकर आते हैं कि कुछ

गिने चुने अस्पतालों में ही इलाज करवाएंगे। इनमें मैक्स, अपोलो और फोर्टिस शामिल हैं। हालांकि मंत्री ने कहा कि दिल्ली में अब भी 1000 ढ्ढष्ट बेड उपलब्ध हैं। पिछले कुछ ही दिनों में लगभग 1500 नॉन आईसीयू और 500 आईसीयू बेड नए जोड़े गए हैं। उन्होंने कहा, दिल्ली में बेडों की उपलब्धता का सारा ब्यौरा ऐप पर मौजूद है। जैन ने कहा कि अब दिल्ली के बाहर के लोगों के मौत के आंकड़े अलग से इकट्ठे किए जाएंगे जबकि पहले ऐसा नहीं हो रहा था। मंत्री ने कहा कि दिल्ली में प्लाज्मा की भी कोई कमी नहीं है। जिनको भी जरूरत है वे इंस्टिट्यूट ऑफ लीवर ऐंड बाइलियरी साइंसेज से ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों की तरह टेस्टिंग में गड़बड़ी की शिकायत यहां नहीं मिली है। दिल्ली में कोरोना के कुल मामले बढ़कर 2,46,711 हो गए हैं। एक दिन पहले 3,812 नए केस सामने आए थे। पिछले 6 दिन में यह सबसे कम आंकड़ा था। राजधानी में कोरोना से अब तक 4982 लोगों की जान जा चुकी है। एक दिन में 11,322 आरटी पीसीआर टेस्ट हुए थे और 41,083 ऐंटीजन टेस्ट किए गए।

होम आइसोलेशन में 19,213 कोरोना मरीज

इस समय दिल्ली के कोविड डेडिकेटेड अस्पतालों में बेड्स की कुल संख्या 15681 है। जिसमें से 6990 बेड्स भरे हुए हैं और 8691 बेड्स खाली हैं। डेडिकेटेड कोविड केयर सेंटर में कुल 8137 बेड्स हैं जिनमें से 1805 भरे हैं और 4468* खाली हैं। वहीं डेडिकेटेड कोविड हेल्थ सेंटर में कपल 601 बेड्स हैं जिनमें से 385 भरें हैं और 216 खाली हैं। इसके अलावा 19,213 कोरोना मरीज होम आइसोलेशन में रह रहे हैं।

विधवा पेंशन योजना के तहत 2 लाख 55 हजार महिलाओं को मिली मदद

नई दिल्ली, 21 सितंबर (वेबवार्ता)। दिल्ली सरकार ने विधवा पेंशन स्कीम को लेकर हलफनामा दिल्ली हाईकोर्ट में दिया है. जिसमें दिल्ली सरकार ने कहा है कि उसने पिछले जून महीने तक दिल्ली में दो लाख पचपन हजार लाभार्थियों को विधवा पेंशन स्कीम के तहत आर्थिक मदद की है. दिल्ली सरकार के इस हलफनामे के बाद चीफ जस्टिस डीएन पटेल की अध्यक्षता वाली बेंच ने याचिका का निस्तारण कर दिया है. सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार की ओर से वकील अंजुम जावेद ने कहा कि 393 गरीब विधवाओं की बेटियों और अनाथ बच्चियों की शादी करने के लिए भी आर्थिक सहायता दी गई है. उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के लिए साठ हजार रुपये से लेकर एक लाख रुपये तक की मदद दी गई. उन्होंने कहा कि दिल्ली में विधवाओं की मदद के लिए दिल्ली सरकार की वेबसाइट पर सारी प्रक्रिया बताई गई है. उसके तहत जिलों में दायर आवेदनों पर 45 दिनों के अंदर कार्रवाई होती है. दिल्ली सरकार के हलफनामे में कहा गया है कि लाडली योजना और गरीब विधवाओं को अपनी बेटियों की शादी के लिए भी प्रक्रिया तय करने का अंतिम चरण चल रहा है. ये जल्द ही वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा. दिल्ली सरकार के इस हलफनामे पर गौर करने के बाद चीफ जस्टिस डीएन पटेल की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि दिल्ली सरकार ने इस संबंध में पर्याप्त कदम उठाए हैं. उसके बाद कोर्ट ने याचिका का निस्तारण कर दिया. बता दें कि याचिका सामाजिक कार्यकर्ता हरपाल सिंह राणा ने दायर की थी. याचिका में कहा गया था कि आरटीआई से मिली जानकारी के मुताबिक कोरोना काल में करीब 12 हजार विधवा महिलाओं का पेंशन रोक दिया गया है।

उस यात्रा पर जाएं जो आत्मा का मिलाप परमात्मा से कराएगीः संत राजिंदर

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 21 सितंबर । सावन कृपाल रूहानी मिशन के अध्यक्ष संत राजिन्दर सिंह का 74वां जन्मोत्सव मनाया गया। इस मौके पर संत राजिन्दर सिंह ने अंतर की यात्रा का सफर' विषय पर आधारित अपने पावन संदेश में कहा कि, हम सबकी यही कोशिश होती है कि जो हमारी जिंदगी में हमें लगता है कि अच्छा हो रहा है उसको बारबार मनायें। हम सब इस धरती पर किसी खास मकसद से आए हैं। इस धरती पर जितने भी जीव हैं, उन सबमें सबसे उत्तम चोला मानव शरीर है। इस शरीर में प्रभु ने हमें वो सब पदार्थ दिये हैं जिनके जरिये हम अपने आपको सही रूप में जान सकते हैं और पितापरमेश्वर को पा सकते हैं और यही हमारे जन्मदिन का आध्यात्मिक अर्थ है।

उन्होंने कहा कि आमतौर इंसान का समय बाहर की दुनिया में खोज करते करते निकल जाता है जबकि हमारा असली मकसद अंदर की दुनिया की खोज करने का है। हम

उस यात्रा पर जाएं जो हमारी आत्मा का मिलाप परमात्मा से कराएगी। राजिंदर ड्ढसह ने कहा कि वो इंसान जो इस यात्रा पर जाता है वो संतुष्ट रहता है उसे किसी चीज का डर नहीं रहता। सभी संतमहापुरुषों ने बारबार ये कहा है कि हम सब इस यात्रा पर जा सकते हैं, क्योंकि पितापरमेश्वर कहीं बाहर नहीं बल्कि हम सबके अंदर बस रहे हैं। जब हम अपना ध्यान बाहर से हटाकर अंदर की दुनिया में करेंगे तो हम प्रभु की नजदीकी पाएंगे। उन्होंने कहा कि चाहे हम किसी भी धर्म के हों या किसी भी संस्कृति में रहते हों, हम सब प्रभु को जान सकते हैं, पहचान सकते हैं और उन्हें पा सकते हैं। बता दें कि मिशन के अध्यक्ष संत राजिन्दर सिंह लोगों को ध्यानअभ्यास की विधि सिखा रहे हैं, जिससे कि हम अपने मनुष्य जीवन के ध्येय अपने आपको जानना व पितापरमेश्वर को पाना को भी इसी जीवन में पूरा कर सकते हैं। इस मौके पर माता रीटा ने गुरु अर्जन देव जी महाराज की वाणी से अब मोहे राम जसो मन गायो' शब्द का गायन किया।

पंजाब के कांग्रेसी सांसदों के साथ धक्कामुक्की

नई दिल्ली, 21 सितंबर । पंजाब के कांग्रेस पार्टी के सांसदों के साथ सोमवार देर शाम कैंडल मार्च निकालते समय दिल्ली पुलिस एवं सुरक्षाकर्मियों के साथ धक्कामुक्की हुई है। सांसद रवनीत बिट्टु, गुरजीत औजला, जसवीर सिंह डिम्पा, संतोख चौधरी संसद भवन से शाम सवा सात बजे कैंडल मार्च निकाल रहे थे, वह राष्ट्रपति भवन के निकट पहुंचे ही थे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रूट लग गया। इसके चलते सुरक्षा कर्मियों ने उनका रास्ता रोक दिया और आगे नहीं जाने दिया। बताते हैं कि दिल्ली पुलिस ने विजय चौक के पास चारों सांसदों को रोकने की कोशिश की जिसमें सांसदों के साथ पुलिस की जमकर धक्का मुक्की हुई। सभी सांसद कृषि बिलों को लेकर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मिलने जा रहे थे। सांसदों ने कहा कि वह राष्ट्रपति से गुहार लगाने को जा रहे थे कि वह संसद द्वारा पारित किए गए बिलों पर हस्ताक्षर ना करें, यह किसानों से जुड़ा मसला है और किसानी को बर्बाद कर देगा।

NGO के पंजीकरण के लिए पदाधिकारियों के आधार नंबर होंगे जरूरी, बिल पेश

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । लोकसभा में विदेशी अभिदान विनियमन संशोधन विधेयक पेश करते हुए गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि इसमें धार्मिक संगठनों को विदेशी अंशदान प्राप्त करने का अधिकार पहले की तरह है और बिना भेदभाव के सभी धर्मों को यह अधिकार प्राप्त है। केंद्रीय मंत्री राय ने रविवार को निचले सदन में विदेशी अभिदान विनियमन संशोधन विधेयक पेश 2020 पेश किया। इसके तहत किसी भी एनजीओ के पंजीकरण के लिए पदाधिकारियों के आधार नंबर जरूरी होंगे और लोक सेवक के विदेशों से रकम हासिल करने पर पाबंदी होगी। इसके माध्यम से विदेशी अभिदान विनियमन अधिनियम 2010 का संशोधन किया जा रहा है। राय ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेश के आलोक में आधार की व्यवस्था से जुड़ा संशोधन लाया गया है। गृह राज्य मंत्री ने कहा, '' हमारा मकसद है कि कोई भी संगठन हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को बाधित न करे और कोई खतरा पैदा नहीं हो। जिस उद्देश्य

से पैसा मिला है उसी के लिए इस्तेमाल हो।'' उन्होंने कहा कि अगर कोई संस्था कानून के हिसाब से काम नहीं करती तो उस स्थिति में उसे नोटिस देते हैं, उनका पक्ष सुनते हैं और फिर जरूरी होता है तो कानून के हिसाब से कार्रवाई करते हैं। राय ने विपक्ष के सदस्यों की कुछ चिंताओं का जवाब देते हुए कहा, ''इसमें कहां किसी के अधिकार को दबा रहे हैं।'' विधेयक पेश करने का विरोध करते हुए तृणमूल कांग्रेस के सौगत राय ने कहा कि यह कुछ संगठनों को एफसीआरए की प्राप्ति रोकने का प्रयास है। कुछ लोग ही विदेशी अनुदान ले सकें, ऐसा प्रयास है। यह अल्पसंख्यकों के लिए ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि इसे विनियमित करने की बजाए नियमन से मुक्त करना चाहिए। कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि कभीकभी ऐसा लगता है कि सत्तापक्ष की बजाय विपक्ष से सवाल किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक विपक्ष और विरोधियों की आवाज दबाने का प्रयास है। कांग्रेस के ही मनीष तिवारी ने कहा कि एफसीआरए के प्रावधानों को सख्त बनाने की बजाए लचीला बनाया जाना चाहिए।

हेलीकॉप्टर घोटालाः अदालत आरोप पत्र का संज्ञान लेने पर 25 को सुनाएगी फैसला

नई दिल्ली, 21 सितंबर । दिल्ली की एक अदालत ने ब्रिटिश नागरिक क्रिश्चियन मिशेल जेम्स और कारोबारी राजीव सक्सेना के खिलाफ अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर घोटाले में दायर पूरक आरोप पत्र का संज्ञान लिया जाए नहीं, इस पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। विशेष न्यायाधीश अरविंद कुमार ने 25 सितंबर तक अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। इससे पहले सीबीआई की ओर से पेश हुए लोक अभियोजक ने दलील दी कि मामले में दोनों कथित बिचैलियों और 13 अन्य के खिलाफ अभियोग चलाने के लिए पर्याप्त सामग्री है। सूत्रों के मुताबिक, शुक्रवार को दायर जांच रिपोर्ट में, राजनीतिक नेताओं, नौकरशाहों तथा भारतीय वायुसेना के अधिकारियों को रिश्वत देने में आरोपियों की कथित भूमिका के बारे में विस्तार से बताया गया है। सूत्रों ने बताया कि एजेंसी ने इस साल की शुरूआत में पूर्व रक्षा सचिव शशिकांत शर्मा पर मुकदमा चलाने के लिए संबंधित प्राधिकारों से अनुमति मांगी थी, लेकिन अब तक अनुमति नहीं मिलने के कारण उनका नाम आरोपी के तौर पर शामिल नहीं किया गया है । एजेंसी ने अदालत को बताया कि वह मामले में बाद में एक और पूरक आरोपपत्र दाखिल कर सकती है । मामले में सितंबर 2017 में दाखिल पहले आरोपपत्र में पूर्व वायु सेना प्रमुख एस पी त्यागी तथा अन्य को नामजद किया गया था । स्विट्जरलैंड से वायुसेना/रक्षा मंत्रालय के खुफिया सरकारी दस्तावेजों की प्रतियां और अन्य दस्तावेज मिले हैं ।

शाहीनबाग मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा, प्रदर्शन का अधिकार लेकिन लोगों के आने-जाने हक न छीनें

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि प्रदर्शन के अधिकार और लोगों के सड़क के इस्तेमाल के मामले में संतुलन बनाना जरूरी है। प्रदर्शन और इस दौरान सड़क को ब्लॉक करने के मामले में संतुलन की अनिवार्यता है।

प्रदर्शन के अधिकार के लिए कोई निश्चित नीति नहीं है। इस पर कोई भी रोक केस के हिसाब से अलगअलग हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि प्रदर्शन के अधिकार और सड़क जाम की स्थिति में संतुलन बनाना होगा। हम इस मुद्दे को देखेंगे। संसदीय लोकतंत्र में प्रदर्शन का अधिकार है। यह संसद में हो सकता है और सड़क पर हो सकता है लेकिन सड़क पर शांतिपूर्ण ही होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एसके कौल की अगुवाई वाली बेंच ने

फैसला सुरक्षित रखते हुए टिप्पणी में कहा कि प्रदर्शन करने का अधिकार और लोगों के सड़क पर चलने के अधिकार में संतुलन बनाने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर शाहीनबाग में होने वाले प्रदर्शनकारी को हटाने की मांग की गई थी और कहा गया था कि उन्हें सड़क से हटाया जाए या फिर कहीं और प्रदर्शन के लिए उन्हें जगह देकर वहां शिफ्ट किया जाए। सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल करने वाले ऐडवोकेट अमित साहनी ने कहा कि इस तरह से प्रदर्शन की इजाजत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कल ही हरियाणा में चक्का जाम किया गया है। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राइट टु प्रोटेस्ट और लोगों के रास्ते के इस्तेमाल को लेकर संतुलन की जरूरत है। लंबे समय तक सड़क को ब्लॉक किया गया था। और ऐसे में सड़क इस्तेमाल करने वालों के अधिकार का क्या हुआ?

दिल्ली दंगाः उमर खालिद की परिजनों से मिलने के अनुरोध वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली, 21 सितंबर । दिल्ली की एक अदालत ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के पूर्व छात्र नेता उमर खालिद की उस याचिका को खारिज कर दिया है जिसमें उसने पुलिस हिरासत के दौरान अपने परिवार से मिलने की इजाजत मांगी थी। उमर को सख्त आतंकवाद रोधी कानून, गैर कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया है। उत्तर पूर्वी दिल्ली में फरवरी में सांप्रदायिक हिंसा की बड़ी साजिश के मामले में खालिद 24 सितंबर तक 10 दिन की पुलिस हिरासत में है। उसे 13 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था और अगले दिन अदालत ने पूछताछ के लिए उसे पुलिस को सौंपते हुए कहा था कि यह पुलिस हिरासत का उपयुक्त मामला है। पुलिस ने कहा था कि वह इस मामले में 11 लाख पन्नों वाले दस्तावेज से उसका सामना कराना चाहती है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमिताभ रावत ने परिवार से मुलाकात संबंधी उसकी याचिका को खारिज करते हुए कहा कि यह विचार योग्य नहीं है। न्यायाधीश ने 19 सितंबर को अपने आदेश में कहा, 'तथ्यों को पूर्णता में देखते हुए और मामले की परिस्थितियों पर गौर करने के बाद मुझे यह आवेदन विचार योग्य नजर नहीं आता तथा याचिका को खारिज किया जाता है।' अपने वकील के जरिए दायर याचिका में खालिद ने कहा था कि हिरासत में लिए जाने के दौरान पुलिस की तरफ से मौखिक रूप से आश्वासन दिया गया था कि उसे परिवार से मिलने की इजाजत दी जाएगी ।

किराएदार है दिल्ली का हर तीसरा परिवार

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली दिल्ली में 66.38 फीसदी परिवारों का अपना आशियाना है, वहीं 34.38 फीसदी परिवार किराये के मकान में रहते हैं। वहीं, 6 महीने गर्मी और उमस में भरे इस शहर में सिर्फ 22.22 फीसदी परिवार अपने घरों में एसी रखते हैं। दिल्ली सरकार की रिपोर्ट यह भी कहती हैं कि शहर में सिर्फ 1.66 फीसदी परिवार का महीने का औसत खर्च 50 हजार रुपये से ऊपर है। राजधानी के लोगों की सोशियो इकनॉमिकल प्रोफाइल का जायजा दिल्ली सरकार ने लिया है। उनकी मूलभूत जरूरतों पर फोकस करते हुए कई पहलुओं पर यह सर्वे है। यह रिपोर्ट 20.05 लाख परिवारों और 1.02 करोड़ जनसंख्या पर किए गए सर्वे पर तैयार की गई है। दिल्ली में

सिर्फ 22.22 पर्सेंट परिवारों के पास एसी

66.63 फीसदी परिवार अपने घरों में रहते हैं, 34.38 फीसदी किराये पर और .99 फीसदी के अन्य ठिकाने हैं। इनमें सबसे ज्यादा अपने मकान का अनुपात शाहदरा जिले में है, यहां 76.37% परिवार अपने घरों में रहते हैं। इस जिले में 22.71 फीसदी परिवार किराये पर रहते हैं और 1.43 फीसदी परिवारों का कोई दूसरा बसेरा है। इसके बाद आता है सेंट्रल जिले का नंबर, जहां 72.36 फीसदी परिवार अपने घरों और 26.13% किराये पर रहते हैं। दूसरी ओर, नई दिल्ली जिले में सबसे ज्यादा 51.85 फीसदी परिवार किराये पर रहते हैं। यहां 44.73फीसदी परिवारों के अपने घर और बाकी 3.42 फीसदी के अन्य बसेरे हैं। दिल्ली में इतने घर हैं तो सोलर पैनल लगाने की गुंजाइश को भी इस रिपोर्ट ने खंगाला ताकि लोग घर से ही एनर्जी पैदा कर सकें। मगर स्टडी ने पाया कि जिन लोगों के पास अपने घर हैं, उनमें से सिर्फ 26.20 फीसदी के पास सोलर पैनल लगाने की जगह है। डिस्ट्रिक्ट वाइज सबसे ज्यादा यह अनुपात साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट में है। यहां 38.29% परिवार इस सुविधा का इस्तेमाल कर सकते हैं। हालांकि, शाहदरा डिस्ट्रिक्ट में लोगों के पास अपने घर तो हैं मगर जगह नहीं। यहां 78.43 फीसदी ऐसे परिवार हैं जो अपने घरों में जगह की कमी की वजह से सोलर पैनल नहीं लगा सकते। रिपोर्ट कहती हैं कि दिल्ली में 77.78 फीसदी परिवारों के पास एसी नहीं हैं। सिर्फ 22.22 फीसदी परिवारों के पास यह सुविधा है। इनमें सबसे ज्यादा परिवारों की संख्या 30.52 फीसदी साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट में हैं। वहीं, 30.21 फीसदी परिवार शाहदरा डिस्ट्रिक्ट से हैं। नॉर्थ ईस्ट में रहने वाले परिवारों में सबसे ज्यादा 87.84 फीसदी परिवारों के पास एसी की सुविधा नहीं है। इसके बाद साउथ ईस्ट डिस्ट्रिक्ट 83.50 फीसदी का नंबर आता है। रिपोर्ट कहती हैं, दिल्ली में 47.31 फीसदी परिवार का महीने का औसत खर्च 10 हजार रुपये से 25 हजार रुपये है।

दिल्ली में लव-कुश रामलीला के आयोजन की तैयारी, सरकार से मांगी इजाजत

नई दिल्ली, 21 सितंबर (वेबवार्ता)। राजधानी दिल्ली में सबसे प्राचीन और प्रसिद्ध लवकुश रामलीला का इस साल भी भव्य तरीके से मंचन किया जाएगा। रामलीला कमेटी ने ये साफ किया है कि महामारी के चलते इस साल मंचन स्थगित नहीं होगा, बल्कि सभी सावधानियों और जरूरी गाइडलाइंस को फॉलो करते हुए मंचन किया जाएगा। हालांकि अभी सरकार की तरफ से इसकी मंजूरी नहीं दी गई है, जिसके लिए सरकार को पत्र लिखा गया है। दिल्ली की सिविल लाइन्स में लवकुश रामलीला के पदाधिकारियों की बैठक हुई, जिसमें रामलीला के प्रधान अशोक अग्रवाल और सचिव अर्जुन कुमार समेत सभी पदाधिकारी मौजूद रहे। इसमें सभी ने सर्वसमिति से निर्णय लिया कि अयोध्या में राम मंदिर बनाए जाने की खुशी में इस बार भव्य रामलीला का आयोजन किया जाएगा. कमेटी की तरफ से कहा गया है कि ये हमारे देश के लिए गौरव की बात है कि इधर राम मंदिर बन रहा है और दूसरी तरफ देश मे रामलीलाओं का भी भव्य तरीके से सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए मंचन होगा. उन्होंने कहा कि सरकार को लीलाओं के मंचन की अनुमति देने के लिए भी आग्रह किया है, जिसकी हमें उम्मीद है कि ये शीघ्र ही मान ली जाएंगी. लीला के प्रधान अशोक अग्रवाल ने मौजूदा हालात को देखते हुए बरते जाने वाली सावधानियों को लेकर कहा कि रामलीला में आने वाले हर भक्त को मास्क दिया जाएगा और थर्मल स्क्रीनिंग की जाएगी। इसके अलावा सैनिटाइजेशन भी की जाएगी।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी–155370
सीआईएसएफ–22185555
दिल्ली पुलिस–1091
दिल्ली सरकार–181
कहीं भी–कभी भी–1090

समाचार एजेंसी
वेब वार्ता®
पल-पल की खबर हर पल
समाचार एजेंसी का सदस्य बनने के लिए संपर्क करें
9650061234

एक नजर

गूगल पे, वीजा ने कार्ड आधारित भुगतान के लिए साझेदारी की

नई दिल्ली। गूगल पे ने सोमवार को अपने मंच पर टोकनाइजेशन को लागू करने की घोषणा की, जिसके जरिए उपयोगकर्ता अपने डेबिट या क्रेडिट कार्ड का सुरक्षित रूप से इस्तेमाल कर सकेंगे। टोकनाइजेशन के जरिए गूगल पे एंड्रायड उपयोगकर्ता अपने डेबिट या क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल अपने कार्ड को प्रत्यक्ष रूप से स्वैप किए बिना कर सकेंगे। इसके तहत कार्ड से जुड़े मोबाइल नंबर पर भेजे गए सुरक्षित डिजिटल टोकन के जरिए भुगतान हो जाएगा। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वीजा और बैंकिंग भागीदारों के साथ यह सुविधा अब एक्सिस और एसबीआई कार्ड के सभी उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध है। कोटक और अन्य बैंकों के साथ यह सुविधा बहुत जल्द शुरू होने की उम्मीद है। बयान में कहा गया कि टोकन भुगतान के साथ, गूगल पे उपभोक्ताओं को एनएफसी सक्षम एड्रायड डिवाइस या फोन का इस्तेमाल करके सुरक्षित भुगतान करने में मदद मिलेगी। बयान के मुताबिक इस सुविधा से 25 लाख से अधिक वाजा व्यापारिक स्थानों पर संपर्क रहित भुगतान किया जा सकेगा। इसके साथ ही 15 लाख से अधिक भारत क्यूआर में स्कैन करके भुगतान किया जा सकेगा। गूगल पे के कारोबार प्रमुख सजीथ शिवनंदन ने कहा, ''हम अपने उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित भुगतान के अनुभव की पेशकश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सरकार ने रखा 2020-21 में 30.1 करोड़ टन खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने चालू फसल वर्ष 2020-21 (जुलाईजून) में 30.1 करोड़ टन खाद्यान्नों का उत्पादन करने का लक्ष्य रखा है जो पिछले साल से 43.5 लाख टन यानी 1.8 फीसदी अधिक है। सरकार ने प्रमुख खाद्यान्न चावल का उत्पादन 2020-21 में 11.96 करोड़ टन और गेहूं का 10.8 करोड़ टन करने का लक्ष्य रखा है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी फसल वर्ष 2019-20 (जुलाईजून) के चैथे अग्रिम उत्पादन अनुमान के अनुसार, देश में खाद्यान्नों का उत्पादन बीते फसल वर्ष में 29.66 करोड़ टन होने का आकलन किया गया है जिसमें करीब 10.76 करोड़ टन गेहूं और 11.84 करोड़ टन चावल (धान) है। चैथे अग्रिम उत्पादन अनुमान के अनुसार, 2019-20 में दलहनी फसलों का कुल उत्पादन 231.5 लाख टन और तिलहनों का उत्पादन 334.2 लाख टन रहने का अनुमान है। चालू फसल वर्ष 2020-21 (जुलाई जून) में 30.1 करोड़ टन खाद्यान्नों का उत्पादन करने का लक्ष्य रखा गया है जिसमें चावल का उत्पादन 11.96 करोड़ टन और गेहूं का 10.8 करोड़ टन करने का लक्ष्य रखा है। अन्य फसलों में 2020-21 में मक्का उत्पादन का लक्ष्य 290 लाख टन, मोटे अनाज का 478 लाख टन, दलहनी फसलों का उत्पादन 256 लाख टन जिनमें चना का 110 लाख टन जबकि तिलहनों का उत्पादन 370 लाख टन करने का लक्ष्य रखा गया है।

डाटा की जितनी गहराई में जाएंगे, उतनी बेहतर योजना का अवसर मिलेगा

उपमुख्यमंत्री ने एडवांस डाटा एनालिसिस क्षमता विकास कार्यक्रम का ऑनलाइन उद्घाटन किया

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 21 सितंबर । उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा है कि आंकड़ों की बेहतर समझ से ही जनहित में बेहतर योजनाओं का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने दिल्ली के सर्वांगीण विकास के समस्त पहलुओं को ध्यान में रखते हुए योजना निर्माण के लिए डाटा एनालिसिस की अच्छी समझ विकसित करने पर बल दिया।

दिल्ली सरकार के पदाधिकारियों के लिए आज एडवांस डाटा एनालिसिस क्षमता विकास कार्यक्रम शुरू हुआ। इसका ऑनलाइन उद्घाटन करते हुए सिसोदिया ने कहा कि हमारे पास डाटा की भरमार होती है। लेकिन असली चीज तो उसकी समझ है। उसके विश्लेषण, रखरखाव और प्रसंस्करण की पद्धति ऐसी होनी चाहिए, जो हमें भविष्य की जरूरतों को पूरा करने में मदद करे।

सिसोदिया ने कहा कि अगर आज हमें यह पता लगाना हो एक साल की उम्र के कितने बच्चे दिल्ली में हैं तो हम आकलन कर पाएंगे कि छह साल बाद हमें स्कूलों में पहली कक्षा के लिए कितने क्लासरूम की जरूरत होगी। अगर हम आकलन करें कि आज पहली कक्षा में कितने बच्चे हैं और 12 साल बाद हमें बारहवीं की कितनी सीटों की जरूरत होगी, तो उस अनुरूप यह एडवांस प्लानिंग भी संभव होगी कि कितने इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत होगी। योजना विभाग के अधिकारियों को इसकी गहरी समझ जरूरी है। सिसोदिया ने कहा कि

हमारे सभी विभाग, मंत्री और अधिकारी के लिए जरूरी हर डाटा हमारे योजना विभाग के पास होनी चाहिए। हमारे योजना विभाग के पास ऐसी सक्षम टीम हो जो हमारी जरूरत के अनुसार क्लीन डाटा दो घंटे के भीतर उपलब्ध करा सके। सिसोदिया ने कहा कि अक्सर हम पॉलिसी फेल्योर की बात सुनते हैं। उसकी वजह यही होती है कि योजनाएं बनाते वक्त अधिकारियों को यह पता नहीं होता कि इसके लाभुक कितने लोग होंगे और कौन लोग होंगे। सिसोदिया ने कहा कि एडवांस डाटा एनालिसिस का यही काम है जो इन चीजों पर स्पष्टता बनाने में मदद करे। सिसोदिया ने कहा कि आप डाटा की जितनी अधिक गहराई में जाएंगे, आपको उतनी बेहतर योजना बनाने का अवसर मिलेगा। सिसोदिया ने कहा कि जीएसटी लागू होने के बाद किन सेक्टरों की नौकरी में क्या बदलाव आया है, और किन सेक्टर में संभावना बढ़ी है, ऐसे डाटा भी काफी उपयोगी हैं। सिसोसिया ने कहा कि हमारे योजना विभाग को डाटा का एक्सपर्ट बनना होगा। सरकार के सभी विभाग को उनकी जरूरत के अनुसार क्लीन डाटा तत्काल उपलब्ध कराना आपकी बड़ी भूमिका है। दिल्ली सरकार के योजना विभाग जुड़े 25 योजना और सांख्यिकी अधिकारियों के लिए यह क्षमता विकास कार्यक्रम एक सप्ताह चलेगा। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन के सहयोग से यह प्रारंभ किया गया है। श्री सिसोदिया ने सभी प्रतिभागी अधिकारियों को शुभकामनाएं दीं और प्रशिक्षकों के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण से हमारे अधिकारियों को डाटा के सही उपयोग की दिशा मिलेगी।

13 साल की बच्ची को घर से उठाकर उसके साथ किया रेप

नई दिल्ली। महामारी के इस दौर में भी राजधानी दिल्ली में महिलाओं और बच्चियों के प्रति हो रहे अपराधों की खबर लगातार आ रही है। साउथ ईस्ट दिल्ली के तुगलकाबाद झुग्गी कुआं मोहल्ला इलाके में छठी कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा को उसके घर से अगवा कर उसके साथ रेप किया गया। पीड़िता की शिकायत पर गोविंदपुरी पुलिस ने दुष्कर्म और पोक्सो एक्ट के तहत आरोपी 35 साल अनन अली को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस छात्रा की काउंसलिंग कर रही है। उसके बाद उसका मेडिकल कराया जाएगा। पीड़ित छात्रा छठी कक्षा में सरकारी स्कूल में पढ़ाई करती है। पीड़िता की मां घरों में मेड का काम करती है, जबकि पिता प्राइवेट कंपनी में काम करते हैं। किशोरी भी तुगलकाबाद इलाके में किराने की दुकान पर काम करती है।

सिखों ने पाकिस्तानी दूतावास के आगे किया प्रर्दशन

गुरुद्वारा पंजा साहिब के हैड ग्रंथी के बेटी की रिहाई मांगी

अकाली नेता ने प्रदर्शनकारी सिख महिला को मारे धक्के

दिल्ली कमेटी के पदाधिकारी सोमवार को जब जुलूस निकाल रहे थे तब जुलूस के आगे चल रही महिला प्रदर्शनकारी को एक अकाली नेता ने धक्के मारकर किनारे कर दिया। चूंकि महिला उस नेता के आगे तख्ती लेकर चल रही थी और कैमरे की नजर उक्त नेता पर थी, इसलिए उसने तुरंत महिला को किनारे कर दिया। महिला को धक्का मारते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इसको लेकर जागो पार्टी के महासचिव परमिंदर पाल सिंह ने अकाली नेताओं की चुटकी ली है। साथ ही कहा कि एक तरफ यह पाकिस्तान में अगवा हुई सिख लड़की की घर वापसी के लिए प्रदर्शन कर रहें हैं, पर दूसरी ओर उसी प्रदर्शन में कैमरे के फ्रेम में आने के लिए एक सिख महिला को धक्का मार रहें हैं। यह कैसा न्याय है।

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 21 सितंबर । दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी एवं शिरोमणि अकाली दल ने पाकिस्तान में गुरूद्वारा पंजा साहिब के हैडग्रंथी की बेटी को अगवा करने के खिलाफ पाकिस्तानी दूतावास के बाहर रोष प्रर्दशन किया।

साथ ही मांग की गई कि अगवा की गई बुलबुल कौर को तुरंत वापस परिवार के हवाले किया जाये। अकाली नेताओं के द्वारा पाकिस्तान हाईकमिशन को एक ज्ञापन भी सौंपा गया। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा व महासचिव हरमीत सिंह कालका ने कहा कि पाकिस्तान की सरकार राक्षस का रूप धारण कर चुकी है। हैरानी वाली बात तो यह है कि 17 वर्षीय नाबालिग को परिवार से जबरन उठा कर ले गए। 12 से 13 दिन तक उसका कुछ पता नहीं लगा और फिर उसका फोन आया कि उसे जबरन मदरसे में रखा हुआ है और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डाला जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सिखों की बेटियां खासतौर पर अगवा की जा रही हैं। पहले ननकाणा साहिब और अब पंजा साहिब गुरुद्वारा साहिब के हैड ग्रंथी की बेटी अगवा की गई है, और यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि सिख लड़कियां स्वंय धर्म परिवर्तन कर रही हैं।

सिरसा ने बताया कि पाकिस्तान गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व अध्यक्ष ने जब सिखों के हक में आवाज बुलंद की तो उन पर देशद्रोह का मुकद्दमा दर्ज कर दिया गया। उन्होंने बताया कि अफगानिस्तान की सरकार ने हमारे पक्ष में आवाज बुलंद की और प्रयास किया कि सिखों को बचाया जाये, जबकि पाकिस्तान सिखों को मारने और भगाने में लगा हुआ है। 95 फीसदी सिख इस समय पाकिस्तान छोड़ चुके हैं। सिर्फ ना मात्र ही सिख रह गये हैं उन पर भी जुल्म किए जा रहे हैं।

इस मौके पर कमेटी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष बीबी रणजीत कौर, परमजीत सिंह चंडोक, जगदीप सिंह काहलो, स्त्री विंग, यूथ विंग वर्करों के इलावा दिल्ली कमेटी सदस्य भी मौजूद रहे।

हिन्दू कालेज में फिल्मों में गीत लेखन अवसर एवं चुनौतियां पर वेबिनार

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 21 सितंबर। जिनकी जिंदगी संघर्षों से लदी हुई है। वे वॉचमैन जो चौबीस घंटे कठिन ड्यूटी करते हैं दो जून रोटी के लिए अपना घरअपना देस छोड़कर महानगरों में बदहाल स्थितियों में रहने के लिए विवश हैं। ऐसे ही लोग बंबई में का बा जैसे गीत के प्रेरणास्रोतों में से एक हैं। सुप्रसिद्ध गीतकार डॉ सागर ने हिन्दू कालेज की हिंदी साहित्य सभा द्वारा आयोजित एक वेबिनार कार्यक्रम में कहा कि गाने में प्रयुक्त बंबई शब्द केवल मुंबई के लिए नहीं है बल्कि यह बड़े शहरों के लिए एक रूपक है। फिल्मों में गीत लेखन - अवसर एवं चुनौतियां विषय पर आयोजित इस संवाद सत्र में डॉक्टर सागर ने कवि व गीतकार बनने का श्रेय अपनी संस्कृति को देते हुए, उन्होंने कहा कि इन गीतों और उनकी उच्च शिक्षा की उनके गीत लेखन में महत्वपूर्ण भूमिका रही है और अपनी अध्ययनशीलता से भी उनको गीत मिलते रहे हैं। बंबई में का बा में रैप शैली के प्रयोग को लेकर उन्होंने कहा कि अगर इस तरह के प्रयोग से हमारी भाषा ज्यादा लोगों तक पहुंच पा रही और विकसित हो रही है तो इस तरह के प्रयोग होने ही चाहिए। समकालीन

भोजपुरी गीत लेखन पर उनके नजरिए के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वर्तमान में भोजपुरी में बहुत अच्छा लेखन हो रहा है परन्तु किताबों व पत्रिकाओं के पठनप्रकाशन के अभाव में हम तक पहुंच नहीं पा रहा है। उन्होंने पांडेय कपिल, अशोक द्विवेदी, प्रकाश उदय, विष्णुदेव तिवारी, सूर्य देव पाठक पराग इत्यादि लेखकों का उल्लेख कर कहा कि ये लोग भोजपुरी में उच्च स्तरीय लेखन कार्य कर रहे हैं।

इससे पहले संवाद सत्र की शुरुआत में हिंदी विभाग के प्रभारी डॉ पल्लव ने उनका स्वागत किया। डॉ पल्लव ने हिंदी साहित्य सभा की गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि समकालीन साहित्य में विद्यार्थियों की रुचि बढ़ाने के लिए सभा द्वारा पर्श पर्यन्त विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। संयोजन कर रहे युवा प्राध्यापक डॉ. धर्मेंद्र ने डॉ सागर का परिचय दिया। आयोजन में डॉ. सागर ने एक छोटे से गांव से मुंबई में फ़िल्मी गीतकार बन जाने तक के सफर करने के अपने संघर्ष पर बात करते हुए फिल्म इंडस्ट्री की अनिश्चितताओं पर प्रकाश डाला और कहा कि अपनी रचनाधर्मिता, अपने लेखन और कविताओं पर विश्वास तथा मित्रों के सहयोग से उन्होंने यह मुकाम हासिल किया।

केन्द्रीय सशस्त्र बलों में करीब एक लाख रिक्तियां: सरकार

नई दिल्ली, 21 सितंबर (वेबवार्ता)। बीएसएफ और सीआरपीएफ जैसे केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में एक लाख से अधिक पद रिक्त पड़े हैं तथा ज्यादातर पद सेवानिवृत्ति, त्यागपत्र और मृत्यु के कारण खाली हुए हैं। सरकार ने सोमवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में सबसे अधिक रिक्तियां (28,926) हैं, इसके बाद केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में (26,506), केन्द्रीय औद्योगिकी सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में (23906), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) में (18,643), भारत तिब्बत सीमा पुलिस आईटीबीपी में (5,784) और असम राइफल्स में (7328) पद रिक्त हैं। उन्होंने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, ''सीएपीएफ और असम राइफल्स में रिक्तियां सेवानिवृत्ति, इस्तीफे, मृत्यु, नए इकाई के बनाने, नए पदों के सृजन, कैडर समीक्षा आदि के कारण उत्पन्न होती हैं। इन रिक्तियों में से अधिकतर कांस्टेबल ग्रेड में हैं।''

राय ने कहा कि इन रिक्तियों को भरने के लिए एक स्थापित प्रक्रिया है जैसे मौजूदा प्रावधानों के अनुसार सीधी भर्ती, पदोन्नति और प्रतिनियुक्ति के माध्यम से भर्ती की जाती है। मंत्री ने कहा कि सरकार ने सीएपीएफ में रिक्त पदों को भरने के लिए त्वरित कदम उठाए हैं, जो एक सतत प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में, कांस्टेबल के 60,210 पदों के लिए भर्ती की प्रक्रिया, कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से उपनिरीक्षकों के 2,534 पद और संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से सहायक कमांडेंट के 330 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चल रही है।

विकास कार्यों के लिए केजरीवाल सरकार ने नहीं जारी किया फंडः विजेंद्र गुप्ता

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 21 सितंबर। कोरोना संक्रमण काल में दिल्ली में विकास कार्य अवरुद्ध हैं. ऐसे में विधायकों को अपने क्षेत्र में अलग तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. वे क्षेत्र में जब जन सुनवाई के लिए जनता के बीच पहुंचते हैं तो लोग लंबित कार्यों और अपनी परेशानियों का उनसे जिक्र करते हैं. विधायक फंड न होने की बात कह किसी तरह वहां से छुटकारा पाना चाहते हैं. रोहिणी से बीजेपी विधायक विजेंद्र गुप्ता ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर एमएलए लोकल एरिया डेवलपमेंट स्कीम के अंतर्गत 700 करोड़ रुपये का फंड जारी करने की मांग की है. उन्होंने कहा है कि एमएलए लैड स्कीम के तहत दिल्ली सरकार प्रत्येक विधानसभा को 10 करोड़ रुपये प्रति वर्ष जारी करती है.

लेकिन इस बार विधानसभा का गठन के बाद इस स्कीम में न तो कोई राशि जारी की गई है और ना ही संबंधित विभाग द्वारा इस मद में कोई विकास प्रस्ताव स्वीकार किए गए हैं. उन्होंने कहा है कि इसी फंड में से स्थानीय विधायक अपने विधानसभा क्षेत्र में नागरिकों के तत्कालीन आवश्यक कार्यों का पूरा कर आते हैं. विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि इस विषय पर उन्होंने 14 सितंबर को हुए दिल्ली विधानसभा के विशेष सत्र में भी मुद्दा उठाया था. परंतु इस पर न तो संबंधित मंत्री और ना ही मुख्यमंत्री केजरीवाल द्वारा कोई संतोषजनक उत्तर दिया. उन्होंने कहा कि फंड जारी करना तो दूर संबंधित विभाग इस संबंध में स्थानीय विधायकों से विकास प्रस्तावों को लेने से ही मना कर रही है. एमएलए लैड फंड जारी न होने के कारण विधानसभा क्षेत्र के निवासी पार्कों में सुधार, स्ट्रीट लाइट, कॉलोनी व सोसायटी की खस्ताहाल सड़कों में सुधार की बाट जो रहे हैं।

एनएलएटी से नामांकन का NLSIU बेंगलुरु का निर्णय निरस्त

नई दिल्ली, 21 सितंबर । उच्चतम न्यायालय ने नेशनल लीगल एप्टीट्यूट टेस्ट के जरिये नामांकन के बेंगलुरु स्थित नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी के निर्णय को सोमवार को निरस्त कर दिया और कम्बाइंड लॉ एडमिशन टेस्ट के तहत नामांकन का निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति अशोक भूषण, न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी और न्यायमूर्ति एम आर शाह की खंडपीठ ने नेशनल लॉ स्कूल कंसोर्टियम को निर्देश दिया कि वह केंद्र सरकार द्वारा जारी सभी स्वास्थ्य मानकों का ध्यान रखते हुए 28 सितम्बर को क्लैट की परीक्षा आयोजित कराये।

न्यायालय ने एनएलएसआईयू, बेंगलुरु को निर्देश किया कि वह 202021 सत्र में क्लैट के अंकों के आधार पर ही नामांकन करे, एनएलएटी के परिणाम के आधार पर नहीं। खंडपीठ की ओर से न्यायमूर्ति भूषण ने 107 पन्ने का फैसला लिखते हुए कहा कि 202021 सत्र के लिए पांच साल वाले बीए एलएलबी ऑनर्स प्रोग्राम में प्रवेश को लेकर तीन सितम्बर को जारी नोटिस तथा तदनुसार, चार सितम्बर को जारी प्रेस विज्ञप्ति को निरस्त किया जाता है। खंडपीठ ने प्रतिवादी संख्या तीन को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि परीक्षा परिणाम प्रकाशित करने की सम्पूर्ण प्रक्रिया यथाशीघ्र पूरी हो, ताकि अक्टूबर के मध्य तक पाठ्यक्रम शुरू किया जा सके। खंडपीठ ने एनएलएटी को चुनौती देने वाली याचिका पर 17 सितम्बर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। शीर्ष अदालत ने गत 11 सितम्बर को एक अंतरिम आदेश जारी करके एनएलएसआईयू को एनएलएटी परीक्षा परिणाम प्रकाशित करने से रोक दिया था।

अगस्ता वेस्टलैंड मामले की सुनवाई 25 सितंबर तक टली

नई दिल्ली, 21 सितंबर (वेबवार्ता)। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को 3,600 करोड़ रुपये के अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलिकॉप्टरसौदे में कथित भ्रष्टाचार के संबंध में दायर पूरक आरोप पत्र के संज्ञान पर मामले की सुनवाई शुक्रवार तक के लिए टाल दी। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने शनिवार को मामले के सिलसिले में कथित बिचैलिए क्रिश्चन मिशेल और राजीव सक्सेना सहित 15 आरोपियों के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया था। दिल्ली के राउस एवेन्यू कोर्ट में विशेष न्यायाधीश अरविंद कुमार ने कहा कि वह 25 सितंबर को चार्जशीट के संज्ञान पर आदेश देंगे।

पूरक चार्जशीट में सीबीआई ने संदीप त्यागी, प्रवीण बख्शी, प्रताप कृष्ण अग्रवाल, आईडीएस इन्फोटेक लिमिटेड के तत्कालीन प्रबंध निदेशक, नरेंद्र कुमार जैन, कोलकाता के राजेश कुमार जैन, ओम मेटल्स इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड के तत्कालीन प्रबंध निदेशक सुनील कोठारी, मिशेल के करीबी सहयोगी कुन्हिकृष्णन को नामजद किया है। एजेंसी ने सक्सेना, इंटरस्टेलर टेक्नॉलॉजीज लिमिटेड के तत्कालीन निदेशक, जियाकोमिनो सपनारो, अगस्ता वेस्टलैंड इंटरनेशनल लिमिटेड के तत्कालीन प्रबंध निदेशक, दीपक गोयल, गौतम खेतान के एक अधिकारी, आईडीएफसी इन्फोटेक लिमिटेड, एयरोमेट्रिक्स इन्फो सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, नील माधव कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, मैनक एजेंसी प्राइवेट लिमिटेड, और इंटरस्टेलर टेक्नॉलॉजीज लिमिटेड को भी नामजद किया है।

सीबीआई ने दूसरी चार्जशीट में किसी राजनेता या वरिष्ठ नौकरशाह को नामजद नहीं किया है। सीबीआई ने इससे पहले, मामले में 1 सितंबर, 2017 को तत्कालीन एयर चीफ मार्शल त्यागी और 11 अन्य आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर की थी।

अपनी पहली चार्जशीट में, सीबीआई ने बिचैलियों के माध्यम से भारतीयों को भुगतान की गई 6.7 करोड़ यूरो (करीब 452 करोड़ रुपये) की कुल रिश्वत में से 6.2 करोड़ यूरो (लगभग 415 करोड़ रुपये) का मनी ट्रेल का पता लगाया था।

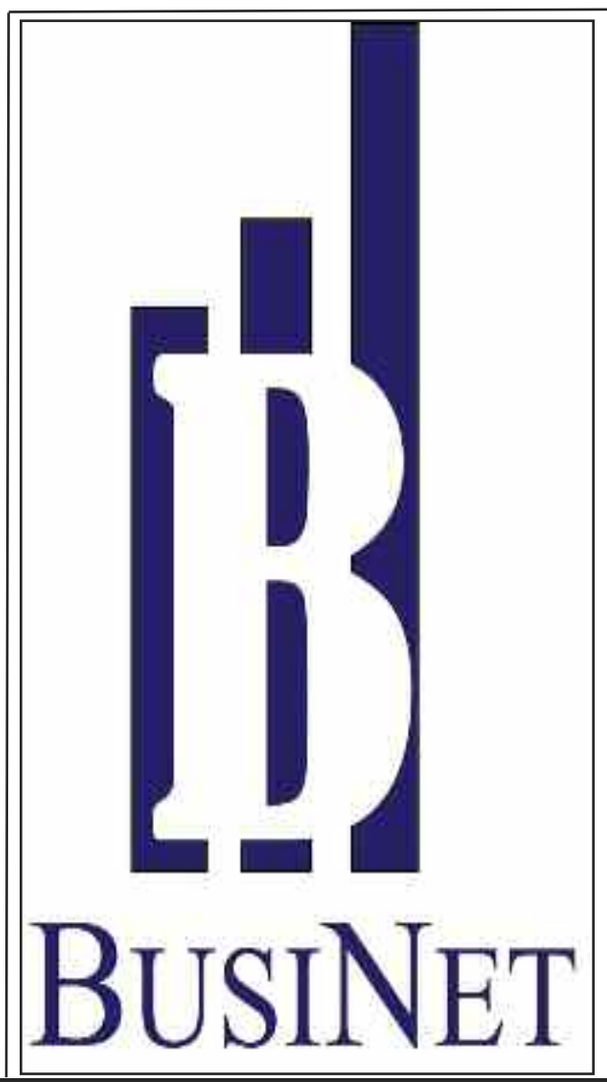

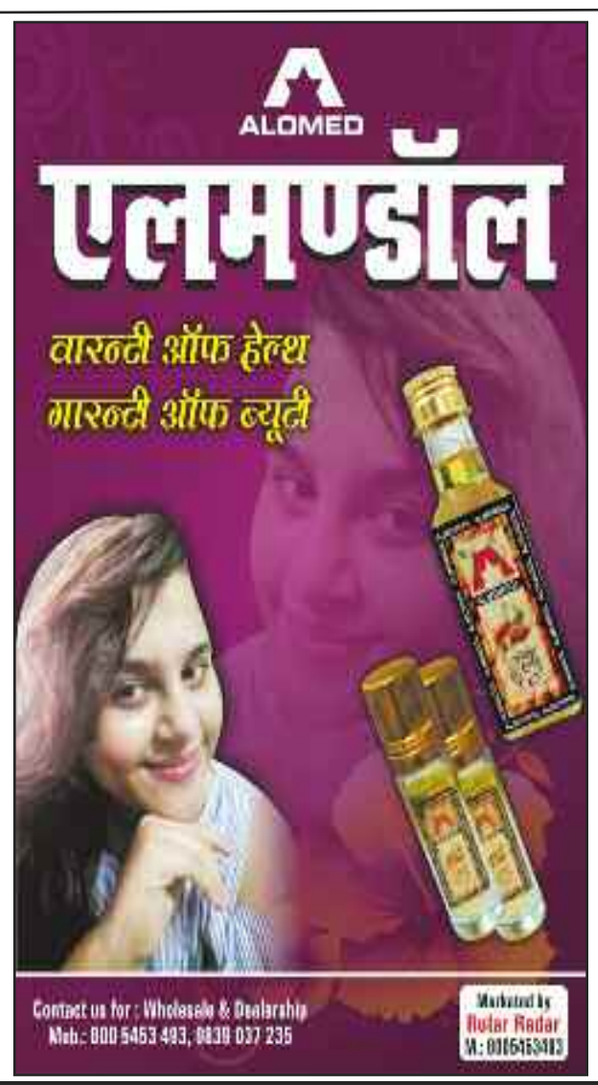

संपादकीय

कृषि निर्यात बढ़ने की उम्मीद

यकीनन हाल ही में 17 सितंबर को लोकसभा में ऐतिहासिक कृषि सुधारों से संबंधित जो दो विधेयक पारित किए गए हैं, वे किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के साथसाथ कृषि निर्यात को तेजी से बढ़ाने में प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं। गौरतलब है कि कृषि मंत्रालय के द्वारा जारी कृषि निर्यात रिपोर्ट 2020 के अनुसार कोविड19 की चुनौतियों के बीच इस वर्ष मार्च से जून 2020 के दौरान कृषि निर्यात करीब 23 प्रतिशत बढ़कर 25552 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले इसी अवधि में कृषि निर्यात 20734 करोड़ रुपए का रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक भारत गेहूं उत्पादन के मामले में दुनिया में दूसरे स्थान पर है, लेकिन गेहूं निर्यात के लिहाज से वह 34वें स्थान पर है। इसी प्रकार फलों के मामले में भारत दुनिया में दूसरा सबसे उत्पादक देश है, लेकिन फल निर्यात के मामले में वह 23वें स्थान पर है। केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुताबिक कृषि निर्यात भारत के लिए चमकीली संभावनाओं का क्षेत्र है। अतएव शीर्ष कृषि निर्यातक देश बनने की संभावनाओं को साकार करने के लिए रणनीतिक प्रयत्न किए जा रहे हैं। पिछले वर्ष 201920 में देश का कृषि निर्यात 30 अरब डॉलर से अधिक रहा है, लेकिन सरकार ने 2022 तक कृषि उत्पादों का निर्यात 60 अरब डॉलर करने का जो लक्ष्य रखा है, उसे पूरा करने के लिए कृषि मंत्रालय के द्वारा व्यापक कार्य योजना तैयार की गई है। हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी ने इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के लिए एक लाख करोड़ रुपए की जिस वित्तपोषण सुविधा को लॉन्च किया है, उससे कृषि निर्यात बढ़ सकेंगे। इसके अलावा अब तक शुरू की गई दो किसान ट्रेन भी कृषि निर्यात बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई दे सकेगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 201920 में देश में खाद्यान्न का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है। कोविड19 के बीच भी कृषि क्षेत्र का बेहतर प्रदर्शन पाया गया है। वित्तीय वर्ष 202021 की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून के बीच जहां अर्थव्यवस्था के सभी सेक्टरों में भारी गिरावट दर्ज की गई, वहीं केवल कृषि एकमात्र ऐसा सेक्टर रहा, जिसमें 3.8 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई है।

स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि देश से कृषि निर्यात बढ़ने का प्रमुख कारण जहां देश में खाद्यान्न, सब्जियों और फलों का भरपूर उत्पादन रहा, वहीं कोविड 19 के कारण कृषि जिंसों की कमी का सामना कर रहे देशों को प्राथमिकता के साथ कृषि निर्यात बढ़ाया गया। देश से कृषि निर्यात बढ़ने के कई अन्य कारण भी दिखाई दे रहे हैं। सरकार ने कृषि निर्यात नीति के तहत ज्यादा मूल्य और मूल्यवर्धित कृषि निर्यात को बढ़ावा दिया है। कृषि निर्यात के प्रक्रिया मध्य खराब होने वाले सामान, बाजार पर नजर रखने और कृषि पदार्थों की साफ.सफाई के मसले पर ध्यान केंद्रित किया है। निर्यात किए जाने वाले कृषि जिंसों के उत्पादन व घरेलू दाम में उतारचढ़ाव पर लगाम लगाने के लिए कम अवधि के लक्ष्यों तथा किसानों को मूल्य समर्थन मुहैया कराने और घरेलू उद्योग को संरक्षण दिया है। साथ ही राज्यों की कृषि निर्यात में ज्यादा भागीदारी, बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक्स में सुधार और नए कृषि उत्पादों के विकास में शोध एवं विकास गतिविधियों को प्रोत्साहन दिया है। अब कृषि निर्यात को नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए कृषि उत्पाद केंद्रित निर्यात संवर्धन मंच (ईपीएफ) गठित किए गए हैं। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के अंतर्गत अंगूर, आम, केला, प्याज, चावल, पोषक तत्त्व वाले अनाज, अनार और फूलों की खेती के लिए ईपीएफ का गठन किया गया है। मौजूदा कृषिक्लस्टरों को मजबूत करने और थोक मात्रा और आपूर्ति की गुणवत्ता की खाई को पाटने के लिए अधिक उत्पादविशेष वाले क्लस्टर बनाने पर भी जोर दिया गया है। यह भी समझा जाना होगा कि कृषि निर्यात एक ऐसा महत्त्वपूर्ण उपाय है जिसके जरिए बिना महंगाई के रोजगार और राष्ट्रीय आय में बढ़ोतरी की जा सकती है। अतएव देश से कृषि निर्यात बढ़ाने के लिए कई और जरूरतों पर ध्यान दिया जाना होगा।

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : नीता बुधौलिया
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : लख़मी चन्द
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

प्रयागराज कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइन्स।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

राज्यसभा की गरिमा और प्रसांगिकता पर प्रश्न चिन्ह

राज्यसभा जिसे उच्च सदन भी कहा जाता है समय के साथ अपनी गरिमा और प्रसांगिकता खोता जा रहा है, जबकि राज्यसभा का गठन लोकसभा के ऊपर एक पुनरीक्षण सदन के रूप में हुआ था। यह सदन लोकसभा द्वारा पास किये गये प्रस्तावों की पुनरीक्षा एवं मंत्रिपरिषद में विशेषज्ञों की कमी भी पूरी करता है,क्योंकि कम से कम 12 विशेषज्ञ तो राज्यसभा में मनोनीत होते ही हैं। आपातकाल लगाने वाले सभी प्रस्ताव जो राष्ट्रपति के सामने जाते हैं, राज्य सभा द्वारा भी पास होना जरूरी होता है, लेकिन समय के साथ काफी कुछ बदल गया है। अब उच्च सदन में किसी गंभीर विषय पर बहस नहीं सियासत होती है, जबकि उच्च सदन के गठन का मूलमंत्र ही गैरसियासी होना था। एक समय था जब उच्च सदन में ऐसे लोगों को भेजा जाता था जो किसी न किसी क्षेत्र के विशेषज्ञ जैसे कानूनविद्व, वैज्ञानिक, चिकित्सक, कार्टूनिष्ठ, लेखक, अथशास्त्री, समाजिक कार्यकर्ता, उद्योगपति, कलाकार, खिलाड़ी जैसी मशहूर हस्तियां हुआ करते थे। यह वह लोगे होते थे, जिन्हें चुनाव जीतने की कला नहीं आती थी,परंतु अब तमाम दल ऐसे लोगों को राज्यसभा भेजने में ज्यादा रूचि दिखाते हैं जो सरकार के काम में अड़ंगा लगाने की महारथ रखते हों,अक्सर ऐसे लोग भी राज्यसभा में पहुंच जाते हैं जिन्हें लोकसभा चुनाव में जनता द्वारा ठुकरा दिया जाता है। अब मशहूर हस्तियों के नाम पर गुंडेमाफिया उच्च सदन में पहुंच रहे हैं। इन्हें न लोकतंत्र के मूल्यों की चिंता होती है, न ही सदन और पीठ की गरिमा का ख्याल रहता है। अगर ऐसा न होता तो राज्यसभा में वह नजारा देखने को नही मिलता जो मोदी सरकार द्वारा लाए गए कृषि विधेयक के विरोध के नाम पर देखने को मिला। ऐसा लग रहा था मानों उत्तर प्रदेश,बिहार,पश्चिम बंगाल के चुनाव की तैयारी राज्यसभा के भीतर की जा रही थी। तृणमूल कांग्रेस के सांसद ने पीठ(उपसभापति) के सामने जाकर रूलिंग बुक फाड़ दी, पीठ को थप्पड़ दिखाते हुए फोटो देखी जा सकती है। वहीं कुछ महीनों से उत्तर प्रदेश में अराजकता का माहौल पैदा करने वाले आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह तो मेज पर ही चढ़ गए। राज्यसभा के सभापति वैंकेया नायडू ने हंगामा करने वाले आठ सांसदों को इस सत्र के लिए निलंबित करके अच्छा ही किया। वर्ना एक गलत परम्परा पड़ जाती।

पूरे प्रकरण के दौरान ऐसा लग रहा था मानों विपक्ष पहले से हंगामा करने की रणनीति बनाकर आया हो। इसी लिए जब कृषि विधेयकों पर चर्चा के दौरान कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के जवाब के समय उपसभापति हरिवंश ने कार्यवाही तय समय से आगे बढ़ाने का फैसला किया तो नेता विपक्ष गुलाम नबी आजाद ने नियमों का हवाला देते हुए कहा कि समय सबकी सहमति से बढ़ना चाहिए। विपक्ष विधेयकों को किसी भी तरह से लटकाना चाहता था। इसी लिए उसने विधेयक पास कराने की प्रक्रिया सोमवार को पूरी कराने की मांग की। विपक्षी की मंशा को भांपकर उपसभापति ने बिल पारित कराना शुरू कर दिया। तोमर ने भी अपना भाषण तत्काल खत्म कर दिया। इसी बीच विपक्षी सदस्यों ने

विधेयकों को प्रवर समिति में भेजने के अपने प्रस्ताव पर वोटिंग की मांग शुरू कर दी। आसन की ओर से अनदेखी होने पर तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन ने रूल बुक हाथ में लेकर व्यवस्था का प्रश्न उठाया। इस पर भी संज्ञान नहीं लिए जाने पर गुस्से में डेरेक रूल बुक लेकर वेल में पहुंच गए और इसक पन्ने फाड़ आसन की ओर उछाल दिए। बौखलाए डेरेक ने आसन के माइक भी तोड़मरोड़ दिए। कांग्रेस, द्रमुक, वामदल, आम आदमी पार्टी समेत विपक्ष के कई सदस्य वेल में पहुंचकर हंगामा करने लगे और उपसभापति पर जबरन बिल पास कराने का आरोप लगाया। हंगामा बढ़ता देख सदन के सारे माइक बंद कर दिए गए और राज्यसभा टीवी का प्रसारण भी केवल आसन तक सीमित हो गया। आखिरकार सदन को 15 मिनट के लिए स्थगित किया गया। दोबारा सदन शुरू होने की हंगामा और बढ़ गया। आसन ने मत विभाजन की मांगें को यह कहते हुए खारिज कर दीं कि सदस्य अपनी सीट पर नहीं जाएंगे तो इस पर विचार नहीं हो सकता। आप के संजय सिंह उग्र होते हुए आसन के चेहरे के सामने जाकर नारेबाजी करने लगे।

चारों तरफ मार्शलों की तैनाती के बीच हरिवंश ने दोनों विधेयकों को भारी हंगामे और अफरातफरी के बीच ध्वनिमत से पारित करा दिया। नाराज विपक्षी सदस्यों ने सदन स्थगित होने के बाद भी राज्यसभा चैंबर में काफी देर तक धरना देते हुए विरोध प्रदर्शन किया। ऐसा नजारा कम से कम राज्यसभा में तो कभी नहीं देखने को मिला था। राज्यसभा में हुए हंगामे ने कोरोना के संक्रमण से बचाव के लिए तय शारीरिक दूरी के प्रोटोकॉल की भी धज्जियां उड़ा दीं। जिस तरह विपक्षी दलों के नेता वेल में जुटे और धक्कामुक्की हुई, उसने सुरक्षा से जुड़े कई सवाल खड़े कर दिए। ऐसा लग रहा था,जैसे विपक्ष चाह ही नहीं रहा था कि कृषि विधेयक पर चर्चा हो। विपक्ष की पूरी रूचि हंगामा खड़ा करने की थी।

वैसे ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। अब राज्यसभा में गंभीर बहस देखने को नहीं मिलती है। लोकसभा की तरह राज्यसभा भी सियासत का अखाड़ा बन गया है, जबकि राज्यसभा के गठन का मकसद यही था कि इसे दलगत राजनीति से ऊपर रखा जाए। राज्यसभा के सदस्यों से यही उम्मीद की जाती थी लोकसभा से बिल पास करते समय कोई त्रुटि रह जाए तो राज्यसभा सदस्य उसमें सुधार कर दें। इसकी वजह भी थी। राज्यसभा में तमाम सदस्य किसी न किसी क्षेत्र में जरूर विशेषज्ञता रखते थे। जब से राज्यसभा सांसद सियासी रोटियां सेंकने लगे हैं तभी से आम जनता का राज्यसभा से विश्वास उठता जा रहा है। जनता को लगता है कि राज्यसभा सांसद पूरी तरह से बेलगाम होते हैं। दरअसल, राज्यसभा में सांसद सीधे जनता के द्वारा चुन कर नहीं आते हैं, बल्कि जनप्रतिनिधि के वोटों से राज्यसभा के लिए सांसदों का चुनाव होता हैं। इसके पीछे की सोच यही थी कि चुनाव का दबाव नहीं होने पर राज्यसभा सांसद बेबाकी से अपना पक्ष रखेंगे,लेकिन हो इसका उलटा रहा है। रविवार 20 सितंबर को राज्यसभा की कार्रवाई के दौरान धक्कामुक्की, माइक की तोड़फोड़, रूल बुक के पन्ने फाड़कर फेंकना, हल्ला व शोरगुल। यह सब दृश्य किसी स्कूल कॉलेज के हॉस्टल या छात्रों के बीच की लड़ाई जैसा नजर आ रहा था। कांग्रेस के वेणुगोपाल, तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन, माकपा के रागेश और द्रमुक के त्रिची शिवा ने बिलों को प्रवर समिति में भेजने के लिए चार अलगअलग प्रस्ताव पेश किया। उपसभापति ने इस मांग को खारिज कर दिया। इसके बाद हंगामे का ऐसा दौर शुरू जो सदन के इतिहास में शर्मनाक पन्ने की तरह जुड़ गया। विपक्षी दल लगातार उपसभापति पर संसदीय नियमों को ताक पर रखकर जबरन विधेयक पारित कराने का आरोप लगाया तो दूसरी तरफ सत्ता पक्ष का आरोप था कि विपक्षी नेता किसानों की नहीं बिचैलियों की लड़ाई लड़ रहे हैं,किसानों को तो मोहरा बनाया जा रहा है। बहरहाल, कृषि सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण माने जा रहे विधेयकों के राज्यसभा से भी पारित होने का मतलब है कि कुछ विपक्षी दल अकारण इस पर शोर मचा रहे थे कि संपूर्ण विपक्ष उनके खिलाफ है। खासकर कांग्रेस का रवैया काफी निराशाजनक रहा।उसने एक बार फिर साबित कर दिया कि उसके लिए देश से बड़ी सियासत है। किसानों के लिए जो नया कानून आया है,वैसा ही कानून कांग्रेस मनमोहन सरकार के समय बनाना चाह रही थी,लेकिन बिचैलियों के दबाव के चलते इसमें वे सफल नहीं हो पाई थी। कांग्रेस और उसके साथ खड़े कुछ छोटेछोटे दलों के दावों में हकीकत होती तो उसके साथ संख्या बल जुटना चाहिए था।

अजय कुमार
लखनऊ ।
www.womenexpress.in

जनाधार विहिन नेता बने कांग्रेस में पदाधिकारी

कांग्रेस पार्टी के 23 वरिष्ठ नेताओं द्वारा पार्टी अध्यक्ष को पत्र लिखने की घटना के बाद कांग्रेस कार्यसमिति ने सोनिया गांधी को अगले एक साल के लिए फिर से कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया है। उसके बाद उन्होंने कांग्रेस के संगठन में कई बदलाव किए हैं। जिनमें सबसे महत्वपूर्ण बदलाव कांग्रेस कार्यसमिति व कांग्रेस के महासचिव के पदों पर किया गया हैं। हालांकि असंतुष्ट गुट के 23 नेताओं ने कांग्रेस अध्यक्ष से कांग्रेस कार्य समिति के प्रत्यक्ष चुनाव कराने की मांग की थी। लेकिन उनकी इस मांग को नजरअंदाज कर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्यों का नामांकन कर दिया। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कांग्रेस की सबसे शक्तिशाली कांग्रेस कार्य समिति में लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी, कांग्रेस के सबसे वरिष्ठ महासचिव मोतीलाल वोरा, गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री लुईस फ्लेरियो व छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू को सदस्य से हटा दिया है। उनके स्थान पर तारीक अनवर, पी चिदंबरम, रणदीपसिंह सुरजेवाला व जितेंद्र सिंह को नए सदस्य के तौर पर कांग्रेस कार्यसमिति में शामिल किया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष को पत्र लिखने वाले 23 नेताओं में शामिल गुलाम नबी आजाद को पार्टी महासचिव पद से हटा दिया गया है। मगर उन्हें कार्यसमिति में बनाए रखा है। इसके अलावा आनंद शर्मा व मुकुल वासनिक को भी फिर से कार्यसमिति में रखा गया है। कांग्रेस संगठन के फेरबदल में गुलाम नबी आजाद, अंबिका सोनी, मोतीलाल वोरा, मलिकार्जुन खड़गे, लुईस फ्लेरियो को महासचिव पद से हटा दिया गया है। हालांकि इनमें से गुलाम नबी आजाद, अंबिका सोनी, मल्लिकार्जुन खड़गे को कांग्रेस कार्यसमिति में बनाए रखा गया है। इसी तरह अनुग्रह नारायण सिंह, श्रीमती आशा कुमारी, गौरव गोगोई व रामचंद्र खुंटिया को प्रदेश प्रभारी पद से हटाया गया है।

कांग्रेस संगठन में अभी मात्र 9 लोगों को महासचिव बनाया गया है जबकि पहले इनकी संख्या 11 थी। कांग्रेस महासचिवो में बिहार के तारिक अनवर, हरियाणा के रणदीप सिंह सुरजेवाला, राजस्थान के जितेंद्र सिंह, दिल्ली के अजय माकन, महाराष्ट्र के मुकुल वासनिक, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, केरल के पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी, प्रियंका गांधी, केरल के केसी वेणुगोपाल के नाम शामिल है। कांग्रेस में किए गए हाल ही के फेरबदल में सबसे अधिक फायदे में तारीक अनवर, रणदीप सिंह सुरजेवाला, व जितेंद्र सिंह रहे। जिन्हें महासचिव बनाए जाने के कारण कांग्रेस कार्यसमिति की सदस्यता भी मिल गई। रणदीप सिंह सुरजेवाला तो अहमद पटेल की तरह कांग्रेस की सभी समितियों के सदस्य बनाए गए हैं। चर्चा है कि हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा सोनिया गांधी को चिट्ठी लिखने वाले 23 नेताओं में शामिल होने के कारण उनकी काट के रूप में हरियाणा के रणदीप सिंह सुरजेवाला को कांग्रेस संगठन में आगे बढ़ाया जा रहा है। कांग्रेस संगठन में किए गए फेरबदल में लोकसभा चुनाव जीतने वाले 52 सांसदो में से सोनिया गांधी व राहुल गांधी के अलावा किसी को कहीं भी जगह नहीं दी गई है। सभी

महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किए गए पदाधिकारियों में अधिकांश राज्यसभा के सदस्य या पूर्व में मंत्री रहे नेता हैं। कांग्रेस कार्यसमिति के अध्यक्ष सहित बाईस सदस्यों में सोनिया गांधी व राहुल गांधी ही लोकसभा सदस्य हैं। 9 लोग राज्यसभा के सदस्य हैं। जिनमें पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, एके एंथोनी, अहमद पटेल, अंबिका सोनी, गुलाम नबी आजाद, आनंद शर्मा, केसी वेणुगोपाल, मलिकार्जुन खड़गे व पी चिदंबरम के नाम शामिल है। कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य एके एंथोनी, गुलाम नबी आजाद, हरीश रावत, ओमन चांडी पूर्व में मुख्यमंत्री रह चुके हैं तथा गई खंगम उप मुख्यमंत्री रह चुके हैं। कार्य समिति में सदस्य बने मलिकार्जुन खड़गे, हरीश रावत, अंबिका सोनी, अजय माकन, जितेंद्र सिंह, तारिक अनवर, रणदीप सुरजेवाला, रघुवीर मीणा पिछले चुनाव में पराजित हो चुके हैं।

कांग्रेस के राष्ट्रीय स्तर पर बनाए गए 9 महासचिव में एक भी लोकसभा या राज्यसभा का सदस्य नहीं है। तारिक अनवर शरद पवार के साथ सोनिया गांधी का विरोध करते हुए कांग्रेसी छोड़ गए थे। लंबे समय के बाद पिछले वर्ष उनकी कांग्रेस में फिर से वापसी हुई थी। 2019 का लोकसभा चुनाव उन्होंने कांग्रेसी टिकट पर लड़ा था मगर हार गए। रणदीप सिंह सुरजेवाला हरियाणा में विधानसभा के लगातार दो बार चुनाव हार चुके हैं। एक बार तो उन्होंने विधायक रहते विधानसभा का उपचुनाव लड़ा और उसमें बुरी तरह हार गए थे। जितेंद्र सिंह राजस्थान में अलवर से लगातार दो बार लोकसभा का चुनाव हार चुके हैं। अजय माकन नई दिल्ली सीट से लगातार दो बार लोकसभा चुनाव में करारी हार झेल चुके हैं। मुकुल वासनिक 2014 में लोकसभा का चुनाव हार गए थे तथा 2019 में उन्होंने चुनाव ही नहीं लड़ा। हरीश रावत मुख्यमंत्री रहते उत्तराखंड के 2 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़कर दोनों ही जगह हार गए थे। ओमान चांडी के केरल में मुख्यमंत्री रहते कांग्रेस की सरकार ही चली गई थी। प्रियंका गांधी ने अभी तक कोई चुनाव नहीं लड़ा है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस की प्रभारी महासचिव बनने के बाद उत्तर प्रदेश में लोकसभा व विधानसभा की सीटों में खासी कमी हुई है। केसी वेणुगोपाल ने इस बार लोकसभा चुनाव नहीं लड़ा था। केरल में उनकी सीट पर चुनाव लड़ने वाले कांग्रेसी प्रत्याशी को माकपा के हाथों हारना पड़ा था। कांग्रेस संगठन में कुछ नए लोगों को प्रदेश प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। जिनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री पवन कुमार बंसल, राजीव शुक्ला, जितिन प्रसाद, कर्नाटक के दिनेश गुंडू राव, मनीकम टैगोर, राष्ट्रीय सचिव देवेंद्र यादव, विवेक बंसल, मनीष चैहान, कुलदीप सिंह नागरा के नाम शामिल है। कांग्रेस पार्टी में संगठन चुनाव करवाने के लिए केंद्रीय चुनाव अथॉरिटी का गठन किया गया है। जिसका अध्यक्ष गांधी परिवार के वफादार मधुसूदन मिस्त्री को बनाया गया है। इसमें राजेश मिश्रा, कृष्णा बायरेगौड़ा, एस ज्योति मनी, अरविंदर सिंह लवली को सदस्य बनाया गया है। इस अभिकरण को बनाते समय कहा गया था कि भविष्य निकट भविष्य में जल्दी ही कांग्रेस संगठन के चुनाव करवाए जाएंगे। कांग्रेस अध्यक्ष को मदद व सलाह देने के लिए 6 सदस्यों की एक विशेष कमेटी का भी गठन किया गया है। जिसमें एके एंटोनी, अहमद पटेल, अंबिका सोनी, केसी वेणुगोपाल, मुकुल वासनिक व रणदीप सिंह सुरजेवाला को शामिल किया गया है। यह कमेटी अगले अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अधिवेशन तक काम करती रहेगी। कहने को तो कांग्रेस के नेता कहते हैं कि कांग्रेस अध्यक्ष ने कांग्रेस संगठन में बड़ा बदलाव कर दिया। जिससे अब कांग्रेस संगठन आने वाले समय में अधिक सक्रिय व मजबूत होकर काम कर सकेगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने पत्र लिखने वाले 23 से असंतुष्ट नेताओं की मांग को भी पूरा कर दिया है। मगर यहां देखने वाली बात यह है कि कांग्रेस में किया गया यह बदलाव कांग्रेस को संजीवनी देने में कितना सफल होगा।

रमेश सर्राफ झुंझुनू
राजस्थान ।
www.womenexpress.in

महिलाओं में शिक्षा जागरूकता की कमी पर हावी उत्पीड़न और घरेलू हिंसा

हमारे देश में बढ़ती जा रही महिलाओं पर घरेलू हिंसा और उत्पीड़न के मामलों का बढ़ना निश्चित रूप से गहरी चिंता का विषय है। भारत सरकार वर्तमान में महिला सशक्तिकरण के लिए सराहनीय कार्य कर रही है बावजूद इसके आधुनिक युग में महिलाएं अपने अधिकारों से कोसों दूर हैं।

सरकार ने महिलाओं के उत्थान के लिए भले ही सैकड़ों योजनाएं तैयारकर लागू की हों, परंतु आज भी महिला वर्ग में शिक्षा व जागरूकता की कमी आज भी निश्चित रूप से देखी जा सकती है। महिलाएं अपने कर्तव्यों तथा अधिकारों से बेखबर महिलाओं की दुनिया को चूल्हे चैके तक ही सीमित रखा जा रहा है। भारत में आदिवासी समुदाय की महिलाएं अपने अधिकारों से बेखबर हैं और उनका जीवन आज भी एक त्रासदी की तरह है। आम महिलाओं और युवतियों की ही भांति अल्पसंख्यक समाज की महिलाओं पर भी कहीं एसिड अटैक हो रहे हैं, तो कहीं निरंतर हत्याएंबलात्कार हो रहे और कहीं तलाशदहेज उत्पीड़न की घटनाएं हो रही हैं। इन घटनाओं पर कभी कभार शोर भी होता है, लोग विरोध प्रकट करते हैं, मीडिया सक्रिय होता है पर अपराध कम होने का नाम नहीं लेते क्यों। हम देख रहे हैं कि एक ओर भारतीय नेतृत्व में इच्छाशक्ति बढ़ी है लेकिन विडम्बना तो यह है कि आम नागरिकों में महिलाओं पर होने वाले अत्याचारों को लेकर कोई बहुत आक्रोश या इस स्थिति में बदलाव की चाहत भी नहीं है। वे स्वाभाव से ही पुरुष वर्चस्व के पक्षधर और सामंती मनःस्थिति के कायल हैं। तब इस समस्या का समाधान कैसे सम्भव है?हमारे देशसमाज में स्त्रियों का यौन उत्पीड़न लगातार जारी है लेकिन यह बिडम्बना ही कही जायेगी कि सरकार, प्रशासन, न्यायालय, समाज और सामाजिक संस्थाओं के साथ मीडिया भी इस कुकृत्य में कमी लाने में सफल नहीं हो पाये हैं। देश के हर कोने से महिलाओं के साथ दुष्कर्म, यौन प्रताड़ना, दहेज के लिये जलाया जाना, शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना और स्त्रियों की खरीदफरोख्त

के समाचार सुनने को मिलते रहते हैं। साथ ही छोटे से बड़े हर स्तर पर असमानता और भेदभाव के कारण इसमें गिरावट के चिन्ह कभी नहीं देखे गए। ऐसे में महिलाओं को अल्पसंख्यक दायरे में लाने का क्या मतलब रह जाता है, इसे आप और हम बेहतर तरीके से सोच और जान सकते हैं। महिलाओं को अल्पसंख्यक दायरे में लाने मात्र से उन पर हो रहे अत्याचारों पर नियंत्रण नहीं हो सकता। क्योंकि नारी उत्पीड़न, नारी तिरस्कार तथा नारी को निचले व निम्न दर्जे का समझने की जड़ हमारे प्राचीन धर्मशास्त्रों, हमारे रीति रिवाजों,संस्कारों तथा धार्मिक ग्रंथों व धर्म सम्बंधी कथाओं में पायी जाती हैं। नारी को नीचा दिखाने की परम्परा भारतीय समाज को धर्मशास्त्रों के माध्यम से विरासत में मिली है। जाहिर है कि सहस्त्राब्दियों से हम जिन धर्मशास्त्रों, धार्मिक परम्पराओं व रीति रिवाजों का अनुसरण करते आ रहे हैं उनसे मुक्ति पाना इतना आसान नहीं है।नारी को छोटा व दोयम दर्जा का समझने की मानसिकता भारतीय समाज की रगरग में समा चुकी है। असल प्रश्न इसी मानसिकता को बदलने का है। इन वर्षों में अपराध को छुपाने और अपराधी से डरने की प्रवृत्ति खत्म होने लगी है।

वे चाहे मीटू जैसे आन्दोलनों से हो या निर्भया कांड के बाद बने कानूनों से। इसलिए ऐसे अपराध पूरे न सही लेकिन फिर भी काफी सामने आने लगे हैं। अन्यायी तब तक अन्याय करता है, जब तक कि उसे सहा जाये। महिलाओं में इस धारणा को पैदा करने के लिये न्याय प्रणाली और मानसिकता में मौलिक बदलाव की भी जरूरत है। देश में लोगों को महिलाओं के अधिकारों के बारे में पूरी जानकारी नहीं है और इसका पालन पूरी गंभीरता और इच्छाशक्ति से नहीं होता है। महिला सशक्तीकरण के तमाम दावों के बाद भी महिलाएँ अपने असल अधिकार से कोसों दूर हैं। उन्हें इस बात को समझना होगा कि दुर्घटना व्यक्ति और वक्त का चुनाव नहीं करती है और यह सब कुछ होने में उनका कोई दोष नहीं है।महिलाओं को हिंसामुक्त जीवन प्रदत्त करने के लिये पुरुषसमाज को उन आदतों, वृत्तियों, महत्वाकांक्षाओं, वासनाओं एवं कट्टरताओं को अलविदा कहना ही होगा जिनका हाथ पकड़कर वे उस ढ़लान में उतर गये जहां रफ्तार तेज है और विवेक अनियंत्रण हैं जिसका परिणाम है नारी पर हो रहे नितनये अपराध और अत्याचार। पुरुषसमाज के प्रदूषित एवं विकृत हो चुके तौरतरीके ही नहीं बदलने हैं बल्कि उन कारणों की जड़ों को भी उखाड़ फेंकना है जिनके कारण से बारबार नारी को जहर के घूंट पीने को विवश होना पड़ता है। विश्व महिला हिंसाउन्मूलन दिवस गैर सरकारी संगठनों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और सरकारों के लिए महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के प्रति जनजागरूकता फैलाने का अवसर होता है। दुनिया को महिलाओं की मानवीय प्रतिष्ठा के वास्तविक सम्मान के लिए भूमिका प्रशस्त करना चाहिए ताकि उनके वास्तविक अधिकारों को दिलाने का काम व्यावहारिक हो सके। ताकि इस सृष्टि में बलात्कार, गैंगरेप, नारी उत्पीड़न, नारीहिंसा जैसे शब्दों का अस्तित्व ही समाप्त हो जाए।

सूबेदार रावत गर्ग उण्डू
राजबेरा, बाड़मेर, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

डिप्रेशन कोई आम बीमारी नहीं

डिप्रेशन यह कोई आम बीमारी नहीं मुझे तो कोरोना से भी खतरनाक बीमारी लग रही जिसमे व्यक्ति अपने सोचने समझने कि क्षमता खो देता हैं खुद को अकेला महसूस करने लगता हैं और उसे लगता हैं मेरी जिंदगी में कुछ रहा ही नहीं फिर क्या खरीदी दो मीटर की रस्सी बनाया फंदा और झूल लिया झूला या फिर कोई अच्छा सा जहर खरीद खा लियाटुपर यह कैसा समाधान हैं जिसमे वह एक इंसान नहीं मरता उसके साथ मरता हैं पूरा एक परिवार बस फ़र्क इतना होता हैं उन सब की सांसे चल रही होती हैं पर रह जाती हैं केवल जिंदा लाशें पर यह सब वह व्यक्ति नहीं सोचता वह सोचता हैं तो बस इतना की इस दुनिया में मुझसे ज्यादा दुःखी तो कोई व्यक्ति हैं ही नहींट्टुपर नहीं मौत किसी समस्या का समाधान हो ही नहीं सकती आप दुःखी हैं तो अपने परिवार से बात करे उन्हें अपनी समस्या बताए वो समझेंगे आपको और आपकी परेशानी को और कोई ऐसी बात जो उन्हें नहीं बता सकते तो अपने दोस्तों को बताए दोस्त होते ही हैं बातों को समझने के लिए आप डिप्रेशन में कोई ऐसा कदम नहीं उठाए जिसकी कीमत आपके छोटे छोटे बच्चों और आपके पूरे परिवार को चुकानी पड़े।।

और हमें भी समझना होगा कोई आपके दोस्तों में घर में कोई डिप्रेशन में हैं तो उससे बात करे उसकी परेशानी को समझने की कोशिश करे ।।

खास तौर से आज कल के यूथ को लेकर आप अपने बच्चों को समझने की कोशिश करे आप उनके दोस्त बन कर जिससे वह अपनी समस्या को आपके साथ बांट सके ना की कोई गलत कदम उठाए ।।

गर आपको कोई परेशानी आप डिप्रेशन में हैं तो आप अपनी परेशानी घर पर या दोस्तों को बताए मैं भी आपकी बहन बेटी जैसी ही हूं आप किसी से बात नहीं कर सकते तो मुझसे करे शायद मेरे पास कुछ हल ना हो पर यकीं दिलाती हूं आपको अच्छा जरूर लगेगा।।

एक बार फिर कहती हूं थोड़ी सी परेशानी से हारकर ऐसा कोई कदम नहीं उठाए जिसकी कीमत आपका परिवार चुकाए सदैव मुस्कुराते रहे और परेशानियों को हराए।।

दीपिका राज बंजारा
पाली, राजस्थान।
www.womenexpress.in

स्त्री प्रेम

वृन्दावन में झूमे राधा,
होकर के मतवारी,
कृष्ण प्रेम में अष्ट सखियां भी,
साथ फुटें किलकारी,
प्रेम विरह में प्रियसी राधा
उनकी सखियां बरसों से,
स्त्री प्रेम समझा ना फिर भी,
जन जन ने एक अरसे से।
पाक प्रेम हैं पुरुष प्रेम,
स्त्री प्रेम क्यों निंदा हो
अपने प्रेम को व्यक्त कर,
स्त्री क्यों शर्मिंदा हो
तुम पुरुष हो,मात्र इसलिए
तुम्हारा प्रेम अकलुश कहलाता,
स्त्री प्रेम तो वर्षों से उपेक्षित
प्रेम उनका ना आरक्षण पाता।

पूजा कुमारी बाल्मीकि
दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल ।

किसानों को सशक्त करेगा यह बिल

कृषि बिल पास होना किसानों के लिए ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है ।कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) विधेयक, 2020 और कृषक (सशक्तिकरण और संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा पर करार विधेयक, 2020 को ध्वनि मत से पारित किया गया।

इसे किसानों के लिए ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है जबकि **MSP** जारी रहेगी। सरकारी खरीद जारी रहेगी। सरकार किसानों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध नजर आ रही है। विशेषज्ञों की नजर में यह न केवल कृषि क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन लाएगा, बल्कि इससे करोड़ों किसान सशक्त होंगे।

विधेयक के द्वारा सरकार ने कृषि पैदावार को किसानों को किसी भी राज्य में बेचने और मार्केटिंग करने का अधिकार दे दिया है. पहले किसान अपने राज्य की **APMC** मंडियों में

ही इसे बेच पाते थे लेकिन अब एक विस्तृत बाजार होगा और मूल्य का विकल्प ! इससे किसानों को अपनी उपज का बेहतर दाम मिलेगा और कृषि उत्पादों की इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग हो पाएगी। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खतरा की सारी आशंकाओ पर उस समय विराम लग गया जब पैदा कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने इन अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि एमएसपी पहले की तरह ही जारी रहेगा जबकि दूसरे स्थान पर बढ़े हुए सामान के दाम का फायदा किसान वहां अपना सामान बेचकर उठा सकेगे।

बिल किसानों के हित में है और इससे उनको ज्यादा फायदा कमाने का मौका मिलेगा। किसानों को उनकी फसलों का लागत से ज्यादा मूल्य मिलने की गारंटी हो इसके लिए सरकार देशभर में अनाज, तिलहन, दलहन आदि की प्रमुख फसलों के लिए एक न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करती है।खरीदार नहीं मिलने पर सरकार अपने खरीद केंद्रों के माध्यम से **MSP** पर किसान से फसल खरीद लेती है।

आशुतोष
पटना, बिहार ।
www.womenexpress.in

सत्य

जानती हूँ एक दिन
साँसें रूक जाएंगी..
कुछ बाकी रहेगा तो
मेरी लिखी किताबें..
पन्नों पर उकेरे शब्द..
छुपाकर रखी गुलाब की
बिखरी पंखुड़ियाँ...
एक लकड़ी का टुकड़ा
जिस पर दिल बना था...
और वो सब मिल जुलकर
मुझे जीवित रखेंगी
मेरे अनन्य प्रेम की तरह
मरने के बाद भी
अनन्त काल तक

शिवानी त्रिपाठी
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

नवप्रभात ऐसा आए

नवप्रभात ऐसा आए
चिड़िया चहके आंगन में।
कलरव उसका हो मधुर
लहर उठे तन मन में।।

नवप्रभात ऐसा आए
सुप्त हृदय में नाद उठे।
बंद कमल की पांखे भी
सूर्य की दीप्ति में जगे।।

नवप्रभात ऐसा आए
वसुधा भी दुल्हन सी सजे।
खंडित टुकड़े फ़िर से जुड़ जाए
गर्भ से उसके नवरत्न उपजे।।

नवप्रभात ऐसा आए
राम रहीम रमन हो जाए।
मंदिर मस्ज़िद की पगडंडी भी
उचित लक्ष्य तक लेकर जाए।।

नवप्रभात ऐसा आए
तम हृदय का मिट जाए।
ज्ञान का भानु उद्भव हो तो
सृष्टि ही नूतन बन जाए।।

नवप्रभात ऐसा आए
बिटिया नाचे आंगन में।
बातों की फुलझड़ियों संग
वनिता गाए प्रांगण में।।

नवप्रभात ऐसा आए
गर्व भरी हो मां की आंखें।
पिता भी हृदय से हृष्ट पुष्ट हो जाए
सुनहरी यादों से सजे झरोंखें।।

नवप्रभात ऐसा आए
दबी आशाएं पूरीत हो जाए।
सूखे अधर भी मुस्का जाए
जीवन के रिक्त पन्नों पर
कहानी नई सृजित हो जाए।।

नवप्रभात ऐसा आए
संस्कारों संग प्रीत बढ़े।
सुख दुःख जीवन का संगीत बने
अहम की हार के संग
अपनों की जीत बढ़े।।

इंद्रा (अध्यापिका)
बिंजवाड़िया, तिंवरी, जोधपुर राजस्थान ।
www.womenexpress.in

अभिनंदन है

उन आंखों में देखा क्या ,
जिन आंखों में चुभन है ?
कभी उनको सिंचा क्या ,
जो सूख रहा उपवन है ?

उस पथ पर चला क्या ,
जिसमें बस समर्पण है ?
कभी उनको पूजा क्या ,
घर में जो भगवन् है ?

कभी उनको जपा क्या ,
जिनका चरणरज चंदन है ?
कभी उनसे पूछा क्या ,
घर में क्यों क्रंदन है ?

स्वयं से फुर्सत ही नहीं ,
कैसा ये मानव जीवन है ?
उलझता रहता है सबसे ,
कैसा ये मानव लक्षण है ?
कष्ट देता रहता है सबको ,

कैसा तेरा ये संरक्षण है ?
बदल नहीं पाए अभी तक ,
ये तेरा कैसा समंजन है ?
मनुष्य मनुष्य बन जाए तो ,
जग में तेरा अभिनंदन है ।
जो मानव करे जनकल्याण,
उनको बार बार वंदन है।

ज्ञानंद चौबे
केतात, पलामू , झारखण्ड ।
www.womenexpress.in

हिंदी का महत्व

किसी राष्ट्र की पहचान उसकी राष्ट्रीय भाषा ही तो होती है,
सम्मानित हो यह राष्ट्रीय भाषा,
यह अभिलाषा हरदम रहती है।
ना जाने क्यों यह अंग्रेजियत
की मानसिकता सब पर हावी है,
आखिर हिंदी भाषा से ही
भावनाओं की अभिव्यक्ति
प्रभावी है।
इस आधुनिकता के युग ने, इस
प्रगतिशील कलयुग ने,
हिंदी भाषा को हिंदुओं से
अलग कर दिया।
हिंदी भाषा का दर्जा उससे छीन
कर किसी फिरंगी को उपहार दिया।
भारत की अधिकांश आबादी
हिंदी पर ही तो हावी है,
उसकी यह निर्भरता क्या किसी
ने पहचानी है?
जिस भाषा को अधिक से
अधिक लोग पढ़ लिख सकते हैं,
जिस भाषा पर साहित्यिक ज्ञान सभी
रच सकते हैं।
इतनी गुणवत्ता भाषा को हम
सभी ने नकारा है,
अपनी विफलताओं को खुद ही
से पुकारा है।
जब 1950 में संविधान
बनकर है तैयार हुआ,
क्यों हिंदी को एक फिरंगी भाषा
का उपकार मिला?
इस निर्णय का परिणाम सिर्फ
और सिर्फ यह हुआ,
राजनीतिक स्वार्थों के कारण
हिंदी भाषा का बंटवारा हुआ।
हिंदी की दुर्दशा के लिए हम भी
खुद को दोष देते हैं,
ना तो पूरी तरह हिंदी बोलते हैं और
ना ही इस भाषा को बढ़ावा देते हैं।
हिंदी ही सर्वश्रेष्ठ रहे यह बात
हमने मन में ठानी है,
इसके प्रोत्साहन के लिए अब
इच्छा मन में जागी है।
हिंदी दिवस में हम यह शपथ
लेते हैं,
हिंदी से नाता जोड़ कर इसे
राष्ट्रभाषा पूर्णतः निर्मित करते हैं।।

अंकिता पांडेय
नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

यह जीवन रंगमंच सा है

यह जीवन रंगमंच सा है
ये सबको नाच नचाता है
ना जाने कौन कहाँ कैसे
सब रंग यह भर जाता है

डोर है किसकी ये हाथ में
नही समझ मैं पाई हूँ
पैर हमारे ही होते हैं
घुंघरू बाँध गया है कौन
जीवन के इस रंगमंच में
सफल वही कहलाता है
जो जीवन के रीदम पर
आहिस्ता कदम बढ़ाता है

बीच धार में डूबती नैया
डगमगा रही हूँ मैं
कहाँ पढ़ पाती अब चेहरे
धुंधली पर गई है नयन

कहाँ सुनती थापों की सरगम
थिरकन को भाँपता है कौन
कठिनाई को थाप को जीवन
भर गले लगाई
सफलता की पगडंडी ना जाने
ले गया है कौन

रानी प्रियंका, वल्लरी
बहादुरगढ़, हरियाणा ।
www.womenexpress.in

प्रथम रश्मि सा प्रेम तुम्हारा

आलिंगन को आमंत्रित करता,
उंगली का वो स्पर्श तुम्हारा।
प्रेम पाश में बांध के रखता,
कोमल निर्मल हृदय तुम्हारा।।

नैनो के शब्द बाण से
भेदे नित रैन हमारा।
नेह भक्ति में लीन हुवे हम,
भक्ति भाव सा प्रेम तुम्हारा।।

स्वप्न लोक में तुम ही आते,
प्रत्यक्ष में भी ध्यान तुम्हारा।
किसी और बात की सुध ही नही,
माया जाल सा प्रेम तुम्हारा।।

नित नवीन कल्पनाएं गढ़ते,
नित नवीन जीवन हो... हमारा।
तुम रहो निकट दृष्टि के,
जलवायु सा प्रेम तुम्हारा।।

मधुर स्वप्न है,कटु सत्य है,
तुम नही हो यह अटल
सत्य है।
एकांतवाशी जीवन में ,बस रह गया है,
स्मरणीय प्रेम तुम्हारा।।

हृदय कठोर मन कमल कुमुदिनी,
प्रेम कपोल कल्पित रह गया हमारा।
पर है पवित्र निश्छल,
प्रथम रश्मि सा प्रेम तुम्हारा।।

प्रियंका तिवारी
गाज़ीपुर, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

कोरोना वायरस की चर्चा

कोरोना वायरस की चरिचा
घरि घरि मा आजु समाई ,
घरि कै बाहरि न जावै की
एक बात समझि न आई

पकड़ पकड़ बइठाए जाति हैं
देखन को बाहरि जू बिल्लाति ,
बाहरि का होत इह करत बिचार
कोरोना वायरस की चरिचा

कोरोना वायरस की चरिचा
आज विश्व भी करत बिचार ,
कइसे इह राक्षस निपट्यं
आए बिचार सबकै मनिकै
आपनि आपनि बात सुझाई
परि डॉक्टर बाबू कै बिचार भी,
इनिकौ समझि न आए
फिर सोंचए सब मिलिकै

फिर करें बिचार भी करिता धर्ता
एकहिं बाति बताई भईया ,
कि घरिके बाहरि कदम न राखो
लक्ष्मन रेख सुझाई भईया

फइलै कोरोना जइसे
रक्त बीज के जइसे
सब मिलिकै बिचलित मन को रोको ,
सब घरि मिलिकै लक्ष्मन रेखा
तौ खिचों हरि भाई

भूखें बिचलित तन कौ
इह बाति समझ न आई
परि जान बचावै के खातिर
लॉक डाउन है भाई भईया
लॉकडाउन है भाई

कुमार प्रिंस रस्तोगी
सादतगंज, लखनऊ ।
www.womenexpress.in

नफरत के बदले प्यार...

नफ़रत के बदले प्यार, करना
अच्छा होता है।
कायर होकर जीने से, मर जाना
अच्छा होता है।।

किसी मसले को उलझाने से,
सुलझाना अच्छा होता है।
उस पर मिल बैठे बात करें, तो
फल मीठा ही होता है।।

धन, दौलत, पद व प्रतिष्ठा, सब
यहीं रह जाते हैं।
प्यार के मीठे दो बोल सदा,
यादों में बस जाते हैं।।

हम एक रहे हैं, एक रहेंगे, यही
बताना दुनिया को।
नई मिशाल बन कार्य करेंगे,
यह समझाना है सबको।।
लक्ष्य हमारा सदा यही, हम
सभी को जोड़ेंगे।
सम्मान सभी का बना रहे, हम
नही किसी को तोड़ेंगे।।

अगर विचारों में अन्तर हो, तो
भी दिल पर न लाएंगे।
सत्य पर ही डटे रहेंगे, तनिक
न हम घबराएंगे।।

हम सब है हिन्द के वासी, न
आपस में टकराएंगे।
जो हमको आँख दिखाएगा,
उसको हम धूल चटाएंगे।।

हम अमन चैन से रहने वाले,
ईर्ष्या न किसी से करते हैं।
एक बूंद खून का कोई दे, हम
जान न्यौछावर करते हैं।।

लाल देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
बस्ती [उत्तर प्रदेश] ।
www.womenexpress.in

एहसासों के मोती

यह एहसास ही तो हैं जो
रिश्तों में काम आते हैं
बिना एहसास के आजकल
कौन रिश्ते निभाते हैं
यदि मानो और सच्चे दिल से
निभाओ तो
खून के रिश्तों से दिल के रिश्ते
ज़्यादा निभाये जाते हैं
सब मोती इधर उधर बिखर
जाते हैं
रिश्तों की माला जब टूट जाती है
टूटे रिश्तों को संभालने में लगे
रहते हैं
यह सारी जिंदगी भी छोटी पड़
जाती है
रिश्ते कांच की तरह होते है
बहुत संभाल कर रखने पड़ते हैं
करनी पड़ती है एक दूसरे की
भावनाओं की कद्र
टूट जाये तो फिर नहीं जुड़ते हैं
माता पिता की कुर्बानियों का
जिसको रहता है एहसास
खुश रखता है हमेशा माता पिता को
रहता हैं उनके आस पास
पति पत्नी के रिश्ते भी
एहसासों की डोर से बंधे होते है
एक दूसरे पर विश्वास करते है
उम्र भर साथ निभाते हैं

रवींद्र कुमार शर्मा
बिलासपर, हिमाचल प्रदेश।
www.womenexpress.in

कि मेरा यार आया है

दिल मेरा बड़ा खुश है आज
कि मेरा यार आया है।
आजा सखा तुझे गले लगा लूँ
अपना सारा प्यार लूटा दूँ
कि तु मेरा सखा पुराना है
कि मेरा यार आया है।
आ सखा कुछ बातें कर ले
फिर से बचपन हम जी ले
तनमन की बातें क़र ले चार
कि मेरा यार आया है।

दीनहीन हालत हुई कैसे
बरसो बरस तेरे बीते कैसे
कृष्णा को क्यु ना हुई ख़बर ये
कि मेरा यार आया है।
हालत देख तेरी मन रोए
कैसे में तुझको खुशियाँ अब लौटा दूँ
भर दूँ दामन खुशियों से तेरे
कि मेरा यार आया है।
आ सखा तु चौकी पर बैठ जा
फटी एड़ी,और पाँवो में छाले
गंगाजल से आ पैर धुला ले
कि तु मेरा यार पुराना है।
कृष्णासुदामा की मैत्री मिसाल है
ऐसा दूजा ना हुआ क़ही है
दोस्ती का ये क़िस्सा बड़ा न्यारा है
कि मेरा यार आया है।

सुनीता अग्रवाल
राँची, झारखंड ।
www.womenexpress.in

प्रतीक्षा

हे ! प्रिय तुमने नदी किनारे
मिलने का वचन दिया था ।
भौर होते ही तुम मुझसे ।
मिलने आओगे ।

नदी किनारे मैं कब से बैठी ।
तुम्हारी प्रतीक्षा कर रही ।
मेरी आंखें प्रतीक्षा करतेकरते ।
पथरा गई,पर तुम अभी ।
तक नहीं आए,मेरे उर में ।
विरहाग्नि धधक रही ।

मैं पिया मिलन की आस में ।
प्रतीक्षा करतेकरते ।
पिया के आने की आस ।
कर रही, निरंतर ।

मिलन की प्रतीक्षा का अंत ।
ना होने से, मैं व्याकुल हूं ।
मैं संतापित हूं, बेचैन हूं ।
मेरी दशा जल बिन मीन सम ।
ज्यो निहारत चकोर चांद को ।
त्यों मैं निहारत पिया ।
मिलन को मार्ग ।

एक आस लिए ।
पिया ने वचन दियो है ।
आएंगे अवश्य ।
मोहे प्रतीक्षा तो, करनी ही पड़ेगी ।

ज्योज्यो नदी में ।
पानी की लहरें उठ रही ।
त्योंत्यों मेरे उर में ।
पिया मिलन की ।
आस बढ़ रही, मेरे चक्षु पिया ।
मिलन मार्ग पर ।
नदी के उस किनारे ।
गड़े हुए, प्रतीक्षारत निरंतर ।
मोरे पिया मोसे मिलन ।
करने आएंगे अवश्य ।

संगीता सूर्यप्रकाश
भोपाल, मध्यप्रदेश।
www.womenexpress.in

अजनबी

मिल कर एक अजनबी तो
दिल ने कहा,
कहीं ये अजनबी कोई
अपना तो नहीं।
पहली मुलाकात थी मगर
लग रहा था,
यू ही तो मिले हो कई बार कहीं।।
हसी ऐसी जो दिल को छू जाए,
हँसना शुरू तो फिर रुकता ही नहीं।
भोली सी सूरत, चंचल आँखों
में नमी,
वो नूरानी सूरत दिल में बस ना
जाए कहीं।।
वो अपनापन, वो मासूमियत,
वो पलपल आँखों का छलक जाना।
इन्हीं अदाओं का कायल मेरा दिल,
तेरा दीवाना ना हो जाए कहीं।।
मुश्किल से सम्भाला है यह दिल,
दर्द सहने की अब गुंजाईश नहीं।
डरता है दिल यह सोच कर,
ये अजनबी फिर से अजनबी
ना हो जाए कहीं।।

मुक्ता शर्मा
मोहाली ।
www.womenexpress.in

जीवन...

जीवन में बहुत सी ऐसी चीजें
हैं जो हमारा हौसला बढ़ाती है
हमारे अंदर कुछ कर गुजरने
के जज्बे को जगाती है
यही तो जिंदगी है जनाब जो
हमें जीना सिखाती हैं
कोशिशों की बादल हौसलों की
बूंद हमेशा बरसाती है
आती है मुश्किलें भी रास्ते में
बहुत सारी जो हमारे इरादे
आजमाती है
यही तो जिंदगी है जनाबएजो
हमें जीना सिखाती हैं
गिरना और फिर गिर कर हमें
खड़े होना सिखाती है
अपने पराए की पहचान के
साथ हर घाव पर मरहम लगाती है
यही तो जिंदगी है जनाब जो
हमें जीना सिखाती हैं
हर फैसले में हमारे साथ रहकर
सही गलत में फर्क समझाती है
जीवन के किसी भी रास्ते पर
हार नहीं मानो ऐसा बताती है
यही तो जिंदगी है जनाब जो
हमें जीना सिखाती हैं
कोशिश करते रहो आगे बढ़ते
रहो कहकर हमारा हौसला बढ़ाती है
यही तो जिंदगी है जनाब जो
हमें जीना सिखाती हैं

सपना मिश्रा
मुंबई ।
www.womenexpress.in

प्यार के रिश्ते

प्यार की बुनियाद पर टिके रिश्ते।
रखें दिल में प्रेम से सी के रिश्ते।

बड़े नाजुक हैं सँभाल के रखना।
विश्वास से मजबूत बनते रिश्ते।

सुख दुख जो आपस में बाँट लेते।
गिले शिकवे हैं बैठ कर छाँट लेते।

मजबूत रिश्ते बनें रहें उमर भर के,
परस्पर एक दुसरे को हैं डाँट लेते।

मजबूत रिश्तों से बँधा परिवार है।
मजबूत रिश्तों पर टिका संसार है।

जहाँ रिश्ते भले होता वहीं प्यार है।
मजबूत रिश्ते जीनें का आधार है।

मजबूत रिश्ते सदा बना के रखिये।
स्नेह की छाया में सजा के रखिये।

निंदा चुगली से दूर बचा के रखिये।
प्यार से सदा सीने लगा के रखिये।

शिव सन्याल
कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।
www.womenexpress.in

सच का मतलब

सच का मतलब सच होता है ,
जिस सच में मतलब होता है।
उस सच को तुम ज़रा परखना,
जिस सच में कुछ शक होता है।
उस सच को सच नहीं बताना,
जिस सच से झगड़ा होता है।
कुछ सच दिखते हैं सच जैसे ,
उसमे झूठ छुपा होता है।
उस सच को काहे कहना जी ,
जिसे सुने तो दुख होता है।
झूठ दिखाता अनगिन सपने ,
पर सच में बस सच होता है।

महेंद्र कुमार वर्मा
पुणे ।
www.womenexpress.in

सच्ची सहेली

रोमा के विवाह को हफ्ता भर गुजर गया था। परिवार में पति, सास ससुर और एक छोटा देवर था। इनके अतिरिक्त विवाहित ननद भी इन दिनों सपरिवार आई हुई थी। रोमा सुबह नहा धोकर करीने से सूट और दुपट्टा डाले जब सबके सामने आई तो सास यकायक ज़ोर से बोल उठी, यह क्या पहन लिया तूने..? अभी तो हफ्ता भर भी नहीं हुआ है शादी को। अपने ससुर जी के सामने ऐसे ही घूमती फिरेगी क्या? पड़ोसी देखेंगे तो क्या कहेंगे...?

रोमा का सुंदर सा चेहरा कुम्हला गया। तभी उसकी ननद बोल पड़ी, मां, किस जमाने की बात करती हो। जब मैं अपने ससुराल में सूट पहन सकती हूं तो भाभी क्यों नहीं ? इतनी गर्मी है, हमें उनकी सुविधा देखनी चाहिए या ये सोचना है कि पड़ोसी क्या कहेंगे? रोमा को ससुराल में एक सच्ची सहेली मिल गई थी।

अमृता पांडे
हल्द्वानी नैनीताल
देवभूमि, उत्तराखंड ।
www.womenexpress.in

रबाडा हमारे लिए मैच विजेता खिलाड़ी हैं: श्रेयस अय्यर

दुबई, 21 सितंबर । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें संस्करण के दूसरे मैच में किंग्स एकादश पंजाब के खिलाफ सुपर ओवर में मिली जीत के बाद दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा के प्रदर्शन की जमकर तारीफ की है। रबाडा ने सुपर ओवर फेंका और पंजाब को सिर्फ दो रन ही बनाने दिए।

अय्यर ने रविचंद्रन अश्विन द्वारा फेंके गए छठे ओवर की भी तारीफ की जिसमें उन्होंने दो विकेट ले कर पंजाब को बैकफुट पर धकेल दिया था। मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में अय्यर ने कहा,'हमारे लिए जरूरी था कि हम विकेट लें। चूंकि हमारा स्कोर कम था, मैं जानता था कि रबाडा के ओवर अंत के ओवरों में काम आएंगे। अश्विन का ओवर भी काफी अहम रहा और इसने मैच को हमारे पक्ष में ला दिया, लेकिन टी20 क्रिकेट यही है।' उन्होंने कहा, 'मैं यह कहना चाहता हूं कि हम इसके आदि हैं। आखिरी सीजन में भी हमने यह चीजें देखीं। रबाडा हमारे लिए मैच जीतने वाले खिलाड़ी हैं और जिस तरह से स्टोइनिस ने बल्लेबाजी की वो शानदार था।' स्टोइनिस ने अहम समय पर 21 गेंदों पर 53 रनों की पारी खेल दिल्ली को 20 ओवरों में आठ विकेट के नुकसान पर 157 रनों के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। इसके बाद आखिरी दो गेंदों पर दो विकेट लेकर मैच को सुपर ओवर में पहुंचा दिया जहां दिल्ली ने जीत हासिल की। पंजाब के खिलाफ मैच में दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया के स्टार हरफनमौला खिलाड़ी मार्कस स्टोइनिस की शानदार बल्लेबाजी के दम पर 20 ओवरों में 157 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। दिल्ली से मिले 158 रनों के जवाब में किंग्स इलेवन पंजाब ने भी मयंक अग्रवाल की धमाकेदार 89 रनों की पारी के दम पर 157 रन बनाए। इस तरह मैच टाई हो गया। यहां दिल्ली के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए टीम को जीत दिलाई। उन्होंने सुपर ओवर में केवल 2 रन देकर 2 विकेट लिए। सुपर ओवर में दिल्ली को जीत के लिए केवल 2 रन चाहिए थे,जिसे दिल्ली ने आसानी से बना लिया।

हमने कुछ गलतियां की इससे सीख लेंगे- राहुल

दुबई, 21 सितंबर। दिल्ली कैपिटल्स के हाथों आईपीएल 13 के अपने पहले मुकाबले में सुपर ओवर में मिली हार के बाद किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल ने कहा है कि उनकी टीम ने मैच में कुछ गलतियां की लेकिन यह टीम का टूर्नामेंट में पहला मैच था और वह इससे सीख लेकर आगे बढ़ेंगे। दिल्ली ने पंजाब को रविवार को सांसों को रोक देने वाले आईपीएल13 के बेहद रोमांचक मुकाबले में सुपर ओवर में पराजित किया था। दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 157 रन बनाए थे जबकि पंजाब की टीम भी 20 ओवर में आठ विकेट पर 157 रन ही बना सकी थी जिसके बाद मैच का फैसला सुपर ओवर के जरिए किया गया। कप्तान ने बल्लेबाज मयंक अग्रवाल की पारी की सराहना की और कहा कि उन्होंने जिस तरह हमें मैच के करीब तक पहुंचाया वो वाकई करिश्माई था। पंजाब की ओर से मयंक ने शानदार बल्लेबाजी की और 60 गेंदों में सात चैकों और चार छक्कों की मदद से 89 रन बनाए।

अनुराग कश्यप के सपोर्ट में आई 'एक्स वाइफ' कल्कि, लिखा लंबा पोस्ट

मुंबई, 21 सितंबर । अभिनेत्री पायल घोष ने पिछले दिनों फिल्ममेकर अनुराग कश्यप पर सेक्शुअल हैरेसमेंट का आरोप लगाए हैं। अनुराग ने उन आरोपों को बेबुनियाद बताया है। निर्देशक अनुराग कश्यप पर सेक्सुअल हैरेसमेंट का आरोप लगाने के बाद फिल्म इंडस्ट्री से कई लोग उनका समर्थन करने के लिए आगे आए हैं। अनुराग कश्यप की पहली पत्नी आरती बजाज उनके सपोर्ट में खड़ी हुई है। वहीं अब अनुराग कश्यप की एक्स वाइफ अभिनेत्री कल्कि केकलां उनके बचाव में आई हैं। अभिनेत्री पायल घोष द्वारा अनुराग कश्यप पर लगाए गए सेक्सुअल हैरेसमेंट के आरोपों पर कल्कि केकलां ने सोशल मीडिया पर एक लंबा पोस्ट लिखा है। कल्कि केकलां ने अनुराग कश्यप को समर्थन देते हुए कहा कि वे उस गरिमा को बनाए रखें और सोशल मीडिया सर्कस से तंग न हों। ट्रोल्स तो ट्रॉल करेंगे। कल्कि केकलां ने लिखा 'प्रिय अनुराग, इस सोशल मीडिया

सर्कस को अपने तक न पहुंचने दें, आपने अपनी स्क्रिप्ट्स में महिलाओं की स्वतंत्रता के लिए लड़ाई लड़ी है, आपने अपने प्रोफेशनल स्पेस के साथसाथ अपने पर्सनल लाइफ में भी उनके सम्मान की रक्षा की है। मैं इसका गवाह रही हूं, पर्सनल और प्रोफेशनल जगह पर आपने हमेशा मुझे बराबर की जगह दी है, आपने हमारे तलाक के बाद भी मेरी सच्चाई के लिए खड़े रहे, और साथ आने से पहले जब मैंने काम करने के माहौल में असुरक्षित महसूस किया, तब भी आपने मेरा सपोर्ट किया है। यह अजीब समय है जहां हर कोई एक दूसरे को गाली दे रहा है और बिना किसी नतीजे के झूठे दावे करता है, यह खतरनाक और प्रतिकारक है। यह परिवारों, दोस्तों और देशों को नष्ट कर रहा है। लेकिन गरिमा का एक स्थान है जो इस वर्चुअल ब्लड बाथ से आगे मौजूद है, अपने आसपास के लोगों की जरूरतों पर ध्यान देने की जगह, किसी के न दिखने पर भी दयालु होने का स्थान, और मुझे पता है कि आप उस जगह से बहुत परिचित हैं। उस गरिमा पर टिके रहें, मजबूत रहें, और जो काम आप करते हैं उसे करते रहें। एक्सवाइफ की तरफ से प्यार। ' फिल्म निर्माता के समर्थन में कई अन्य हस्तियां भी आगे आई हैं। फिल्ममेकर अनुभव सिन्हा ने लिखा कि महिलाओं और पुरुषों दोनों की संयुक्त जिम्मेदारी है कि वे मीटूइंडिया की पवित्रता की रक्षा करें। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण आंदोलन है, जिसका किसी अन्य कारण से दुरुपयोग नहीं किया जाना चाहिए। वहीं अनुराग कश्यप की पहली पत्नी आरती ने लिखा था कि पहले तो मुझे इन आरोपों पर गुस्सा आया, लेकिन बाद में बहुत हंसी भी आई।

पतवार हाथ लेनी होगी

आज युवा को मांझी बन,
पतवार हाथ लेनी होगी।
तूफान से लड़ती नैया
को,मंझधार बीच खेनी होगी।

चाहे कितने आंधी तूफान
इस देश की राहों में आए
जब तक सांसों में स्पंदन
ना हाथ तेरा रुकने पाए

लहरों में घिरी इस नैया को,एक
दिशा नई देनी होगी
आज युवा को मांझी बन,
पतवार हाथ लेनी होगी...

आशाएं अनंत नव स्वप्न लिए
तुम देश की युवा पीढ़ी हो
नवभारत की हो नींव तुम्हीं
बनते विकास की सीढ़ी हो

सोया अस्तित्व जगाने
को,आवाज तुम्हें देनी होगी
आज युवा को मांझी बन,
पतवार हाथ लेनी होगी....

पथ प्रशस्त करने को अब
नभ में ज्योति के पुंज बनो
नवज्योति से आलोकित कर
अज्ञान के तम को दूर हरो

बन कर्णधार जिम्मेदारी,निज
कंधों पर लेनी होगी
आज युवा को मांझी बन,
पतवार हाथ लेनी होगी....

नव क्रांति का आह्वान करो
तुम कलयुग भाग्यविधाता हो
अब जागो लक्ष्य को प्राप्त करो
भारत के नव निर्माता हो

इस देश की जीवन नैया को,
उस पार इन्हें लेनी होगी
हां,आज युवा को मांझी बन,
पतवार हाथ लेनी होगी।

मुश्किल में घिरी इस नैया
को,एक दिशा नई देनी होगी
हां, आज युवा को मांझी बन,
पतवार हाथ लेनी होगी।

पवन सोलंकी
सुमेरपुर, पाली, राजस्थान।
www.womenexpress.in

जाति पंथ का भेद मिटाकर, समरसता लाती हैं शाखा

जीवन में अनुशासन का नित,
पाठ सिखाती हैं शाखा
शील विनय आदर्श श्रेष्ठता,
धेर्य सिखाती हैं शाखा

काम क्रोध मद मोह देह से,
शीघ्र मिटाती हैं शाखा
कर्म साधना राष्ट्र भक्ति का,
मार्ग दिखाती हैं शाखा

त्याग समर्पण ध्येय भाव की,
अलख जगाती हैं शाखा
नव तरंग चैतन शक्ति का,
दीप जलाती हैं शाखा

संघर्षों से डटकर लड़ना,
अभय सिखाती हैं शाखा
जाति पंथ का भेद मिटाकर,
समरसता लाती हैं शाखा

राग द्वेश अभिमान मिटाती,
भाव जगाती हैं शाखा
संस्कृती का सम्मान ना भूलें,
यही सिखाती हैं शाखा

विमल राव
भोपाल, मध्यप्रदेश ।
www.womenexpress.in

हर्ष और संताप

ये जो जीवन में मिलता है हर्ष
और संताप कुछ और नहीं है शायद
है हमारे ही कर्मों का प्रताप।।
तभी तो हम पर कभी बिन
मांगे होती है
खुशियों की बरसात।।
और कभी रोरो के थक जाएं
पर भगवान भी हमारी सुनता नहीं
विलाप जब लगे ये जीवन हमको
खुशियों भरी सौगात,
बखानते नहीं थकते तब अपने
अच्छे कर्मों का प्रताप जब होती है
हमारी दुखों से आंखेंचार बेहतर
होता ये समझ जाते शायद ये भी है
हमारे किसी बुरे कर्मों से मिला कोई
अभिशाप।।
जैसा भी है ये जीवन अपना
ही तो है
अगर दुःख मिला है तो फिर
सुख भी मिलेगा
हम बढ़ा लेंगे थोड़ी और शुभ
कर्मों के प्रताप ।।

बीना राय
गाजीपुर, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

खुश-फहमी

तुम डरे हुए हो या मरे हुए हो
यूँ चुपचाप से जो पड़े हुए हो
कैसे निभाते हो साथ जुल्म का
कितनी बेशरमी में गड़े हुए हो

कैसे नींद आएगी फिर रातों को
इतनी नफरत से जो भरे हुए हो
क्या जवाब दोगे परबरदीगार को
ज़मीर के खिलाफ ही खड़े हुए हो

ये मिटटी तो फसाद नहीं सिखाती
तुम कौन सी मिटटी में बड़े हुए हो
ख़ाक बनते किसी को देर नहीं लगती
तुम किस खुशफहमी में अड़े हुए हो

सलिल सरोज
नई दिल्ली
www.womenexpress.in

मौसम की छटा

ये मौसम की छटा है, अति
मनभावन
छाई घनघोर घटायें ,
खूब बरसे सावन
गिरि, दरुम, उपवन अति शोभित
निर्झर कलरव मधुवीणा स्वर
अंबुरूह विहंसते सरिताजल
जलधि तरंगे टकरायें प्रस्तर
बहती पवन जगाये अन्तर्मन
पुष्पित , सुरभित सब उपवन
मधुरबहार करें अंतसस्पंदन
मौसम छटा मधुरिम आकर्षण

होता मौसम से पुलकित
ये जनजीवन
ये मौसम की छटा है
अति मनभावन
है हिमाद्रिश्रंग रूप हृदयस्पर्शी
फैली बादल बूंदें ज्यों अंभसार
अकल्प रूप धरा का अतिशय
बिखराये ये मौसम मधु अपार
बाग बगीचे,सरितायें प्रफ्फुलित
गुंजित विटप मधुर विहगस्वर
अभिराम हृदयस्पर्शी वातावरण
है अवनि हर्षित पुलकित प्रखर
अकिंचन अंतस में,ज्यों
विहंसे उपवन
ये मौसम की छटा है,
अति मनभावन

एस पी दीक्षित
शुक्लागंज, उन्नाव, उत्तर प्रदेश।
www.womenexpress.in

काश कभी ऐसा भी होता...

भ्रष्ट गरीबी और लाचारी , छोड़
अगर बाहर आते
ज्ञान मशाल हाथ में लेकर ,
विश्व गुरू हम बन जाते
मतिभ्रम बिमुख मार्ग से जग
को , उचित राह हम दिखलाते
श्रुति ज्ञान मार्तण्ड रश्मि बन ,
तमस धीय को हटवाते
दीन हीन बन जगत में कोई ,
भूखे पेट नहीं सोता
गर्व से कहते मानव हूं मैं ,
काश कभी ऐसा होता
भाव बदलता देश प्रेम कर ,
कार्य राष्ट्र का मैं करता
भूख भ्रष्ट लाचार गरीबी , शब्द

देश में ना रहता
अन्तःकर्ण प्रेममयी गंगा ,
जनमानस के हृद बहता
नाम बताता बाद कही ,
मानव हूं हर जन कहता
हंसी गूंजती हर पल हरदम ,
बिलख नहीं कोई रोता
ग्लानि हानि ईर्ष्या नहीं होती,
काश कभी ऐसा होता
बिना डरे ही अपनी बातें , विश्व
पटल पर कह जाते
झूठ बिना ही जीवन होता ,
काश ये मौका हम पाते
छीन झपट के नहीं कभी , बांट
जरा रोटी खाते
वसुधा बनती घर अपना ,
भयभीत नहीं कोई होता
सपने सच अब होने लगते ,
काश कभी ऐसा होता
काश कभी ऐसा होता

सारिका जागृति
ग्वालियर, मध्य प्रदेश।
www.womenexpress.in

सूखता हुआ तालाब

भरे हुए तालाब और सूखे हुए में
आंखों का अंतर है,
सजीवता एक आमंत्रण है।

दृष्टि उतर जाती है पानी में
कभी लहरों को देखने
कभी मछलियां समेटने,
नहाने वालों की अटखेलियां
किलकारियां, कलाबाजियां
तालाब से सटी सड़क तक
बिखरकर आ जाती है,
आने जाने वालों को

गीली गीली हवा पुकारती है।
सूखा हुआ तालाब सन्नाटा है
चिड़ियों को चुप्पी चुगाता है,
जलचरों में क्लेश
कीचड़ के रूप में अवशेष,
बचाखुचा जल बड़बड़ाता है,
मृत्युबोध की तरह द्वीप उभर
आता है।

तालाब के पास से गुजरकर
आगे लंबे रास्ते भर..
मन में लबालब प्रवाह रहता था
विचार रुकता नहीं, अहसास
तैरता था,
पर जब तालाब में पानी खो
जाता है
मन बहुत दूर दूर तक रिक्त हो
जाता है।

अवतार सिंह
जयपुर ।
www.womenexpress.in

तेरी बिंदी काली

जंचती है तुम्हारे अधरों पर
सुर्ख महकती लाली,
मगर माथे पर सदा
सुशोभित हो बिंदी काली!

सुनो ! तुम रोज यूँ ही
सजा संवरा करो मगर,
नज़र ना लगे किसी की,
लगा लो बिंदी काली!

मेरे हृदयतल को करे
मदहोश करे आंदोलित,
तेरा अधर पर तिल और माथे
पर बिंदी काली!
किंकर्तव्यविमूढ़ हूँ देखता
बेशक मैं सपने दिन में,
होऊँ जब हक़ीक़त से रू ब
रू देखूँ बिंदी काली!

कभी हो तुम चंचल कभी
हो तुम शीतल लहर,
रूप बदलते खूब मगर नहीं
बदलती बिंदी काली!

तुम लिखो खुद को मेरी
प्रियसी, मैं तुम्हें लिखूँ,
भाषा हो अपनी हिन्दी और
तुमपे बिंदी काली!

कुमार पूछे खुद से क्यों भाये
उसको बिंदी काली,
सबसे अल्हड़, सबसे मदमस्त
तेरी यह बिंदी काली!

जय कुमार
नयी दिल्ली
www.womenexpress.in

आएगी याद

बाबुल की देहरी पार होते
पलकों की कोरों पर
थमे आँसू को देख रही तुलसी
क्यारी से झांक कर
आम,इमली के पेड़
जिनसे बंधे झूले सावन में
खुल जाते थे कभी
झूलने के लिए
वो भी जैसे पूछ रहे
हमें सूना छोड़ के कहाँ जा रही
बाबुल का अंगना बिलख रहा

बेटी की विदाई में
सहेलियों का मन सिसक रहा
इन सबसे विदाई में
लहराते हाथ
आंखों की कोरों में
थमे आँसू ढुलका जाते
साथ छुटा ये
कहाँ अब पास रह पाते
साथ छुटा
किंतु टूटे नही रिश्तें इनसे
आशा की डोर में बंधे
जो खीच लाएंगे
यादों की दुनिया मे
आएगी जब याद सबकी।

संजय वर्मा
मनावर(धार), मध्यप्रदेश।
www.womenexpress.in

मैं और मेरा मन

मैं और मेरा मन,
होते हैं हरदम सुन्न,
कभी भविष्य में खो जाते,
कभी वर्तमान में उलझ जाते।
कतरा कतरा वक्त का यूं चुरा लेते,
जीवन में मानो खुशियां अपार
पा लेते,
मन के कोने में एक आहट उठती,
हृदय के आंगन में कलिया
है खिलती।
मैं और मेरा मन,
होते हरदम सुन्न।।
कभी ना पाकर भी खुश हो जाते,
कभी खोकर भी दुःखी ना हो पाते,
लम्हा लम्हा समय का चुरा लेते,
कभी मैं मन को,कभी मन
मुझको रास आ जाते।
है हम दोनों ही विरले,
जग से भूले बिसरे और निराले।
मैं और मेरा मन,
होते हरदम सुन्न।।

रेखा पारंगी
बिसलपुर, पाली, राजस्थान।
www.womenexpress.in

घर का मुखिया

घर का मुखिया पिता , वो खुद
के भूख को मार कर परिवार की भूख
मिटाता है ,खुद कपड़े फटे पहन लेता
है पर अपने बच्चो को अच्छे कपड़े
पहनाता है,जो दिन भर काम कर के
हर पल ये अहसास दिलाता है कि में
थका हुआ नही हु ,खुद चाहे पढ़ाई
नही की हो पर अपने बच्चों को अछि
शिक्षा दिलाना चाहता है,वो न वक्त से
खुद नही हारता है और अपने परिवार
को भी नही हारने देता है,अपने
परिवार की हर इच्छा पूरी करता है
चाहे वो काम ज्यादा करेगा पर
परिवार की इच्छा पूरी करेगा ,हर
बच्चे का एक आदर्श होता है पिता
,पिता अपने दिल मे लाख दर्द छिपा
के अपने परिवार को नही बताता
है,पिता परिवार की एक नीव है जो
अपने परिवार को एक मकान की
तरह अपने परिवार को खड़ा कर के
रखा है पिता परिवार का मुखिया है वो
हर व्यक्ति जो परिवार का पालन
पोषण करता है वो परिवार का
मुखिया होता है,

राकेश पाटीदार,
चित्तौड़गढ़, राजस्थान।
www.womenexpress.in

मर्द से मुकाबला क्यूँ

21 वी सदी की महिला चाहे कितनी भी बहादुर कितनी भी सक्षम और मानसिक तौर पर कितनी भी मजबूत क्यूँ ना हो हर स्त्री को पुरुष की पनाह सुरक्षित महसूस करवाती है। महिलाओं की दौड़ चाहे कितनी लंबी हो पर मर्द के मुकाबले हमेशा ऐक कदम पीछे रहेगी। किसीको शायद ठीक ना लगे पर हाँ मुझे अच्छा लगता है मर्द से मुकाबला ना करना, एक कदम उनसे पीछे चलना। मुझे अच्छा लगता है कहीं जाते वक्त उनका टोकना की रुको मैं भी तुम्हारे साथ चलता हूँ ,या रुको तुम्हें ले चलता हूँ कहना। एक अपनत्व और फ़िक्र की भावना अपने लिए देखकर सुकून मिलता है।

मैं महफ़ूज़ महेसूस करती हूँ उनके पीछे उनके कदमों पर चलकर उन सूनसान खतरनाक रास्तों पर। बस एक तसल्ली होती है की कोई है मेरी परवाह करने वाला ,मेरी रक्षा करने वाला। ढ़लान वाले रास्तों पर जब वो पीछे मूड़कर मेरा हाथ थामते है तो एक अटूट बंधन को महेसूस करती हूँ। तो क्या बुराई है स्त्री को ईश्वर ने नाजुक और कोमल बनाया है। खुद को मासूम महसूस करना अच्छा लगता है।

जब भी कहीं मुसाफ़री पे जाते है तो ज्यादातर सामान वही उठाते है ये कहकर कि तुम थक जाओगी। कहीं भी जाना हो तो मुझे ज्यादा पैदल ना चलना पड़े उसका पूरा ख़याल जब वो रखते है तब बडा सहज महसूस होता है। ज़माने भर की चीज़ों से बीना बोले ही घर भर देते है तो बाहर जाने की जंजट से बचना बडा अच्छा लगता है। मुझे अच्छा लगता है जब सर्द रातों में कहीं जाते है तो मुझे काँपता देख अपना कोट उतार के पहनाते है। एक उष्मा सभर साथ की आगोश पाकर ज़िन्दगी आसन सी लगती है। मुझे अच्छा लगता है जीवन में जब भी कोई मुसीबत आने पर मेरे लिए उनका मजबूत कंधा मेरे सारे गम ओर आँसू संजो लेता है ।

कदमकदम पर साथ निभाते उनका जताना की हाँ मै अकेली नहीं बडा अच्छा लगता है कोई मेरा हबीब हम सफ़र साथ है। किसी भी हाल में मेरी ढाल बनकर उनका मुझे सहारा देना अच्छा लगता है।

ट्रेन बस या रास्ते पर गैरनज़रों से मुझको बचाना उनका अच्छा लगता है बस उनको साथ देख जब सामने वाला कदम पीछे हटाता है तब नतमस्तक हो जाती हूँ । लेकिन जब कोई लडकी या औरत हम किसीसे कम नहीं वाली मानसिकता रखती है कि हमें किसी मर्द की जरूरत नहीं इन सारे खुशगवार ऐहसास खो देती है। और तभी कोई गैर आदमी उसका भरपूर फायदा उठाता है।

मर्द समजता है की अब इसको मेरी जरुरत नही तब वो उसकी परवाह करना छोड देता है ओर एक दूसरे से दूर होते जाते है। ज़िन्दगी में जो मज़ा साथ में है वो अकेले चलने में नहीं। एक दूसरे से मुकाबला नहीं प्यार आदर ओर परवाह करनी चाहिए। सामाजिक व्यवस्था को अपनाते हाँ मुझे अच्छा लगता है उनसे एक कदम पीछे चलना॥

भावना ठाकर
भावु, बेंगुलूरु ।
www.womenexpress.in

कर्म में विश्वास

कर्म करे किस्मत बने जीवन में
कर प्रयास।
प्राणी के भाग्य में कर्म का है
पूरा विश्वास।।
भाग्य से उम्मीद करेंगे वह
उतना ही निराश करेगा।
कर्म में रखो विश्वास ,वह
उम्मीद से अधिक देगा।।
कर्म भूमि की दुनिया में श्रम
सभी को करना है। भगवान सिर्फ
लकीरे देता है ,रंग हमे ही भरना है।।

कर्म की गठरी लाद के जग में
फिरे इंसान।
जैसा करे वैसा भरे, विधि का
यही विधान।।
जो जैसा कर्म करता है वो
वैसा फल पाता है।
किस्मत में भरोसा कर मानव
क्यों पछताता है।।
जीवन के इस धरा पर सब है
एक समान।
कर्म से किया,जीवन सफल
वही सच्चा इंसान।।
कर्म अगर अच्छे है तो किस्मत
सबकी दासी है।
नियत अगर अच्छी है तो,घर में
मथुरा काशी है ।

गोपाल कृष्ण पटेल
जांजगीर, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

तो चलूँ

ऐ जिंदगी यूँ न मुंह मोड़
नजर मिलाओ तो चलूं
खुशी अपने लायक नहीं
गम बताओं तो चलूं !
पत्थरों के शहर में
शीशे का घर बनाओं तो चलूं!
बहुत अकड़ है जिंदा इंसानों के यहाँ
मुर्दों को झुकाओ तो चलूं!
मानधन खुशी के कोई नहीं
देता साहिब

उधार के और गम दो तो चलूं!
मेरी चैन, नींद सब व्यर्थ
कोई अर्थ बता दे तो चलूं।
तुमपे टिकी उम्मीदें थी मेरी
वो बिखर जाये तो चलूं।
कसम है इन्सानों की पहचान
नहीं करनी मुझे
तू मुखौटा अपने चेहरे का
उठा तो चलूं।
सज गयी अर्थी मेरे अरमानों की
तू कफन ओढा तो चलूं।
यूँ न नजर चूरा
इक बार देख ले तो चलूं।

लता नायर
सरगुजा, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

एक नजर

अपनी बेगुनाही साबित करने में व्यक्ति को लगे 24 साल

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश में एक व्यक्ति को अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए तीन महीने की जेल की कैद के साथ अदालती लड़ाई में 24 साल लग गए। अब उस व्यक्ति राम रतन की उम्र 65 साल है। आखिरकार मुजफ्फरनगर की एक लोकल कोर्ट ने उन्हें पुलिस द्वारा उनके खिलाफ कोई सबूत पेश करने में विफल रहने पर बरी कर दिया। करीब 24 साल पहले उन पर एक अवैध बन्दूक रखने को लेकर मामला दर्ज किया गया था। इसके लिए वह तीन महीने जेल में भी काट चुके हैं। उनके परिवार ने दावा किया कि उन पर लगाए गए आरोप झूठे थे और उन्हें पंचायत चुनावों के दौरान चुनावी दुश्मनी के कारण फंसाया गया था। उनके वकील धरम सिंह गुज्जर ने कहा, राम रतन को पिछले 24 सालों के दौरान 500 से अधिक तारीखों पर अदालत में उपस्थित होना पड़ा। उन्हें बहुत मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना झेलनी पड़ी। मुजफ्फरनगर के रोहाना खुर्द गांव के निवासी राम रतन को 1996 में शहर कोतवाली थाने की एक पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया था, जिन्होंने आरोप लगाया था कि उनके कब्जे से दो गोलियों के साथ एक देसी पिस्तौल बरामद की गई है। उन पर आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया था। तीन महीने जेल में बिताने के बाद उन्हें जमानत दे दी गई। 2006 में लोकल कोर्ट ने उनके खिलाफ आरोप तय किए और पुलिस को सबूत और बरामद हथियार पेश करने को कहा।

कोर्ट जाते समय प्रेमी युगल ने जहर खाकर दी जान

लखनऊ। बरेली से कृष्णानगर पुलिस और परिवार वालों के साथ लखनऊ लाये जा रहे प्रेमी युगल विकास व पारुल ने जहरीला पदार्थ खा लिया। रास्ते में उनकी तबियत बिगड़ती चली गई और लखनऊ पहुंचने तक उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस हिरासत में युगल की मौत की खबर मिलते ही अफसरों में हड़कम्प मच गया। लखनऊ पुलिस पर भी लापरवाही का आरोप लगा कि जब तबियत बिगड़ रही थी तो रास्ते में दोनों को किसी अस्पताल में भर्ती करा देते। अब पुलिस का कहना है कि बरेली में गाड़ी में बैठने से पहले ही दोनों ने जहर खा लिया था। साथ ही अफसरों ने यह भी कहा कि दोनों पुलिस हिरासत में नहीं थे। कोर्ट के आदेश पर उन्हें बयान देने लखनऊ आना था। लखनऊ से पुलिस उन्हें सूचना देने गई थी जो बाद में साथ ही लौट रही थी। गाड़ी में विकास के रिश्तेदार भी थे। दोनों लोग लखनऊ से भाग कर बरेली में रह रहे थे। यहां लड़की की मां ने कृष्णानगर कोतवाली में शादीशुदा बेटी को भगाने का आरोप उसके प्रेमी पर लगाया था। प्रेमी भी पहले से शादीशुदा था। ठाकुरगंज निवासी पारुल अपने पति रिंकू व तीन बच्चों के साथ कृष्णानगर के स्नेहनगर कालोनी में रहती थी। रिंकू चोरी के एक मामले में जेल चला गया था। इसके बाद पारुल चौका बर्तन करने लगी थी। इस बीच उसकी प्रेम नगर निवासी विकास सोनी से मित्रता हो गई। पिछले साल पारुल अपने बच्चों को छोड़ कर विकास के साथ भाग निकली थी।

कोरोना को परास्त करने के लिए जरूरी है कि एक कदम आगे की रणनीति रखें

जिला मुख्यालय से लेकर ब्लॉक स्तर तक कोविड-19 के नियंत्रण और उपचार की प्रत्येक कड़ी को मजबूत रखा जाए

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ/दिल्ली, 21 सितम्बर। उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव सूचना एवं गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने आज यहां लोक भवन में प्रेस प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए बताया मुख्यमंत्री ने कहा है कि कोरोना को परास्त करने के लिए आवश्यक है कि हम एक कदम आगे की रणनीति रखें।

इसके लिए जनपद मुख्यालय से लेकर ब्लॉक स्तर तक कोविड19 के नियंत्रण और उपचार की प्रत्येक कड़ी को मजबूत रखा जाए। उन्होंने कहा है कि वैश्विक महामारी कोविड19 एक नई बीमारी के रूप में दुनिया के सामने आयी है। इसलिए कोविड19 को परास्त करने की हमारी रणनीति भी विशेष होनी चाहिए। उन्होंने है कि कोविड19 के दृष्टिगत सभी व्यवस्थाएं कर रही है। उन्होंने प्रत्येक जनपद में स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी को कोविड चिकित्सालयों की व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए हैं। अवस्थी ने बताया कि मुख्यमंत्री जी ने जनपद लखनऊ और कानपुर नगर पर विशेष ध्यान देते हुए चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा है कि इस सम्बन्ध में जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा प्रभावी और कारगर रणनीति बनाते हुए उसे लागू किया जाए स्वास्थ्य विभाग तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा प्रत्येक स्तर पर मॉनिटरिंग करते हुए रिकवरी दर को बेहतर बनाया जाए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री जी ने सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में ऑक्सीजन की पर्याप्त

उपलब्धता और बैकअप की व्यवस्था हर हाल में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि ऑक्सीजन की आपूर्ति किसी भी दशा में बाधित न होने पाए। उन्होंने ऑक्सीजन की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए हैं। श्री अवस्थी ने बताया कि मुख्यमंत्री जी ने मेडिकल टेस्टिंग, डोरटूडोर सर्वे तथा कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग को पूरी सक्रियता से संचालित करने पर बल देते हुए कहा कि कोविड19 के नियंत्रण में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग का कार्य प्रभावी ढंग से संचालित करते हुए ट्रेसिंग के दायरे में आने वाले सभी लोगों की मेडिकल टेस्टिंग की जाए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री जी ने कोविड19 से बचाव के सम्बन्ध में जनता को निरन्तर जागरूक किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा है कि भारत की प्राचीन परम्पराओं में शरीर की प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने से सम्बन्धित अनेक तथ्य उपलब्ध हैं। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में बीमारियों से लड़ने के लिए शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने पर बल दिया जाता है। उन्होंने इम्यून सिस्टम को मजबूत करने के सम्बन्ध में रेडियो, टी0वी0 तथा समाचार पत्र आदि विभिन्न माध्यमों से लोगों को जानकारी उपलब्ध कराए जाने के निर्देश भी दिए। अवस्थी ने बताया कि मुख्यमंत्री जी ने राजस्व संग्रह में वृद्धि के लिए सभी विभागों को प्रभावी योजना बनाकर उसके अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए हैं शासन एवं जनपद स्तर पर राजस्व प्राप्ति की गहन मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने बताया कि जी0एस0टी0 के तहत राजस्व संग्रह कार्य की ये स्वयं समीक्षा करेंगे उन्होनें बताया कि मुख्यमंत्री ने कहा है कि आत्मनिर्भर भारत अभियान तथा स्टार्टअप योजना का लाभ ज्यादा से ज्यादा पात्र लोगों को मिल सके, इसके लिए राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एस0एल0बी0सी0) की बैठक में कार्य योजना बनायी जाए। एम0एस0एम0ई0 इकाइयों के सुदृढ़ीकरण व स्थापना के साथसाथ युवाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए बैंकों से समन्वय बनाकर उनके लिए ऋण की सुगम व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। अवस्थी ने बताया कि राजस्व वृद्धि किसी भी प्रदेश के विकास लिए बेहद जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि अभी तक सितम्बर माह में जो राजस्व वृद्धि हुयी है, वह पिछले वर्ष के समान्तर या उससे अधिक भी आ सकती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी जिलाधिकारी एवं मण्डलायुक्तों को सभी मदों में राजस्व वृद्धि हेतु समीक्षा करने के निर्देश दिये है। मुख्यमंत्री जी ने अपर मुख्य सचिव राज्यकर को भी निर्देश दिये है कि पूरे विभाग को एक्टिवेट व ट्रेनड कराये उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी स्वयं शीघ्र ही इनकी समीक्षा करेंगे ।

नहीं बर्दाश्त किया जाएगा पत्रकारों का उत्पीड़नः गोपाल शर्मा

(अमित पाठक/वूमेन एक्सप्रेस)

बहराइच मोतीपुर रविवार को यूपी जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन उपजा की मासिक बैठक मिहीपुरवा तहसील के कैलाशपुरी बाढ़ नियंत्रण कक्ष सभागार में आयोजित हुई, बैठक में मुख्य अतिथि उपजा जिला अध्यक्ष बहराइच गोपाल शर्मा व विशिष्ट अतिथि जिला महामंत्री महेश गुप्ता व संजय गुप्ता रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष व तहसील मिहीपुरवा संरक्षक कदम रसूल ने की, बैठक में एक दूसरे का परिचय हुआ साथ ही सर्वसम्मति से कुछ नए सदस्यों को उपजा परिवार की सदस्यता दिलाई गई तथा दिवंगत हुए पत्रकार फैज खान व लखीमपुर के पत्रकार सहित उपजा परिवार के राजेश जोशी की भतीजी के निधन पर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन धारण किया गया ! बैठक में मुख्य अतिथि गोपाल शर्मा ने अपने संबोधन में तहसील मिहीपुरवा में उपजा संगठन को नंबर वन बताते हुए प्रशंसा की तथा सभी को बधाई शुभकामनाएं भी दिया, इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पत्रकारिता बहुत ही

कठिन परिस्थितियों से गुजर रही है, ग्रामीण क्षेत्र का रिपोर्टर दूरदराज जाकर खबरें ला करके उसको प्रकाशित करता है, शासन से लेकर प्रशासन तक के खिलाफ हो जाता है फिर भी निस्वार्थ रूप से अपनी कलम चलाता रहता है,निस्वार्थ रूप से पत्रकारिता करते हुए एक पत्रकार जो आर्थिक रूप से भी कमजोर रहता है फिर भी जन समस्याओं को उठाने के लिए निरंतर प्रयास करता रहता है, पत्रकारों की जगह जगह हत्याएं हो रही हैं जो निंदनीय है,सरकार को पत्रकारों की सुरक्षा का विशेष इंतजाम करने की जरूरत है,पत्रकारों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा,इसके लिए पत्रकारों को एकता बनाकर काम करने की आवश्यकता है,विशिष्ट अतिथि महेश गुप्ता व संजय गुप्ता ने कहा कि यदि हमारे पत्रकार साथी एकजुटता बनाए रहेंगे तो दुनिया की कोई ताकत हमारे पत्रकार साथियों को परेशान नहीं कर सकती ।

यूपी में 24 घंटे में कोरोना के 4,703 नए केस

सक्रिय मामलों की संख्या 64,164 पहुंची, एक दिन में 88 मरीजों की मौत

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ, 21 सितंबर । प्रदेश में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या अब 64,164 हो गई है। बीते चैबीस घंटे में संक्रमण के 4,703 नए मामले सामने आए, वहीं इसी दौरान 6,320 लोग स्वस्थ होकर डिस्चार्ज किए गए। अब तक कुल 2,89,594 लोग इलाज के बाद पूरी तरह ठीक होने के बाद घर भेजे जा चुके हैं।

वहीं राज्य में संक्रमण के बाद कुल मौतों की संख्या 5,135 पहुंच गई है। इनमें बीते चैबीस घंटे में 88 लोगों की मौत हुई है। वहीं राज्य में मरीजों के ठीक होने की दर वर्तमान में बढ़कर 80.69 प्रतिशत हो गई है। इससे पहले यह 79.96 प्रतिशत थी। अब तक कुल 86.76 लाख कोरोना नमूनों की हुई जांच अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने सोमवार को बताया कि राज्य की विभिन्न प्रयोगशालाओं में रविवार को कुल 1,35,990 कोरोना नमूनों की जांच की गई। वहीं अब तक कुल 86,76,627 कोरोना नमूनों की जांच की जा चुकी है।

33,040 मरीजों का होम आइसोलेशन में चल रहा इलाज उन्होंने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में कुल सक्रिय मरीजों में से 33,040 लोग होम आइसोलेशन यानि घर पर रहकर इलाज की सुविधा का लाभ ले रहे हैं। वहीं 3,822 लोग निजी अस्पतालों और 230 लोग होटल में एल1 प्लस की सेमिपेड फैसिलिटी सुविधा के तहत अपना इलाज करा रहे हैं। इनके अलावा शेष राज्य सरकार की एल1, एल2 व एल3 की व्यवस्था के तहत सरकारी अस्पतालों में भर्ती हैं। 12.11 करोड़ लोगों के बीच पहुंची स्वास्थ्य टीमें स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार विभिन्न क्षेत्रों में लोगों के बीच पहुंचकर सर्वेक्षण कर रही हैं।

अभी तक 1,14,515 इलाकों में 3,70,010 टीमों ने 2,43,76,551 करोड़ घरों का सर्वेक्षण किया है। इसके तहत 12,11,12,473 करोड़ से अधिक लोगों की मेडिकल स्क्रीनिंग की गई है। प्रदेश में अब तक 64,507 कोविड हेल्प डेस्क स्थापित प्रदेश में कुल 64,507 'कोविड हेल्प डेस्क' की स्थापना की जा चुकी है। इनके जरिए 7,69,949 से अधिक लक्षणात्मक लोगों की पहचान की गई। इनमें ऑक्सीमीटर और थर्मामीटर उपलब्ध हैं। इन सभी इकाइयों में सैनिटाइजर की पर्याप्त उपलब्धता की गई है। इस महीने के अन्त में शुरू हो जाएंगी तीन आरटीपीसीआर लैब अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण की जांच में और तेजी लाने के लिए प्रयोगशालाओं का भी विस्तार किया जा रहा है। इसी कड़ी में स्वास्थ्य विभाग तीन आरटीपीसीआर लैब की स्थापना कर रहा है। प्रदेश के बलिया, प्रतापगढ़ और जौनपुर में ये प्रयोगशालाएं इस महीने के अन्त तक काम करना शुरू कर देंगी।

ब्लाक रिसिया के 02 अतिकुपोषित परिवारों को किया गया गोदान

(अमित पाठक/वूमेन एक्सप्रेस)

बहराइच । जिला कार्यक्रम अधिकारी जी.डी. यादव ने बताया कि जनपद में संचालित राष्ट्रीय पोषण माह अन्तर्गत मा. मुख्यमंत्री निराश्रित गोवंश आश्रम योजना के तहत प्रत्येक विकास खण्ड के 0202 अतिकुपोषित बच्चों के इच्छुक अभिभावकों को 0101 गाय तथा उसके भरण पोषण हेतु रू. 900/प्रतिमाह प्रदान किया जायेगा। जी डी यादव ने बताया कि उक्त योजना के तहत अब तक 11 विकास खण्डों के 0202 अतिकुपोषित परिवारों के अभिभावकों को गाय उपलब्ध करायी जा चुकी है। उन्होंने बताया कि विकास खण्ड रिसिया के ग्राम पटना घुसियारी की खुशबु देवी व भवनियापुर रघुनाथपुर की सोनाली के परिवार को गोदान किया गया।

रेलवे स्टेशनों के स्टॉल व पार्किंग का घटेगा किरायाः सोनी

बीकानेर। देशभर के रेलवे स्टेशनों पर स्थित स्टॉल, भोजनालय, पार्किंग, एसटीडी बूथ संचालक बीते कई दिनों से वैश्विक महामारी कोरोना के चलते लॉकडाउन में प्रभावित हुए। इस संबंध में रेल यात्री हेल्प कमेटी के अध्यक्ष एवं बीकानेर व्यापार उद्योग मंडल के उपाध्यक्ष अनिल सोनी झूमरसा द्वारा हाल ही रेल मंत्री को पत्र मेल किया गया था, इस संबंध में रेल मंत्रालय द्वारा मांग मान ली गई है। मंत्रालय ने इन सब का दर्द समझते हुए 3 माह के लाइसेंस फीस माफ करने की घोषणा कर दी है। सोनी ने बताया कि अब मार्च से जून तक कि इन स्टॉल संचालकों से किराया नहीं लिया जाएगा। इसी क्रम में रेल यात्री हेल्प कमेटी के अध्यक्ष अनिल सोनी के साथ व्यापार मंडल के अध्यक्ष रघुराज सिंह राठौड़, प्रवक्ता सोनूराज आसुदानी व महावीर प्रजापत ने मिलकर डीआरएम संजय कुमार श्रीवास्तव के माध्यम से रेल मंत्री का

आभार जताया। उन्होंने आभार ज्ञापन देकर डीआरएम का अभिनंदन भी किया। उन्होंने बताया कि हालांकि तमाम कोशिशों के बावजूद अब भी सभी ट्रेनों का संचालन शुरू नहीं हो सका है। फिर भी ट्रेनों के पटरी पर उतरने से इन स्टॉल संचालकों को राहत मिलेगी। सोनी ने बताया कि रेल मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के मुताबिक फिलहाल 25 मार्च 2020 से 22 जून 2020 तक इनका किराया माफ किया जाएगा। मंडल प्रतिनिधियों ने इस दौरान बीकानेर रेल मंडल की अनेक रेलों के यात्री भार के अनुसार रेल सेवा शुरू करने की भी मांग की, जिनमें बीकानेर से हरिद्वार व जोधपुर से मुम्बई वाली रेल को बीकानेर से चलाने की मांग शामिल थी।

एम्बेसडर सुनीता खोखर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम राष्ट्रीय अवार्ड से अलंकृत

नई दिल्ली । देश की प्रमुख सामाजिक संगठन स्वर्ण भारत ट्रस्ट परिवार दिल्ली ने सामाजिक सरोकारों में उल्लेखनीय कार्य करने पर विश्व वाल्मीकि धर्म संगठन की संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष ग्लोबल पीस एम्बेसडर सुनीता खोखर, भीलवाड़ा (राजस्थान)को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम राष्ट्रीय पुरस्कार 2020 से सम्मानित किया है।

इस अवसर पर स्वर्ण भारत ट्रस्ट परिवार दिल्ली, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार,यूनेस्को व यूनिसेफ के सयुक्त तत्वावधान में कुपोषण भारत की संकल्पना को लेकर विज्ञान,साहित्य, कला, चिकित्सा, समाज सेवा आदि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली देश की चयनित 101 विभूतियों को यह सम्मान प्रदान किया गया। इस ऐतिहासिक पल के दुनिया के 50 देश साक्षी बने। स्वर्ण भारत ट्रस्ट परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीयूष पंडित ने सुनीता खोकर को बधाई देते हुए कहा की आपके द्वारा किए गए कार्य उत्कृष्ट एवं सराहनीय है, हमें आप जैसे लोगों पर गर्व है। वाल्मीकि

बेटी ने जहां चाह वहां राह है की कहावत को सत्य कर दिखाया।

उल्लेखनीय है कि सुनीता खोकर गत 20 वर्ष से सामाजिक सरोकारों में अपनी महती भूमिका अदा कर रही है।इनको पूर्व में भी सामाजिक सरोकारों के लिए अनेक राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय अवार्ड मिल चुके हैं।

अटल सुरंग बनकर तैयार प्रधानमंत्री करेंगे उद्घाटन

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 21 सितंबर । हिमाचल प्रदेश में रोहतांग दर्रे के करीब लगभग 10 हजार फीट की ऊंचाई पर बनाई गई 9 किलोमीटर लंबी रणनीतिक अटल सुरंग का उद्घाटन 3 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। ऊंचाई के लिहाज से यह दुनिया की पहली सुरंग है। यह सुरंग इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे पाकिस्तानचीन बॉर्डर पर भारत की ताकत बढ़ जाएगी। इसके शुरू होने से लद्दाख का इलाका सालभर पूरी तरह से जुड़ा रहेगा। इसे पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की याद में 'अटल रोहतांग टनल' नाम दिया गया है।

निर्माण शुरू होने पर इसकी डिजाइन 8.8 किलोमीटर लंबी सुरंग के रूप में बनाई गई थी लेकिन निर्माण पूरा होने पर जब जीपीएस रीडिंग ली गई तो सुरंग की लम्बाई 9 किमी. निकली। 10 मीटर चैड़ी इस सुरंग को 10,171 फीट की ऊंचाई पर रोहतांग पास से जोड़कर बनाया गया है। इसके शुरू होने पर मनाली और लेह के बीच की दूरी 46 किलोमीटर कम हो जाएगी और अब यह दूरी मात्र 10 मिनट में पूरी हो सकेगी।

अभी मनाली घाटी से लाहौल

और स्पीति घाटी तक की यात्रा में आमतौर पर पांच घंटे से अधिक समय लगता है जो अब 10 मिनट से कम समय में पूरा हो जाएगा। यह रोहतांग दर्रा तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्ग भी होगा जो 13 हजार 50 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। अटल सुरंग की विशेषताएं हिमालय की पीर पांज पर्वत श्रेणी में बनी इस सुरंग में एक आपातकालीन रास्ता भी है जिसे मुख्य सुरंग के नीचे बनाया गया है। यह किसी भी अप्रिय घटना होने पर एक आपातकालीन निकास प्रदान करेगा। सुरंग में हर 150 मीटर पर एक टेलीफोन, हर 60 मीटर पर अग्नि हाइड्रेंट, हर 500 मीटर पर आपातकालीन निकास, हर 2.2 किमी में गुफा, हर एक किमी. पर हवा की गुणवत्ता की निगरानी प्रणाली, हर 250 मीटर पर सीसीटीवी कैमरों के साथ प्रसारण प्रणाली और घटना का पता लगाने वाली स्वचालित प्रणाली लगाई गई है। सुरंग में 80 किमी. प्रति घंटे की अधिकतम गति से प्रतिदिन 5000 वाहन इससे गुजर सकेंगे। सीमा सड़क संगठन ने (बीआरओ) ने करीब 4 हजार करोड़ रुपये की लागत से यह सुरंग घोड़े की नाल के आकार में बनाई है। लद्दाख में भारत की पकड़ और मजबूत होगी दरअसल बर्फबारी के दिनों में यह इलाका अप्रैल से नवम्बर तक देश के बाकी हिस्सों से लगभग छह महीने के लिए कट जाता है।

आजमगढ़ में चार्टर्ड एयरक्राफ्ट क्रैश, पायलट की मौत

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी/आजमगढ़। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले में सोमवार सुबह करीब 11 बजे खराब मौसम के कारण एक दो सीटर चार्टर्ड एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया। हादसे में 24 वर्षीय ट्रेनी पायलट कोनार्क शरन की मौके पर ही मौत हो गई। क्रैश होने से एयरक्राफ्ट के छोटेछोटे टुकड़े हो गए और मलबा कई खेतों में फैल गया। पायलट का शव एयरक्राफ्ट के मलबे से करीब 300 मीटर की दूरी पर मिला। एयरक्राफ्ट गिरने के बाद सरायमीर स्थित कुशहा, फरीदुनपुर क्षेत्र में सोमवार को अफरातफरी मच गई। क्रैश होने की आवाज सुन ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। देखते ही देखते सैकड़ों की संख्या में भीड़ मौके पर जमा हो गई। आनन फानन सूचना मिलने के बाद मौके पर पुलिस कर्मी पहुंचे और दुर्घटनास्थल का जायजा लिया।

स्थानीय लोगों के अनुसार सोमवार सुबह से ही आसमान में बादल था और खराब मौसम के बीच आसमान में एयरक्राफ्ट अनियंत्रित होता नजर आया। देखते ही देखते यह खेतों की ओर अचानक तेजी से आने लगा तो ग्रामीण भी मौके पर पहुंचे गए और राहत बचाव कार्य में जुट गए। आइजीआरयूए1082 क्रमांक के स्टूडेंट पायलट का लाइसेंस भी मृत पायलट की जेब से मिला है। विमान रायबरेली के इंदिरा गांधी

राष्ट्रीय उड़ान अकादमी से सुबह नौ बजे उड़ा था। 11 बजे तक वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की रडार पर था, इसके बाद संपर्क टूट गया था। एसपी सुधीर कुमार सिंह के साथ ही अन्य अधिकारियों ने मौके का मुआयना किया। मामले की जानकारी वाराणसी एयरपोर्ट और रायबरेली के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी की टीम जांच में जुट गयी है।

ग्रामीणों ने बताया कि सुबह 10.30 बजे से ही मौसम खराब होना शुरू हो गया था। तेज हवाओं के साथ ही बारिश हो रही थी। साथ ही बिजली भी कड़क रही थी। इस दौरान लगभग सवा 11 बजे सरायमीर थाना क्षेत्र के कोलपुर कुसहां और मंजीरपट्टी के बीच सीवान में तेज धमाके के साथ कुछ गिरने की आवाज आई। इसके बाद लोग मौके की ओर दौड़ पड़े।

खराब मौसम में एक विमान क्रैश हुआ था। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि एयरक्राफ्ट ट्रूसीटर प्रशिक्षु विमान इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी से अपने नियमित प्रशिक्षण उड़ान के लिए निकला था। एयरक्राफ्ट पर एक ही पायलट सवार था। मौसम खराब होने के बाद अनियंत्रित होकर गिर कर मलबे में तब्दील हो गया। डीआइजी सुभाष दुबे ने बताया कि आजमगढ़ में दुर्घटनाग्रस्त विमान हादसे में शामिल प्रशिक्षण विमान अमेठी के फुर्सतगंज से उड़ा था, जिसे मऊ तक चक्कर लगाना था।

विमान को 24 वर्षीय पायलट कोणार्क शरन उड़ा रहे थे, जिनकी हादसे में मौत हो गई। मौके पर पुलिस टीम और प्रशासन राहत और बचाव कार्य में जुट गए हैं। मौके पर पहुंचे पुलिस कर्मियों ने शव को वहां से ग्रामीणों के सहयोग से निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आसमान में संतुलन खोने के कारण एक युवक को विमान से छलांग लगाते देखा गया। एयरक्राफ्ट के मलबे से कुछ दूर पर एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ जिनकी पहचान पायलट कोणार्क शरन (26) के रूप में हुई। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बाबतपुर प्रशासन की ओर से बताया गया कि मृतक ट्रेनी पायलट था।

नैनी (प्रयागराज) कार्यालय
नैनी स्टेशन के सामने
प्रभारी:
सुजीत चौरसिया
Mo- 9451251066

वूमेन एक्सप्रेस
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुनील पाण्डेय ने आदित्य ग्राफिक्स INC, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व ई–4/168, गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।
RNI.DELHIN / 2013/ 48606
मो.– 07042999974
टेली– 09013 518 518
www.womenexpress.in
thewomenexpress@gmail.com

एक नजर

विपक्षी सांसदों का निलंबन सरकार की तानाशाही मानसिकता: ममता

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कृषि संबंधी विधेयकों को पारित कराने के दौरान हंगामा करने वाले विपक्ष के आठ सांसदों को शेष सत्र के लिये निलंबित किये जाने को सरकार की तानाशाही मानसिकता का परिचायक बताते हुए सोमवार को इस लड़ाई को सड़क से संसद तक लड़ने का ऐलान किया। राज्यसभा में रविवार को कृषि विधेयकों पर चर्चा के दौरान विपक्षी दलों के सांसदों ने जमकर हंगामा किया था। सभापति एम. वेंकैया नायडू इस की घटना से नाराज दिखे और कड़ी कार्रवाई करते हुए हंगामा करने वाले आठ सांसदों को शेष सत्र के लिए निलंबित कर दिया है। सुश्री बनर्जी ने सांसदों के निलंबन को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा, 'किसानों के हितों की आवाज उठा रहे आठ सांसदों का निलंबन दुर्भाग्यपूर्ण है और यह सरकार की तानाशाही सोच को दर्शाता है जो लोकतांत्रिक मूल्यों और सिद्धांतों का सम्मान नहीं करती है। हम पीछे हटने वाले नहीं है और हम इस फासीवादी सरकार के खिलाफ संसद से सड़क तक लड़ेंगे।' इस बीच श्री नायडू ने आज सदन की कार्यवाही के शुरु होने पर कहा, 'कल का दिन राज्यसभा के लिए बहुत खराब दिन था। कुछ सदस्य सदन के बीचोंबीच तक आ गए औंर उपसभापति के साथ धक्कामुक्की की गई।

उप्र में जबरन वसूली करने वाले रैकेट का भंडाफोड़

हापुड़ (उप्र),। उत्तर प्रदेश के हापुड़ में जबरन वसूली करने वाले एक रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। यह लोगों को पैसे नहीं देने पर दुष्कर्म के झूठे मामले में फंसा देने की धमकी देकर ब्लैकमैल करता था। पुलिस ने कहा कि एक पुरुष और एक महिला संगीता (जिसे गुड्डी के नाम से भी जाना जाता है) को एक पीड़ित की शिकायत के बाद गिरफ्तार किया गया है। दो संदिग्ध तानिया और हरकेश फरार हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, हाल ही में एक शख्स ने फेसबुक पर माही राणा नाम की महिला से दोस्ती की। कुछ दिनों तक ऑनलाइन चैट करने के बाद, दोनों 15 सितंबर को महिला द्वारा चुने गए स्थान पर मिलने के लिए सहमत हुए। बताई गई जगह पहुंचने पर, शख्स को एहसास हुआ कि यह एक जाल था। दो महिलाओं सहित चार लोग उसकी प्रतीक्षा कर रहे थे। गिरोह ने दुष्कर्म के झूठे मामले में नहीं फंसाने के लिए शख्स से 5 लाख रुपये की मांग की। उसने घबराकर 1 लाख रुपये नकद, एक सोने की चेन और एक अंगूठी दे दी। हालांकि, जबरन वसूली बंद नहीं हुई। आखिरकार, उसने पुलिस से संपर्क किया और गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने आगे की जानकारी का खुलासा करने से इनकार करते हुए कहा, हमारा मानना है कि एक बड़ा गिरोह शामिल है और हम फिलहाल इस बारे में विस्तार से जानकारी बाहर नहीं आने देना चाहते हैं।

जद-यू से इतर, भाजपा के पास बिहार में लचीले रुख की गुंजाइश कम: किताब

नई दिल्ली। एक नई किताब में दावा किया गया है कि जदयू से इतर भाजपा के पास लचीले रुख की गुंजाइश कम है और उसे नीतीश कुमार को राज्य में बड़े सहयोगी के तौर पर स्वीकार करते हुए उनके साथ ही रहना होगा। किताब 'द बैटल ऑफ बिहार' में पत्रकार अरुण सिन्हा ने जल्द ही चुनाव का सामना करने जा रहे बिहार के सियासी रंगमंच और नीतीश कुमार के शासन से जुड़े घटनाक्रमों का उल्लेख किया है। उन्होंने कहा कि बिहार अभी तीन सियासी रियासतों भाजपा, जदयू और राजद में बंटा है। सिन्हा कहते हैं, 'भाजपा ने ऊपरी जातियों और बनियों की पौध लगाई, जदयू ने आर्थिक रूप से पिछड़ों और महादलितों की तथा राजद ने यादवों और मुसलमानों की। जदयू की 'रियासत' बीच में है और उसके पास किसी भी तरफ मिलकर संयुक्त रूप से जीतने की सुविधा है।' पेंगुइन रैंडम हाउस द्वारा प्रकाशित किताब में सिन्हा लिखते हैं, 'भाजपा के पास ऐसे लचीलेपन की कोई गुंजाइश नहीं है। वह खुद को नुकसान पहुंचाने की स्थिति में ही राजद से मिल सकती है जैसे पानी और आग। इसलिये उसे नीतीश के साथ ही रहना होगा, भाजपा 'एक ही गुफा में रह रहे दो अलग प्रजाति के जानवरों की तरह हैं: वे साथ प्रार्थना करते हैं ।

मेरठ में बन्द पड़ी कताई मिल की भूमि पर नया औद्योगिक क्षेत्र बनेगा

मुख्यमंत्री ने 'इन्वेस्ट यूपी' की उच्चस्तरीय प्राधिकृत समिति की बैठक की अध्यक्षता की

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ/दिल्ली, 21 सितम्बर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के विकास, रोजगार सम्भावनाओं के विस्तार तथा प्रधानमंत्री जी के भारत की इकोनॉमी को 05 ट्रिलियन डॉलर बनाने में उत्तर प्रदेश के योगदान में निवेशकों और उद्यमियों से निवेश योजनाओं, सीएसआर, इनोवेशन और उद्यमशीलता के माध्यम से सहयोग प्रदान करने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री ने निवेशकों और उद्यमियों को आश्वस्त किया कि विगत 03 वर्षों में उत्तर प्रदेश में जो व्यापक परिवर्तन उन्होंने महसूस किया है, आने वाले समय में इसे और बेहतर किया जाएगा। मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत 'इन्वेस्ट यू0पी0' की उच्चस्तरीय प्राधिकृत समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न उद्योग संगठनों के पदाधिकारियों तथा जनपद स्तर के उद्यमियों से संवाद स्थापित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को एक बेहतर निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने का कार्य कर रही है। उन्होंने जिलाधिकारियों को प्रत्येक माह अनिवार्य रूप से उद्योग बन्धु की बैठक आहूत कर स्थानीय समस्याओं का स्थानीय स्तर पर निराकरण करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव के स्तर से सभी मण्डलायुक्तों को यह निर्देश जारी हों कि हर दूसरे महीने मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में मण्डल स्तर पर उद्योग बन्धु की बैठक हो। विकास

प्राधिकरण, आवास एवं आवास विकास परिषद तथा स्थानीय स्तर की समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर करते हुए शासन स्तर से जुड़ी हुई समस्याओं का भी समयसीमा के अन्दर समाधान किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आवास एवं शहरी नियोजन विभाग द्वारा औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए भूउपयोग परिवर्तन के आवेदनों को 90 दिन की समयसीमा के अन्तर्गत निस्तारित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कृषि से औद्योगिक श्रेणी में भूउपयोग परिवर्तन शुल्क को घटाकर सर्किल रेट के 35 प्रतिशत की दर के स्थान पर 20 प्रतिशत करने का निर्णय लिया गया है। बड़े भू खण्डों पर टेलीस्कोपिक दरों को सम्मिलित करते हुए यह शुल्क मात्र 14 प्रतिशत रह जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित औद्योगिक आस्थानों/ औद्योगिक क्षेत्रों में औद्योगिक इकाइयों को दोहरे टैक्स के बोझ से मुक्ति मिलेगी। जिला पंचायतों द्वारा एकत्र किये गये टैक्स का न्यूनतम 60 प्रतिशत उसी औद्योगिक क्षेत्र के रखरखाव में व्यय किया जाएगा। उन्होंने यह जानकारी भी दी कि यूपीसीडा द्वारा मेरठ में बन्द पड़ी कताई मिल की भूमि पर नया औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इतने बड़े पैमाने पर यह सामूहिक संवाद उस समय हो रहा है, जब देश और दुनिया वैश्विक महामारी कोविड19 की चुनौती से जूझ रही है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि उद्यमी व निवेशक इस चुनौती से स्वयं का बचाव करते हुए प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में कोरोना के खिलाफ देश की लड़ाई को मजबूती के साथ जीतने और जागरूक करने के कार्यक्रम को भी आगे बढ़ाने में सहयोग दे रहे होंगे। वास्तव में हम इस सदी की सबसे बड़ी चुनौतीपूर्ण स्थिति में वर्तमान में खड़े हैं। पूरी दुनिया के अन्दर ढेर सारी चुनौतियां सामने आयी हैं। विगत 06 माह में सामने आयी स्थितियों के दौरान आज उत्तर प्रदेश में हम लोग इस संवाद के लिए एकत्र हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वे प्रारम्भ से ही इस बात के पक्षधर रहे हैं कि संवाद के माध्यम से समस्याओं के समाधान का रास्ता निकलना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि 'पिक एण्ड चूज' के बजाय एक पॉलिसी निर्धारित कर समयसीमा के अन्दर इन समस्याओं के समाधान का कार्य करें। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना के काल खण्ड में उद्यमियों और निवेशकों की तमाम प्रकार की चिन्ताओं को दूर करने के लिए आज का यह संवाद आयोजित किया गया है।

पिछले तीनसाढ़े तीन वर्षों में उत्तर प्रदेश निवेश का सबसे अच्छा गंतव्य बना है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश के पर्सेप्शन के बारे में देश व दुनिया का संदेश बहुत स्पष्ट है। जिन्होंने उत्तर प्रदेश में निवेश किया है अथवा निवेश के इच्छुक है।

भिवंडी में इमारत गिरने से 10 लोगों की मौत, 15 घायल

मुंबई, 21 सितंबर (वेबवार्ता)। मुंबई से सटे भिवंडी में सोमवार तड़के पटेल कंपाउंड में तीन मंजिला जिलानी बिल्डिंग गिर गई। इस हादसे में 10 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 15 लोग घायल हैं। सभी घायलों को एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वहीं इमारत के मलबे में अब भी 25 से अधिक लोगों के फंसे होने की आशंका है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ व फायर ब्रिगेड के जवान मौके पर राहत व बचाव कार्य में लगे हैं। पालकमंत्री एकनाथ शिंदे ने मौके पर पहुंचकर राहत व बचाव कार्य का मुआयना किया और मृतकों के परिजनों को 55 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की है। उन्होंने बताया है कि मौके पर एनडीआरएफ, एसडीआरएफ व फायर ब्रिगेड की टीम राहत व बचाव कार्य कर रही है।

घायलों का शासकीय स्तर पर इलाज किया जाएगा। पुलिस के अनुसार हादसे में अभी तक जिन लोगों का शव बरामद हुए हैं, उनमें जुबैर कुरैशी, फैजा कुरैशी, आयशा कुरैशी, बब्बू, फातमा जुबैर बाबू, फातमा जुबैर कुरैशी, उजेब जुबेर, अस्का अबिद अंसारी, अंसारी दानिश अलीद, सिराज अहमद शेख शामिल हैं।

वहीं एनडीआरएफ की टीम ने मलबे से अब तक जिन लोगों को निकाला है, उनमें सलमानी, रुक्सार कुरैशी, मोहम्मद अली, शाबिर कुरैशी, मोहम्मद अली, मोमिन समीउल्लाह, कैसर सिराज शेख, रुक्सार शेख, मुबीन शेख सहित छह लोग शामिल हैं।

इनमें दो साल का एक बच्चा भी है। पटेल कंपाउंड स्थित जिलानी बिल्डिंग करीब 40 साल पुरानी थी। इसे जर्जर घोषित किया गया था। इसके बावजूद बिल्डिंग में 21 परिवार रह रहे थे।

आज तड़के यह इमारत ढह गई, जिससे गहरी नींद में सो रहे 10 लोगों की मौत हो गई है। फायर ब्रिगेड के जवानों का कहना है कि संकरी गली होने के कारण राहत व बचाव कार्य में दिक्कत आ रही है।

कृषि बिल के खिलाफ सड़क पर उतरेंगे किसान

25 सितंबर से शुरू होगा देशव्यापी प्रदर्शन

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। कृषि सुधार से जुड़े तीन विधयकों के राज्यसभा में पास होने के साथ ही इस बिल को लेकर देशभर के किसानों समेत कई किसान संगठन सरकार के विरोध में आ गए हैं।

उत्तर प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर सोमवार को भारतीय किसान यूनियन ने प्रदर्शन किया। इस बारे में भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि सरकार बहुमत के नशे में चूर है। ये पहली दुर्भाग्यपूर्ण घटना है कि किसानों से जुड़े इन कृषि विधेयकों को पारित करते समय कोई चर्चा नहीं की गई और न ही इस पर किसी को सवाल करने का अधिकार दिया गया। यह भारत के लोकतन्त्र के अध्याय में काला दिन है।

राकेश टिकैत ने चेतावनी दी कि भारतीय किसान यूनियन इस अपने हक की लड़ाई लड़ेगा और अब पीछे हटने वाला नहीं है। किसान इन बिलों के विरोध में 25 तारीख को पूरे देश से सड़कों पर उतरेगा और जब तक कोई समझौता नहीं होगा तब तक पूरे देश का किसान सड़कों पर रहेगा। दरअसल, किसान चाहते हैं कि

सरकार एमएसपी तय करते वक्त उत्पादक की लागत, मांगआपूर्ति, इनपुट आउटपुट मूल्य में समानता, दाम में बदलाव जैसी शर्तों और नियमों को बना रहने दे।

लेकिन सरकार इसे बदल रही है भले ही वो इस बात को न माने लेकिन किसान सरकार के इस बिल से बेहद नाराज हैं और अनुमान है कि ये मामला और आगे जाएगा। इस विधयक के पास होने से किसान उपज व्यापार एवं वाणिज्ये विधेयक, 2020 में किसान और व्या पारी विभिन्नज राज्यय कृषि उपज विपणन विधानों के तहत अधिसूचित बाजारों के भौतिक परिसरों या सम बाजारों से बाहर पारदर्शी और बाधारहित प्रतिस्प र्धी वैकल्पिक व्यापार चैनलों के माध्यहम से किसानों की उपज की खरीद और बिक्री लाभदायक मूल्यों पर करने से संबंधित चयन की सुविधा का लाभ उठा सकेंगे।

किसान का मूल्य आश्वांसन अनुबंध एवं कृषि सेवाएं विधेयक, 2020 में कृषि समझौतों पर राष्ट्री य ढांचे के लिए प्रावधान है, जो किसानों को कृषि व्यापार फर्मों, प्रोसेसरों, थोक विक्रेताओं, निर्यातकों या बड़े खुदरा विक्रेताओं के साथ कृषि सेवाओं और एक उचित तथा पारदर्शी तरीके से आपसी सहमति वाला लाभदायक मूल्यल ढांचा उपलब्ध कराता है।

यूपी में रोजगार सृजन के लिए निवेश और 'मेक इन यूपी' को बढ़ावा

लखनऊ/दिल्ली, 21 सितम्बर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य का 'निवेश मित्र' पोर्टल भारत के सबसे बड़े डिजिटल सिंगल विण्डो क्लीयरेंस प्लेटफॉर्म्स में से एक है। इस पोर्टल के माध्यम से 98 प्रतिशत उच्च समाधान दर और 94 प्रतिशत स्वीकृतियां जारी की गई हैं। 'निवेश मित्र' का शुभारम्भ प्रधानमंत्री जी ने 'उत्तर प्रदेश इन्वेस्टर्स समिट 2018' के दौरान किया था। वर्ष 2018 में इस पोर्टल के माध्यम से 69 सेवाओं को प्रारम्भ करते हुए, सेवाओं की संख्या में निरन्तर विस्तार किया जा रहा है। वर्तमान में 'निवेश मित्र' के द्वारा 146 ऑनलाइन सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। 66 अन्य सेवाएं पाइप लाइन में हैं, जिन्हें हम इसके साथ जोड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत' बनाने के विजन को वास्तविकता में परिवर्तित करने के लिए उत्तर प्रदेश निरन्तर प्रयासरत् है। हम उत्तर प्रदेश में औद्योगीकरण के एक नये युग को आगे ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह राज्य के विकास और युवाओं के लिए रोजगार की व्यापक सम्भावनाओं को आगे बढ़ाएगा। कोरोना काल खण्ड के दौरान 40 लाख से अधिक प्रवासी श्रमिक और कामगार उत्तर प्रदेश में आये। इनकी स्किल मैपिंग तथा इन्हें अलगअलग स्थानों पर रोजगार देने का कार्य किया गया। आने वाले समय में अपार ऊर्जा के इस स्रोत को यहां रोक कर उत्तर प्रदेश के विकास के साथ जोड़ सकें, इसके लिए एक व्यापक कार्ययोजना तैयार की गयी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने राज्य में मैन्युफैक्चरिंग केन्द्रों की सुविधा के लिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे और त्वरित कनेक्टिविटी का विकास सुनिश्चित किया है। 340 किलोमीटर लम्बा पूर्वांचल एक्सप्रेसवे निर्माणाधीन है। चित्रकूट से आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे होते हुए दिल्ली तक की कनेक्टिविटी के लिए बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे के निर्माण की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया है। इसके अतिरिक्त, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर आजमगढ़ से गोरखपुर तक की कनेक्टिविटी के लिए गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का निर्माण युद्धस्तर पर चल रहा है।

राहुल गांधी ने देश की बदहाली के लिए मोदी सरकार पर साधा निशाना

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । देश में कोरोना वायरस का कहर थमता हुआ नजर नहीं आ रहा है। यहां हर दिन एक लाख के करीब कोरोना केस सामने आ रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन के कोरोना के मामलों में वृद्धि के पीछे लोगों के गैर जिम्मेदाराना व्यवहार को वजह बताया था। मंत्री के इस बयान पर अब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पलटवार करते हुए मोदी सरकार पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार का अंधा अहंकार देश की बदहाली के लिए कभी भगवान तो कभी जनता को दोषी ठहराता है लेकिन खुद के कुशासन को नहीं। हर्षवर्धन की टिप्पणी संबंधी एक मीडिया रिपोर्ट को टैग करते हुए कांग्रेस नेता ने ट्वीट कर लिखा, मोदी सरकार का अंधा अहंकार देश की बदहाली के लिए कभी भगवान तो कभी जनता को दोषी ठहराता है लेकिन खुद के कुशासन और गलत नीतियों को नहीं।

अपने ट्वीट में उन्होंने कहा, देश अभी और कितने एक्ट ऑफ मोदी को झेलेगा। बता दें कि लोकसभा में कोरोना वायरस महामारी को लेकर हुई विशेष चर्चा के दौरान एक सवाल के जवाब में रविवार को हर्षवर्धन ने कहा कि लोगों के गैर जिम्मेदाराना बर्ताव से ही देश में कोरोना का संक्रमण फैला है। उन्होंने देश में कोविड19 के प्रसार में वृद्धि का कारण सामाजिक गैर जिम्मेदाराना व्यवहार बताया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि कोरोना से निपटने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काम की सबको तारीफ करनी चाहिए। इस टिप्पणी को लेकर ही गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। देश में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। भारत में कोरोना से 54,85,612 लोग संक्रमित हो चुके हैं। वहीं इस वायरस की चपेट में आने से अब तक 87,909 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। हालांकि राहत की बात ये है कि 43,92,650 इस वायरस को मात देकर ठीक हो चुके हैं। देश में कोरोना को मात देकर ठीक होने वालों की संख्या सक्रिय मामलों की संख्या से अधिक है। सक्रिय मामलों की कुल संख्या 10,04,274 है।

विदेशी कंपनियां अपनी इकाइयां यूपी में करना चाहती हैं शिफ्ट

जापान, अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, जर्मनी, दक्षिण कोरिया सहित 10 देशों से 50 से अधिक निवेश-प्रस्ताव प्राप्त

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ/दिल्ली, 21 सितम्बर। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नये निवेशप्रस्तावों, विशेष रूप से ऐसे निवेशक जो विदेशों से अपनी इकाइयां प्रदेश में शिफ्ट करना चाहते हैं, उनकी सहायता के लिए एक समर्पित हेल्प डेस्क स्थापित की गई है। इसके परिणामस्वरूप अब तक 10 देशों से 50 से अधिक निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें जापान, अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, जर्मनी, दक्षिण कोरिया आदि के निवेशक सम्मिलित हैं। इसी प्रकार भारत के भी विभिन्न निवेशकों ने भी इसमें रुचि दिखायी है। इसमें आइकिया, याज़ाकी, मियाची कॉर्प, एबी माउरी, ब्रिटानिया आदि सम्मिलित हैं। उत्तर प्रदेश में एक समर्पित निवेश प्रोत्साहन एवं सुविधा एजेंसी 'इन्वेस्ट यूपी' की स्थापना की गई है। यह संस्था 'उद्योग बन्धु' के स्थान पर कार्य करेगी। 'उद्योग बन्धु' केवल निवेश की सुविधा प्रदान कर रहा था, 'इन्वेस्ट यूपी' राज्य में निवेश को प्रोत्साहित भी करेगा। 'इन्वेस्ट

यूपी' में, राज्य सरकार निवेश के पूरे जीवनचक्र के लिए निवेशक को सहायता प्रदान करेगी। ई0एस0डी0एम0 आई0टी0, खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी, टेक्सटाइल, पर्यटन और फिल्म आदि क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश में पारम्परिक निवेश के अवसरों के अतिरिक्त सौर ऊर्जा, जैव ईंधन और नागरिक उड्डयन में उपलब्ध असीम सम्भावनाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है। डिफेंस एवं एयरोस्पेस, वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स, डेटा सेंटर, इलेक्ट्रिक वाहन, फार्मास्युटिकल उद्योग जैसे सेक्टर अब राज्य में निवेश के नए केन्द्र हैं।

उत्तर प्रदेश में विकसित की जा रही डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। 'मेक इन इण्डिया डिफेंस' के लिए राज्य में विद्यमान विशाल एम0एस0एम0ई0 आधार का लाभ इसको प्राप्त होगा। डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर में 50,000 करोड़ रुपये के निवेश की सम्भावना है। दादरी में मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क और बोडाकी में ट्रांसपोर्ट हब ग्रेटर नोएडा क्षेत्र को उत्तरी भारत के सबसे बड़े लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित करने का कार्य वर्तमान में प्रारम्भ कर रहे हैं। जेवर में अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण के साथ ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे को एक बेहतर और आकर्षण निवेश गंतव्य के रूप में पूरी दुनिया देख रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को 05 ट्रिलियन यू0एस0 डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है। उत्तर प्रदेश ने भारत की इस नई विकास गाथा में योगदान देने के उद्देश्य से 01 ट्रिलियन यू0एस0 डॉलर की अर्थव्यवस्था को प्राप्त करने की दिशा में यह सभी कदम आगे बढ़ाये हैं।

अकाली दल ने राष्ट्रपति से की मुलाकात, सौंपा ज्ञापन

किसानों के मुददे पर देश की अंतरआत्मा की आवाज बनने के लिए कहा

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 21 सितंबर । संसद द्वारा पाए किए गए किसान बिलों को लेकर शिरोमणी अकाली दल ने आज राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की। इस मौके पर अकाली दल ने राष्ट्रपति को एक ज्ञापन सौंपा और किसानों के मुद्दे पर देश की अंतरआत्मा की आवाज बनने के लिए कहा। साथ ही बिलों को बिना मंजूरी संसद को वापस भेजने पर जोर दिया।

इन बिलों से किसान और अन्य श्रम से संबधित व्यापार तथा मजदूरों का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। अकाली दल ने राष्ट्रपति से कहा कि वे देश के किसानों के बचाव में आगे आए, क्योंकि उनकी देश को जरूरत है। पार्टी अध्यक्ष एवं सांसद सुखबीर सिंह बादल की अगुवाई में गए प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति से आग्रह किया कि वे देश के रक्षक तथा संविधान के संरक्षण के रूप में कार्य

करें तथा किसान तथा खेत मजदूरों, दलितों के बचाव के लिए आगे आएं। मुलाकात के बाद राष्ट्रपति भवन के बाहर पत्रकारों से बातचीत करते हुए बादल ने कहा कि पार्टी ने किसानों के विचारों को उच्चतम स्तर तक पहुंचाया है। पार्टी की कोर कमेटी की मीटिंग जल्द होगी तथा न्याय के लिए संघर्ष करने के लिए अगली कार्रवाई के लिए फैसला शीघ्र लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अकाली दल किसानों के साथ है। सुखबीर बादल ने दावा किया कि अकाली दल एक किसान पार्टी है और उनके 95 फीसदी सदस्य किसान हैं। शिरोमणी अकाली दल के अध्यक्ष ने चेतावनी दी है कि किसानों की भावनाओं की अनदेखी करना सामाजिक सदभावना और शांति को बिगाडने का कारण बन सकती है। उन्होंने खुलासा करते हुए कहा कि पार्टी ने राष्ट्रपति से लाखों, करोड़ों परेशान किसान, खेत मजदूरों, आढतियों और दलितों की भावनाओं को ख्याल का प्रतिनिधित्व करें तथा संबधित विधेयकों पर पुनर्विचार करने के लिए वापिस संसद में भेजें। शिरोमणी अकाली दल द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में राष्ट्रपति से यह भी कहा गया है कि वे समाज तथा सामाजिक तौर पर आर्थिक तौर पर कुचले वर्गों के हकों के लिए प्रभावशाली तथा डटकर खडे हों। उन्होंने कहा कि पंजाब के किसानों ने हमेशा हमारी तरफ देखा है तथा हम उनके अधिकारों की आवाज बनें। राष्ट्रपति से गुहार लगाई कि ऐसी घड़ी आती है जब किसी को राष्ट्र के लिए या तो मर मिटने या फिर शोषित हो जाने की घड़ी आती है। यही घड़ी हमपर है। शिरोमणी अकाली दल बेहिचक होकर दलितों और शोषित वर्ग के साथ डटकर खड़ा है । इसमें कहा गया है कि लगभग एक सदी से शिरोमणी अकाली दल ने पूरी भावना से प्रभावी ढ़ंग से किसान, खेत मजदूर, दलित और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए खड़ा रहा है। पंजाब के किसान हमेशा अपनी आवाज उठाने के लिए हमारी तरफ ही देखते हैं। ज्ञापन में कहा कि कैसे सत्ताधारी पार्टी ने संसद में अपने बहुमत का उपयोग करके महत्वपूर्ण मसलों पर विपक्ष तथा सहयोगियों को विश्वास में लेने तथा राष्ट्रीय आम राय बनाने की समय रिवायतों की अनदेखी की है।

30 साल की उम्र में छह बच्चों को छोड़ प्रेमी के साथ भागी थी

(विशेष संवाददाता)

केतार (गढ़वा)। कहते हैं सुबह का भूला अगर शाम को घर लौट आए, तो उसे भूला नहीं कहते, पर हम आपको ऐसी कहानी सुनाते हैं, जिसमें एक महिला 30 साल की उम्र में पति और अपने छह बच्चों को छोड़कर अपने प्रेमी के साथ भाग गई थी। और अब 25 साल बाद 55 की उम्र में अपने पति और बच्चों के पास वापस लौटी। खास बात यह रही कि उसके पति और बच्चों ने उसे स्वीकार भी कर लिया। मामला गढ़वा जिले के केतार थाना क्षेत्र के जोगियाबीर गांव का है। गांव में एक महिला 25 साल बाद लौटी थी। वह महिला अपने प्रेमी संग फरार हो गई थी। जब उसके प्रेमी की मौत हो गई, तो वह अपने घर लौट आई। जब वह घर लौटी तो पहले तो पति और बेटों ने अपनाने से इनकार कर दिया, पर गांव के लोगों के हस्तक्षेप के बाद उसे परिवार ने अपना लिया। उसके बाद जब घर गई तो बेटा, बहू, पोतों व परपोतों को देखकर भावुक हो गई। उन्हें गले लगाकर फूट फूटकर रोने लगी। बताया जाता है कि महिला यशोदा देवी 25 साल पहले करीब 30 साल की थी। तब उसे छह बेटे थे। उसी दौरान वह थाना क्षेत्र के छताकुंड निवासी विश्वनाथ साह से प्रेम करने लगी। दोनों के बीच प्यार परवान चढ़ा तो वह अपने पति और बेटों को छोड़कर प्रेमी संग फरार हो गई। उसके बाद से वह छत्तीसगढ़ के सीतापुर जाकर अपने प्रेमी के साथ रहने लगी। 15 दिन पहले ही उसके प्रेमी विश्वनाथ की मौत हो गई। उसके बाद विश्वनाथ के घर वालों ने भी उसे अपनाने से इनकार कर दिया। वह अकेली पड़ गई। वहां से उसने अपने घर लौटने का निर्णय लिया। यहां वह रविवार रात करीब नौ बजे पहुंची। जब गांव में पहुंची तो उसे देखकर परिवार के लोग अचंभित रह गए। उसके साथ बेरूखी दिखाते हुए उसे घर से बाहर निकाल दिया। पर वह वहीं रहने पर अड़ी थी। रातभर घर से बाहर दरवाजे पर पड़ी रही।